

अमेरिकी षडयंत्रकारी जॉर्ज सोरोस विकिपीडिया को देता है धन भारत और हिंदुओं के खिलाफ दुष्प्रचार का जरिया विकिमीडिया

नई दिल्ली, 19 फरवरी (एजेंसियां)। विकिमीडिया फाउंडेशन और उसका संदर्भ-माध्यम विकिपीडिया भारत और हिंदू समुदाय के खिलाफ दुष्प्रचार और षडयंत्र में लिप्त पाया गया है। विकिमीडिया और इसके संदर्भ-माध्यम विकिपीडिया को भारत और हिंदू विरोधी अमेरिकी धनपुत्र जॉर्ज सोरोस से धन मिलता है। विकिमीडिया और विकिपीडिया को लेकर किए गए विस्तृत

शोध से यह बात उजागर हुई है। इसके अलावा विकिपीडिया के सह-संस्थापक लैरी सेंगर ने भी स्पष्ट रूप से कहा है कि विकिपीडिया एक स्पष्ट वामपंथी झुकाव का वाला माध्यम है। लैरी सेंगर ने ही यह बताया है कि विकिपीडिया संतुलन के पैमाने को असंतुलित और विकृत करता है, जिससे मिली जानकारी वास्तविकता का सटीक प्रतिनिधित्व नहीं करती और वामपंथी पक्षपात से



भारत से संबद्ध सामग्री को विकृत कर प्रकाशित करता है

ग्रस्त होती है। शोध के आधार पर तैयार किए गए दस्तावेज बताता है कि विकिपीडिया के पूरी दुनिया में केवल 435 सक्रिय प्रशासक हैं, जिनके पास संपादकों को प्रतिबंधित करने, स्रोतों को ब्लैकलिस्ट करने, योगदानकर्ताओं पर प्रतिबंध लगाने और लेखों पर किए गए संपादन को स्वीकृत या अस्वीकृत करने की शक्ति है। शोध में पाया गया है कि इनमें से कई संपादक और प्रशासक

विकिमीडिया फाउंडेशन द्वारा विकिमीडिया से संबंधित परियोजनाओं के लिए अनुदान के रूप में भुगतान प्राप्त करते हैं। यह निर्णायक रूप से सिद्ध हुआ है कि विकिपीडिया सभी के लिए स्वतंत्र रूप से संपादन योग्य मॉडल नहीं है। यह शोध विशेष रूप से भारत के संदर्भ में विकिमीडिया फाउंडेशन को मिलने वाले धन और उसके व्यय के विश्लेषण पर केंद्रित है। ▶10

छत्रपति संभाजी पर बेजा सामग्री विकिपीडिया पर होगी कार्रवाई

मुंबई, 19 फरवरी (एजेंसियां)। विकिपीडिया पर छत्रपति संभाजी महाराज के खिलाफ दिए गए आपत्तिजनक कंटेंट को लेकर महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने सीधी कार्रवाई का आदेश दिया है। सीएम फडणवीस ने राज्य के साइबर सेल के आईजी को कंटेंट हटाने के लिए देश के बाहर से संचालित ओपन-सोर्स प्लेटफॉर्म विकिपीडिया से तत्काल संपर्क करने का निर्देश दिया है। सीएम फडणवीस ने कहा, ▶10

अमेरिका से अवैध प्रवासियों को निकालने का क्रम जारी

35 लाख भारतीयों को निकालेगा अमेरिका!

नई दिल्ली, 19 फरवरी (एजेंसियां)। अमेरिका से अवैध प्रवासियों को निकाले जाने का सिलसिला जारी है। अमेरिका में कई वर्षों से अवैध रूप से रह रहे लाखों भारतीयों के सपने टूटने वाले हैं। अब सौ, दो सौ या पांच सौ नहीं बल्कि 35 लाख भारतीयों के निष्कासन (डिपोर्टेशन) का खतरा दिख रहा है। इनमें 14 लाख लोग तो अकेले पंजाब के हैं। भारत के विदेश मंत्रालय के अधिकारियों का कहना है कि इस मामले का कूटनीतिक और कानूनी हल निकालने की कोशिशें चल रही हैं।



अवैध प्रवासियों में अकेले पंजाब के हैं 14 लाख लोग

कूटनीतिक और कानूनी हल निकालने का प्रयास जारी

ने अप्रत्याशित रूप से 20 इमिग्रेशन जजों को बिना किसी पूर्व सूचना के बर्खास्त कर दिया है। इस फैसले से उन 35 लाख लोगों में चिंता बढ़ गई है, जिन्होंने शरणार्थी दर्जे के लिए आवेदन किया था। इन जजों की बर्खास्तगी के कारण मामलों

में और देरी होने की संभावना है, जिससे वर्षों से अमेरिका में रह रहे पंजाबी मूल के लगभग 14 लाख लोगों के निर्वासन का खतरा बढ़ गया है। अमेरिका में रहने वाले राणा टुट के अनुसार इस कारण काफी पंजाबी युवाओं को काफी नुकसान

कई हार के बाद कांग्रेस अब झाड़ रही अपनी आस्तीन कांग्रेस अध्यक्ष ने कांग्रेस नेताओं से दो टूक कहा

चुनाव परिणामों के लिए नेता जवाबदेह होंगे

नई दिल्ली, 19 फरवरी (एजेंसियां)। कई राज्यों में हुए विधानसभा चुनावों में कांग्रेस पार्टी की अपमानजनक हार के बाद अब कांग्रेस ने अपने गिरेबात में झांकना शुरू किया है। कांग्रेस के अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने यह कहने का साहस किया कि चुनाव परिणामों के लिए कांग्रेस के नेता जिम्मेदार होंगे। खड़गे ने कांग्रेस पार्टी के नेताओं को जिम्मेदार बनने की सलाह भी दी और हिदायत भी दी। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने पार्टी के भीतर जवाबदेही की जरूरत पर जोर देते हुए शीर्ष पार्टी नेताओं को सख्त चेतावनी दी। उन्होंने कहा कि सभी महासचिव और प्रभारी अपने प्रभार वाले राज्यों में संगठन और चुनाव



परिणामों के लिए जवाबदेह होंगे। खड़गे ने बुधवार को पार्टी महासचिवों और प्रदेश प्रभारियों की अहम बैठक की। इसमें नए मुख्य निर्वाचन आयुक्त की नियुक्ति के मुद्दे का भी जिक्र किया गया। खड़गे ने कहा कि चयन समिति से प्रधान न्यायाधीश को बाहर करने से साफ है कि सरकार को उनकी निष्पक्षता पर भरोसा नहीं है। ▶10

भारत ने सुरक्षा परिषद में डंके की चोट पर कहा

आतंकवाद का अड़ा है पाकिस्तान

न्यूयॉर्क, 19 फरवरी (एजेंसियां)। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में भारत ने डंके की चोट पर पाकिस्तान को आतंकवाद का अड़ा बताया। पाकिस्तान ने रेटे-रटाए तरीके से जम्मू-कश्मीर का मुद्दा उठाया तो भारत के प्रतिनिधि दूत ने पाकिस्तान के धागे खोल दिए। भारत ने कहा, हम जैश-ए-मोहम्मद जैसे संगठनों की दहशतगर्दी से पहले से जूझ रहे हैं। जैश-ए-मोहम्मद जैसे कई पाकिस्तान पोषित आतंकी संगठनों ने भारत में कई आतंकी हमले किए हैं। भारत के स्थायी प्रतिनिधि पी. हरीश ने पाकिस्तान को आतंकवाद का वैश्विक केंद्र बताया और कहा कि पाकिस्तान में 20 से ज्यादा प्रतिबंधित आतंकी संगठन मौजूद हैं। इसके बावजूद जब पाकिस्तान खुद को आतंकवाद के खिलाफ लड़ने वाला देश बताता है, तो यह सबसे



संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद का विस्तार जरूरी

बड़ी विडंबना है। भारत की तरफ से यह बयान तब आया जब पाकिस्तान के उप प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री मोहम्मद इशाक डार ने भारत में संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में जम्मू-कश्मीर का मुद्दा उठाया। इस पर भारत ने कड़ा जवाब देते हुए कहा कि जम्मू-कश्मीर

सुरक्षा परिषद का विस्तार न होने से भारत नाराज

न्यूयॉर्क, 19 फरवरी (एजेंसियां)। भारत ने एक बार फिर संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में विस्तार की मांग उठाई है। इस बार भारत ने नाराजगी जताते हुए कहा कि जो देश स्थिति को जस का तस बनाए रखना चाहते हैं और यूएनएससी में विस्तार नहीं होने दे रहे, वे दूर की नहीं सोच पा रहे हैं। वे प्रतिगामी (उल्टी) सोच वाले देश हैं। भारत ने कहा कि इसे अब बर्दाश्त नहीं किया जा सकता। चीन की अध्यक्षता में संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में सुधार और वैश्विक प्रशासन को बेहतर बनाने के मुद्दे पर खुली बहस का आयोजन किया गया। इस आयोजन में संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी प्रतिनिधि पी. हरीश शामिल हुए। ▶10

कार्टून कॉर्नर



रेखा गुप्ता होंगी दिल्ली की नई मुख्यमंत्री

नई दिल्ली, 19 फरवरी (एजेंसियां)। रेखा गुप्ता दिल्ली की अगली मुख्यमंत्री होंगी। सुषमा स्वराज, शीला दीक्षित, आतिशी के बाद रेखा दिल्ली की चौथी महिला मुख्यमंत्री होंगी। इससे पहले भाजपा विधायक दल की बैठक में 48 विधायक, दिल्ली के 7 सांसद, 2 पर्यवेक्षक, 3 प्रभारी और सह प्रभारी के अलावा दिल्ली बीजेपी अध्यक्ष, दिल्ली महासचिव, संगठन मंत्री समेत कुल मिलाकर 65 लोग मौजूद थे। गौर करने वाली बात यह है कि 11 फरवरी को भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने 10 नवनिर्वाचित विधायकों से मुलाकात की थी। इन विधायकों में विजेंद्र गुप्ता, रेखा गुप्ता, अरविंदर सिंह लवली, अजय महावर, सतीश उपाध्याय, शिखा राय, अनिल शर्मा और डॉ. अनिल गोयल, कपिल मिश्रा और कुलवंत राणा शामिल थे। शपथ ग्रहण समारोह दिल्ली के रामलीला मैदान में आयोजित किया जाएगा, जिसमें भाजपा के कई दिग्गज नेता शामिल होंगे। शपथ ग्रहण समारोह गुरुवार को सुबह 11.00 बजे शुरू होगा।

मौसम हैदराबाद

अधिकतम : 33°
न्यूनतम : 19°

TIBCON CAPACITORS
It's all about **SAVING ENERGY AND MONEY**

GARG
Garg Power Products Pvt. Ltd.
Cell: -91 99 12 4444 26
-91 99 48 1234 59

HEAVEN OF HOPE

A MISSION TO SUPPORT THE LESS FORTUNATE

In a world where many struggle. Heaven of Hope is on a mission to bring change. We provide food, education, healthcare, and opportunities to those in need because everyone deserves a chance at a better future.



Want to make a real difference? You don't need experience - the heart to help! Whether you're a student, professional, or someone looking to give back, this is your chance to be part of something meaningful.

Why Join Us?

- ✓ **Make an impact:** Help those who need it most
- ✓ **Meet amazing people:** Connect and socialise with new people
- ✓ **Boost your profile:** Gain valuable experience & exposure
- ✓ **Feel the joy of giving back:** There's nothing more rewarding!
- ✓ **Organise events:** have the most of the fun organising and being a part of our fundraiser events!



How to Get Involved:

- ✓ **Volunteer with us-** anyone, including young people, can join!
- ✓ **Support through donations or partnerships**
- ✓ **Follow & DM us on Instagram @heavenofhope_hyd**
- ✓ **Email us at heaven.of.hopeee@gmail.com**



TOGETHER, WE CAN BUILD A WORLD WHERE NO ONE IS LEFT BEHIND. JOIN US TODAY!

TEAM- DIA AGARWAL, NISHKA AGARWAL, DHAANI AGARWAL, VIHAAN AGRWA, NAITEEK AGARWAL, PARTH SAMEJA



ट्रंप का एक और कड़ा फैसला : बाइडेन युग के सभी अटॉर्नी को बर्खास्त करने का आदेश

वाशिंगटन, 19 फरवरी (एजेंसियां)। सत्ता संभालते ही एक के बाद एक सख्त फैसले कर रहे अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बाइडेन प्रशासन के सभी अटॉर्नी को लेकर एक और बड़ा आदेश जारी किया है।

ट्रंप ने अपने ताजा आदेश में बाइडेन प्रशासन के सभी अटॉर्नी को बर्खास्त करने का निर्देश देकर खलबली मचा दी है। ट्रंप ने इसकी जानकारी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर दी है।
ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा- पिछले चार वर्षों में न्याय विभाग का जितना राजनीतिकरण हुआ है उतना कभी नहीं हुआ। इसलिए सभी वंचे हुए बाइडेन युग के अमेरिकी अटॉर्नी को बर्खास्त करने का निर्देश दिया गया है। हमें तुरंत सफाई करनी चाहिए

और विश्वास बहाली के लिए काम करना चाहिए। अमेरिका के स्वर्ण युग में एक निष्पक्ष न्याय प्रणाली होनी चाहिए- जिसकी शुरुआत रही है।
ट्रंप के सत्ता संभालने के बाद से ही अमेरिकी न्याय विभाग निशाने पर रहा है। कई अटॉर्नी पहले ही पद छोड़ चुके हैं। कई अटॉर्नी ने सोमवार को भी पद छोड़ने का एलान किया। ट्रंप ने राष्ट्रपति के चुनाव प्रचार के दौरान आरोप लगाए थे कि बाइडेन प्रशासन उनके खिलाफ न्याय विभाग को हथियार बनाकर

काम कर रहा है। बाइडेन प्रशासन में ट्रंप के खिलाफ कई मामले दर्ज किए गए और जिन अटॉर्नी ने ट्रंप के खिलाफ सुनवाई में हिस्सा लिया और ट्रंप के खिलाफ जांच की, उन को ट्रंप पहले ही न्याय विभाग से हटा चुके हैं।
अमेरिका के न्याय विभाग में राष्ट्रपति बदलने के बाद अटॉर्नी पद छोड़ने की एक परंपरा है जिसमें सामान्य तौर पर नया प्रशासन अटॉर्नी से इस्तीफा मांगता है, लेकिन इस बार ट्रंप ने इसे बदलते हुए अटॉर्नी को बर्खास्त करने का आदेश दे दिया।

न्यूज़ ब्रीफ

1 ट्रंप ने कहा- भारत जैसे ही मालामाल है उसे सहायता की जरूरत नहीं है और कर दी फंड में कटौती

वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत को मालामाल बताते हुए करोड़ों डॉलर की सहायता की जरूरत को नकार दिया है। एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान ट्रंप ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के हालिया दो दिवसीय

अमेरिका दौर का जिक्र करते हुए कहा, हम भारत को 108 अरब वॉय दे रहे हैं उनके पास पहले से ही बहुत पैसा है। वे दुनिया के सबसे अधिक कर लगाने वाले देशों में से एक हैं। हम वहां मुश्किल से प्रवेश कर पाते हैं क्योंकि उनके टैरिफ काफी अधिक हैं। मुझे भारत और उनके प्रधानमंत्री को लेकर बहुत सम्मान है, लेकिन वहां के चुनाव में मतदाताओं की भागीदारी बढ़ाने के लिए 1.8 अरब वॉय देना सुची में चुनाव और राजनीतिक प्रक्रिया सुदृढ़ीकरण के लिए समूह को 48.6 करोड़ अमेरिकी डॉलर का अनुदान शामिल था, जिसमें मोल्दोवा में समावेशी और भागीदारीपूर्ण राजनीतिक प्रक्रिया के लिए 2.2 करोड़ अमेरिकी डॉलर और भारत में चुनाव में मतदाताओं की भागीदारी बढ़ाने के लिए 2.1 करोड़ अमेरिकी डॉलर शामिल थे। पोस्ट में वित्त पोषण के बारे में कोई और जानकारी नहीं दी गई। आपको बता दें कि अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने पिछले महीने मस्क को नये सरकारी कार्यक्षेत्र विभाग का प्रमुख चुना था। शासन में सुधार और फिजूलखर्ची पर रोक लगाने के लिए विभाग ने शनिवार को 'एक्स' पर एक पोस्ट में इस कटौती की घोषणा की। विभाग ने कहा, अमेरिकी करदाताओं के पैसे निम्नलिखित मदों पर खर्च किए जाने वाले थे, जिनमें से सभी को रद्द कर दिया गया है। बता दें कि 16 फरवरी को एलन मस्क के नेतृत्व वाले डिपार्टमेंट ऑफ गवर्नमेंट एफिशिएंसी (डीओजीई) ने इस फंड को रद्द करने की घोषणा की। डीओजीई ने इस निर्णय के बाद एक पोस्ट जारी करते हुए अमेरिकी करदाताओं द्वारा विभिन्न देशों को विभिन्न उद्देश्यों के लिए आवंटित फंड की सूची साझा की। इसमें 2.1 मिलियन डॉलर का उल्लेख करते हुए कहा गया कि यह राशि भारत में वोटर टर्नआउट के लिए निर्धारित थी।

प्रेग्नेंट वे वर्क फ्रॉम होम मांगा तो नौकरी से निकाल दिया, फिर देना पड़ा 1 करोड़ का मुआवजा

लंदन। ब्रिटेन में एक प्रेग्नेंट महिला ने वर्क फ्रॉम होम मांगा तो कंपनी ने उसे नौकरी से निकाल दिया। इसके बाद कंपनी को एक करोड़ का मुआवजा देना पड़ा। बर्मिंघम स्थित रोमन प्रॉपर्टी ग्रुप लिमिटेड में काम करने वाली पाउला मिलुस्का ने

प्रेग्नेंसी से संबंधित दिक्कतों की वजह से घर से काम करने देने की इजाजत मांगी थी। हालांकि कंपनी ने ना सिर्फ पाउला को इसकी इजाजत नहीं दी, बल्कि उसे नौकरी से ही निकाल दिया। जानकारी के मुताबिक कंपनी के बॉस ने कंपनी के संघर्ष का हवाला देते हुए एक टेक्स्ट मैसेज भेजकर पाउला को काम से निकाल दिया। हालांकि एम्प्लॉयमेंट ट्रिब्यूनल को यह बात रास नहीं आई। उन्होंने पाउला को काम से निकाले जाने को भेदभावपूर्ण माना और कंपनी को पाउला को 94,000 पाउंड यानी लगभग 1 करोड़ का मुआवजा देना पड़ा इससे पहले पाउला ने मार्च 2022 में कंपनी ज्वाइन की थी। उन्होंने उसी साल अक्टूबर में बॉस को अपनी स्थिति के बारे में बताया था।

समुद्र के साढ़े छह हजार फिट नीचे खुदाई कर खजाना ढूंढ रहा चीन



बीजिंग। चीन ऐसे कई काम कर रहा है जो पूरी दुनिया को चौंकाने वाली हो सकती है। हाल में खबर आ रही है कि चीन समुद्र में 6,560 फीट नीचे खुदाई कर रहा है। यहां उसे एक अनोखे खजाने की तलाश है। दरअसल, चीन साइबेरिया से 6,560 फीट नीचे 'डीप-सी स्पेस स्टेशन' बना रहा है। वैसे तो उसने इसका मकसद समुद्र की गहराई में छिपे 'खजाने' की खोज करना है। लेकिन इसकी कीमत जानकर आप भी हैरान रह जाएंगे। इस जगह मीथेन से भरपूर हाइड्रोथर्मल वेंट शामिल है। इन वेंट में मीथेन हाइड्रेट्स यानी ज्वलनशील बर्फ के विशाल भंडार हैं, यह ऊर्जा का बड़ा स्रोत हो सकते हैं। दूसरा, यहां से रहकर भूकंप जैसी गतिविधियों पर रिसर्च की जा सकती है। इतना ही नहीं, अगर जमीन के अंदर कोई देश हलचल करने की कोशिश करेगा, जैसे कोई परमाणु परीक्षण करने की कोशिश करेगा, तो उसका पता पहले चल जाएगा। सुनामी के बारे में भी घंटों पहले सूचना मिल सकेगी। चीन का 'डीप-सी स्पेस स्टेशन' समुद्र तल से 2000 मीटर नीचे होगा। इसमें एक साथ 6 वैज्ञानिक एक महीने तक रहकर काम कर पाएंगे। 2030 तक यह स्पेस स्टेशन काम करने लगेगा।

धरती की और तेजी से आ रहा उल्कापिंड वैज्ञानिक टेलीस्कोप से रख रहे नजर



वायआर4 एक इमारत के आकार का, स्पीड 61 हजार किमी प्रति घंटा

वाशिंगटन, 19 फरवरी (एजेंसियां)। एक उल्कापिंड धरती की ओर तेजी से आ रहा है यह धरती पर तबाही मचा सकता है जिसको लेकर कई देशों के वैज्ञानिक इस पर नजर रखे हुए हैं। यह एक बड़ा खतरा बन रहा है। वैज्ञानिक शक्तिशाली टेलीस्कोप से इस देख रहे हैं। 2024 वायआर4 नाम का एस्टेरॉयड एक इमारत के आकार का है, जिसकी स्पीड 61 हजार किमी प्रति घंटे है। नासा के एस्टेरॉयड टेरिस्ट्रियल-इम्पैक्ट लास्ट अलर्ट सिस्टम (एटलस) की ओर से इसे 2024 में खोजा गया था। यह उल्कापिंड दिसंबर 2032 में धरती से टकराने की संभावना जताई जा रही है। वर्तमान में गणना के आधार पर 43 में से 1 बार इसकी टक्कर धरती से संभव है, जिसे देखते हुए नासा ने तैयारी की है। यूरोपीय स्पेस एजेंसी (ईएसए) की पोस्ट के मुताबिक

अंतर्राष्ट्रीय खगोलविदों की एक टीम को जेम्स वेब स्पेस टेलीस्कोप के इमरजेंसी इस्तेमाल की इजाजत मिली है, ताकि इसका अध्ययन किया जा सके।
खगोलविदों का अनुमान है कि इस एस्टेरॉयड का व्यास करीब 55 मीटर है, जो पीसा की झुकी हुई मीनार की ऊंचाई के बराबर है। पृथ्वी पर मौजूद डायनासोर को चिक्समुलुब एस्टेरॉयड ने खत्म कर दिया था। एक रिपोर्ट के मुताबिक 2024 वायआर4 उतना विनाशकारी नहीं होगा, लेकिन यह टंगुस्का एस्टेरॉयड जितना नुकसान पहुंचा सकता है, जिसने 1908 में साइबेरिया के जंगलों में करीब 8 करोड़ पेड़ों को गिरा दिया था। 2024 वायआर4 का वर्तमान आकार ग्राउंड आधारित टेलीस्कोप का एक अनुमान है। ईएसए के मुताबिक धरती के वातावरण की वजह से ये टेलीस्कोप एस्टेरॉयड की सतह से परावर्तित होने वाले सूर्य के प्रकाश को ही देख पाते हैं, जिसके कारण इसके वास्तविक आकार की सीमित तस्वीर मिलती है। यह अनुमान से काफी बड़ा हो सकता है। ईएसए ने पोस्ट में

लिखा कि सामान्य तौर पर एस्टेरॉयड जितना चमकीला होगा, उसका आकार उतना ही बड़ा होगा।
टीम का कहना है कि यह बहुत महत्वपूर्ण है कि हम 2024 वायआर4 के लिए अपने आकार अनुमान में सुधार करें, क्योंकि 40 मीटर और 90 मीटर व्यास वाले एस्टेरॉयड का खतरा अलग होता है। ईएसए के मुताबिक जेम्स वेब टेलीस्कोप के जरिए एस्टेरॉयड के आकार और सतह की संरचना के बारे में हमारी जानकारी में सुधार होगा। जेडब्ल्यूएसटी के इन्फ्रारेड उपकरण एस्टेरॉयड से निकलने वाली गर्मी का अध्ययन करेंगे, जिससे इसके वास्तविक आकार और सतह की संरचना का पता चल सकेगा। जेडब्ल्यूएसटी दुनिया का सबसे महंगा टेलीस्कोप है, जो अंतरिक्ष में मौजूद है। धरती पर मौजूद टेलीस्कोप की तुलना में यह बहुत साफ तरह से एस्टेरॉयड को देख सकता है। ईएसए के मुताबिक जेडब्ल्यूएसटी पहली बार मार्च में 2024 वायआर4 का अवलोकन करेगा। तब इस एस्टेरॉयड की चमक चरम पर होगी।

तकनीक, अंतरिक्ष यात्रा और जलवायु परिवर्तन कैसे बदलेगी इंसानों की जिंदगी



जैसे-जैसे तकनीक आगे बढ़ रही है, इंसानों में भी काफी तरह के बदलाव हो रहे हैं। तकनीक, अंतरिक्ष यात्रा और जलवायु परिवर्तन, ये तीन मुख्य कारण हैं, इसका दुनिया काफी तेजी से बदल रही है। विशेषज्ञों का मानना है कि इन चीजों की वजह से इंसान भी काफी ज्यादा बदल जाएंगे। एक शोध के बाद ये कल्पना की है कि मानव जाति किस तरह विकसित हो सकती है। शोधकर्ता का मानना है कि आने वाले एक हजार वर्षों महिलाओं को अपने साथी चुनने की अधिक स्वतंत्रता होगी। इस तरह महिलाओं द्वारा सफल, बुद्धिमान, अच्छे दिखने वाले या अन्य आकर्षक गुणों वाले पुरुषों के चयन की अधिक संभावना होगी। इससे औसत व्यक्ति अधिक आकर्षक, सफल या बुद्धिमान हो सकता है। एक अन्य शोधकर्ता का मानना है कि भविष्य में इंसान अधिक समान दिखाने वाले होंगे। जैसे-जैसे मानवता अधिक मिश्रित होगी और सांस्कृतिक या नस्लीय बाधाएं टूटेंगी, इंसान की त्वचा का रंग गहरा और समानताएं बढ़ती जाएंगी।

पाक के बलूचिस्तान में हथियारबंद हमलावरों ने बस से उतार कर 7 यात्रियों की हत्या की

क्रेटा, 19 फरवरी (एजेंसियां)।

पाकिस्तान के बलूचिस्तान के बरखान जिले में एक बस पर हमलावरों ने गोलीबारी की और बस से उतार कर कम-से-कम 7 यात्रियों की हत्या कर दी। मारे गए सभी यात्री पंजाब के विभिन्न हिस्सों के रहने वाले थे। हमला मंगलवार देर रात हुआ। बरखान सहायक आयुक्त (एसओ) खादिम हुसैन ने बुधवार सुबह इसकी पुष्टि की। हथियारबंद हमलावरों ने मंगलवार देर रात बलूचिस्तान के बरखान जिले में एक बस पर गोलीबारी की और बाद में बस से उतार कर 7 यात्रियों की हत्या कर दी। हमला राकन इलाके में राष्ट्रीय राजमार्ग पर हुआ, जहां अज्ञात हथियारबंद हमलावरों ने एक यात्री बस को रोका और हवा में गोलियां चलाई। इसके बाद बंदूकधारी बस में चढ़े, यात्रियों के पहचान पत्रों की जांच की और 7 लोगों को जबरन पास के एक पहाड़ पर ले गए। कुछ ही देर बाद गोलियों की आवाज सुनाई दी। सुरक्षाबल के जवानों के घटनास्थल पर पहुंचने पर अपहृत यात्रियों के शव पहाड़ी इलाके से



मिले। मृतक पंजाब के विभिन्न शहरों के रहने वाले थे। बस सेवा कार्यालय के अनुसार, बस क्रेटा से फैसलाबाद जा रही थी और उसमें कम से कम 45 यात्री सवार थे। हमलावरों की संख्या करीब 10-12 थी और सभी अत्याधुनिक हथियारों से लैस थे।

बलूचिस्तान के मुख्यमंत्री सरफराज बुगती ने घटना की कड़ी निंदा करते हुए कहा कि आतंकवादी निर्दोष और निहत्थे नागरिकों को निशाना बना रहे हैं। उन्होंने कहा कि शांति के दुश्मनों का यह कायरतापूर्ण हमला असहनीय है।

पाकिस्तान में बलूचिस्तान के कई जिले कर सकते हैं स्वतंत्रता की घोषणा

सांसद मौलाना फजलुर रहमान ने सदन में शहबाज सरकार को दी चेतावनी

इस्लामाबाद, 19 फरवरी (एजेंसियां)। पाकिस्तान में धर्मगुरु और सांसद मौलाना फजलुर रहमान ने 1971 की याद दिला दी है, जब पूर्वी पाकिस्तान टूटकर बांग्लादेश बना था। मौलाना ने दावा किया है कि बलूचिस्तान के पांच से सात जिले टूटकर स्वतंत्रता की घोषणा कर सकते हैं। उन्होंने भारत-पाकिस्तान युद्ध का जिक्र करते हुए चेतावनी दी है कि ऐसी ही स्थिति एक बार फिर बन सकती है। पाकिस्तान की नेशनल असेंबली में खुलासा किया गया कि अगर बलूचिस्तान के जिले स्वतंत्रता की घोषणा करते हैं तो संयुक्त राष्ट्र स्वतंत्रता की मान्यता दे सकता है। सेना पर निशाना साधते हुए मौलाना फजलुर रहमान ने कहा कि कुछ ताकतवर लोग बंद कमरों में फैसले करते हैं, जिसे सरकार को मानना पड़ता है। उनका यह बयान ऐसे समय आया है जब पाकिस्तान के उत्तर-पश्चिमी क्षेत्र कूर्म में फिर से हिंसा भड़क गई है। नवंबर में शुरू हुई लड़ाई में



अब तक 150 लोगों की मौत हो चुकी है। यह पाकिस्तान का पहाड़ी इलाका है, जो अफगानिस्तान की सीमा से लगा हुआ है। भारी हथियारों से लैस लड़ाकों की झड़पों से यह दुनिया से कट चुका है। कई बार सीजफायर की कोशिश की गई, लेकिन हिंसा थमने का नाम नहीं ले रही है।

जमीयत तलेमा-ए-इस्लाम के प्रमुख मौलाना फजलुर रहमान ने पिछले महीने कहा था कि पाकिस्तान सरकार ने खैबर पख्तूनख्वा और बलूचिस्तान में पूरी तरह से अपना नियंत्रण खो दिया है, जिससे बीते दो दशकों में बड़े पैमाने पर पलायन हुआ है।

एआई की दुनिया में तहलका मचाने मस्क ले आए गोक 3 का थर्ड वर्जन

वाशिंगटन। अब एआई की दुनिया में एलन मस्क तहलका मचाने को तैयार हैं। धरती का सबसे स्मार्ट एआई गोक 3 का थर्ड वर्जन सुबह 9.30 बजे लांच किया है। इसकी जानकारी खुद मस्क ने दी। मस्क ने बताया कि ये एआई पृथ्वी का सबसे स्मार्ट एआई होने वाला है। मस्क ने इस दुनिया का सबसे शक्तिशाली चैटबॉट बताया है।



बताया जा रहा है कि ये चीन में खलबली मचा देगा। उन्होंने दावा करते हुए कहा कि वे आज धरती का सबसे फास्ट गोक 3 एआई लांच कर रहे हैं। हालांकि मार्केट में पहले ही एआई चैटबॉट मौजूद हैं। इस एआई के बारे में ज्यादा जानकारी अभी नहीं दी गई है, लेकिन बताया जा रहा है कि इन्होंने टेस्ट-ट्यू-विडियो जैसी नई और एडवांस सुविधाएं हो सकती हैं। इससे यह ओपनएआई के जीपीटी-4, गुगल डीपमाइंड के जेमिनी को टक्कर दे सकता है। गोक को पहले एक्स के प्रीमियम यूजर से लिए लांच किया गया था और अगर गोक-3 भी इसी तरह आता है, तब एक्स के सब्सक्रिप्शन बंद सकते हैं। गोक-3 का लाइव डेमो सबसे बड़ा टेस्ट होगा। अगर यह शानदार प्रदर्शन करता है, तब यह एआई जगत में बड़ा बदलाव ला सकता है। लेकिन अगर यह उम्मीदों पर खरा नहीं उतरा, तब मस्क की दावों पर और सवाल खड़े हो सकते हैं। इस घोषणा के बाद टेक कंपनियों के शेयरों में हलचल देखी जा रही है। निवेशक और टेक जानकार यह समझने की कोशिश कर रहे हैं कि गोक-3 वास्तव में एआई की दुनिया में क्रांति ला सकता है या सिर्फ एक और अपग्रेडेड वर्जन होगा।

शुभ काम
03/ जुलाई, 2025 हैदराबाद

राष्ट्र प्रथम



बंटेंगे तो कटेंगे
एक रहेंगे तो सेफ रहेंगे

Best Wishes



Basai Steels And Power (P) Ltd.

MANUFACTURERS OF

BILLETS | POWER | SPONGE IRON & M.S & G.P PIPE 15mm to 150mm

SQUARE, RECTANGULAR & ROUND PIPES IN ALL REGULAR THICKNESS

A-23/586, APIE, Balanagar, Hyderabad 500037

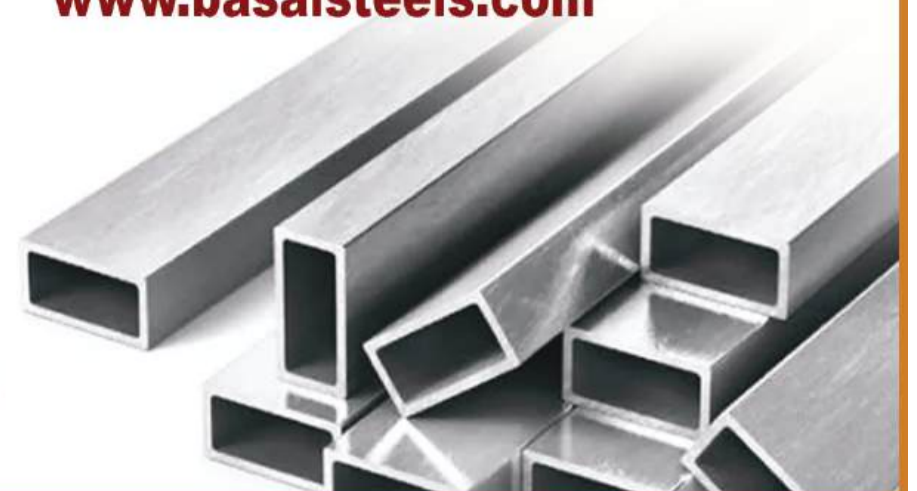
Cell: 9848030471, 7799555555

gopalagarwal@basaisteels.com

Ward No 3, Plot No 412, Sidiginamola Village

Bellary-Alur Highway, Bellary 583138

www.basaisteels.com



गुरुदत्त के शादीशुदा जीवन में वहीदा रहमान ने मचा दी थी उथल पुथल!



अभिनय की दुनिया में प्यार, शादी, धोखा और फिर तलाक़ शुरूआत से ही आम है। फिल्म इंडस्ट्री में बहुत कम कपल हैं, जिनके प्यार को मुकाम मिला है। फिल्मी दुनिया में तो शादीशुदा स्टार्स का दूसरे प्यार पड़ जाना और फिर अपना घर बर्बाद करना आम है। इसमें एक नाम है 50 से 60 के दशक के उस एक्टर का, जिसकी शादीशुदा जिंदगी में आई इस लड़की ने तबाही मचा दी थी।

आखिर में ना मिला प्यार ना परिवार

इस एक्टर का परिवार जीते-जी नरक की खाई में डूबने लगा, आखिर में इस एक्टर को ना तो प्यार मिला और ना ही परिवार। कभी यह एक्टर हिंदी सिनेमा की शान हुआ करता था। यह ना सिर्फ एक्टर बल्कि फिल्म डायरेक्टर और निर्माता भी था।

ना प्यार मिला ना ही परिवार

दरअसल, बात कर रहे हैं गुरुदत्त की, जिनका असली नाम वसंत कुमार शिवशंकर पादुकोण था। गरीबी में पले-बढ़े गुरुदत्त 10वीं क्लास से आगे नहीं पढ़ पाए, लेकिन संगीत और कला में रूचि होने के चलते स्कॉलरशिप मिली और उदय शंकर इंडिया कल्चर सेंटर में एडमिशन ले लिया। यहां गुरुदत्त ने डांस सीखा और कोरियोग्राफर बन गए। 1946 में फिल्म हम एक में बतौर कोरियोग्राफर करियर की शुरुआत की। साल 1953 में गुरुदत्त ने गीता से शादी रचाई और शादी के चार साल बाद ही गुरुदत्त की जिंदगी बर्बादी के रास्ते पर आ गई। रिपोर्ट्स की मानें तो गुरुदत्त गुजरे जमाने की एक्ट्रेस वहीदा रहमान के प्यार में पड़ गए थे। इसके बाद गुरुदत्त और गीता के झगड़े हद से ज्यादा बढ़ गए।



शादी भी टूटी और प्यार भी छूटा

दूसरी तरफ गुरुदत्त की आंखों से वहीदा की तस्वीर नहीं जाती थी। गुरुदत्त वहीदा के प्यार में पत्नी और परिवार सबको भूलते जा रहे थे। गीता ने गुरुदत्त को रो हाथ पकड़ने के लिए वहीदा के नाम से एक खत भेजा और पत्र में लिखी लोकेशन पर जब गुरुदत्त अपने दोस्त अबरार संग पहुंचे तो, थोड़ी देर में गीता अपनी सहेली संग वहां पहुंचीं। इसके बाद गुरुदत्त भड़क गए और यहां से दोनों का रिश्ता टूट गया। वहीं, गीता ने वहीदा पर भी खूब भड़सा निकाली थी। गीता ने कहा था जब से वहीदा की हमारी जिंदगी में एंट्री हुई, तबसे हम लोगों की जिंदगी नरक से बदतर हो गई। वहीं कहा जाने लगा कि गुरुदत्त और वहीदा ने धर्म बदल शादी कर ली, लेकिन इसकी कोई पुष्टि नहीं हुई। गुरुदत्त शराब के नशे में डूबते गए और वहीदा भी दूर होती गई और एक दिन वह अपने बिस्तर पर बेसुध मिले।

लाइव कॉन्सर्ट में अरिजीत सिंह को आया पापा का वीडियो कॉल



लाइव कॉन्सर्ट में आया फोन

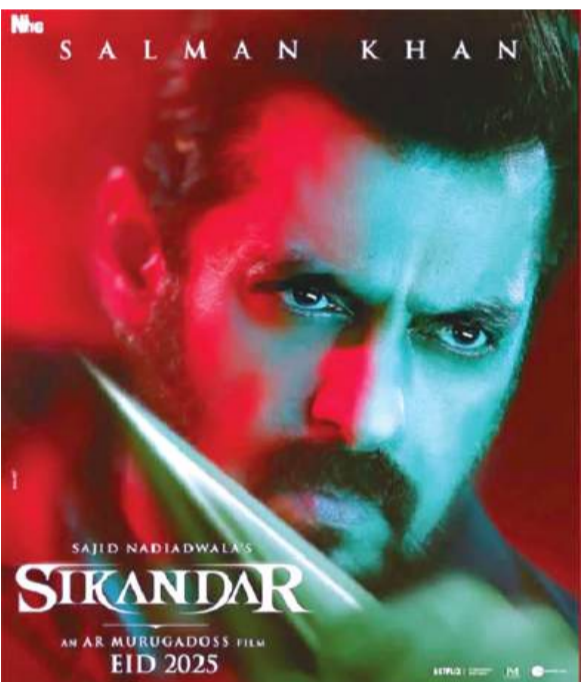
सोशल मीडिया पर अरिजीत सिंह के फैन उनका ये वीडियो खूब वायरल कर रहे हैं। इस वीडियो में अरिजीत सिंह का लाइव कॉन्सर्ट दिख रहा है। ये कॉन्सर्ट चंडीगढ़ का बताया जा रहा है। इस कॉन्सर्ट में अरिजीत सिंह एक गाना गा रहे होते हैं। इसी बीच एक वीडियो कॉल आता है। आमतौर पर जब कॉन्सर्ट के बीच ऐसे कॉल आते हैं तो आर्टिस्ट या तो कॉल ड्रॉप कर देता है या फिर गाना रोक देता है। अरिजीत सिंह ने ऐसा नहीं किया। उन्होंने कुछ ऐसा किया कि कॉल पर बात भी हुई और गाना भी नहीं रुका।

इस तरह की बात

अरिजीत सिंह बॉलीवुड के ऐसे सिंगर हैं जो अपनी आवाज से फैंस के दिलों में खास जगह बना चुके हैं। वो अपनी सिंप्लिसिटी के लिए भी खूब पसंद किए जाते हैं। उनकी कॉन्सर्ट में फैंस की भारी भीड़ उमड़ती है। ऐसे शो में अपने चेहरे पर मुस्कान रख कर अरिजीत सिंह अपने एक एक फैन को खुश करते हैं। उनके फेवरेट सांग सुनाते हैं और उनसे स्ट्रेज पर रह कर ही अपने अंदाज में इंटेरेक्ट भी करते हैं। ऐसे ही एक कॉन्सर्ट में अरिजीत सिंह के फोन पर एक खास कॉल आ गया। उसके बाद सिंगर ने जो किया वो फैंस का दिल फिर जीत ले गया।

असल में ये कॉल अरिजीत सिंह के पापा का था। उन्होंने अपने बेटे को वीडियो कॉल किया था। अरिजीत सिंह ने कॉल रिसीव किया और पापा को कॉन्सर्ट का वीडियो दिखाया। वो गाना गाते रहे और फैंस की तरफ फोन की स्क्रीन घुमा दी ताकि उनके फादर कॉन्सर्ट का नजारा देख सकें। गाना गाते हुए उन्होंने बीच में कहा, मेरे पापा का फोन था। इसके बाद फिर उन्होंने गाना स्ट्रेज पर रह कर ही अपने अंदाज में इंटेरेक्ट भी करते हैं। ऐसे ही एक कॉन्सर्ट में अरिजीत सिंह के फोन पर एक खास कॉल आ गया। उसके बाद सिंगर ने जो किया वो फैंस का दिल फिर जीत ले गया।

सिकंदर से सलमान का नया पोस्टर आउट



बॉलीवुड सुपरस्टार सलमान खान की मोस्ट अवेटेड मास एक्शन फिल्म सिकंदर के प्रोड्यूसर साजिद नाडियाडवाला का बर्थडे है। इस बाबत सलमान ने साजिद नाडियाडवाला को बीती रात को जन्मदिन विश कर दिया। सलमान ने साजिद को बर्थडे विश कर फिल्म सिकंदर के सेट से एक तस्वीर भी शेयर की है। इस तस्वीर में सलमान खान सिकंदर लुक में दिख रहे हैं और साथ में साजिद नाडियाडवाला भी नजर आ रहे हैं। बता दें, सलमान और साजिद अपने फैंस को सिकंदर से बड़ा सरप्राइज देने का वादा किया था, जो पूरा कर दिया है। फिल्म सिकंदर से सलमान खान का नया पोस्टर रिलीज हो गया है। पहले आपको बता दें कि सलमान खान ने साजिद खान को बर्थडे विश करते हुए लिखा है, हैप्पी बर्थडे ग्रैंडसन, आज 3133 बजे पोस्टर रिलीज करने जा रहे हैं। बता दें, बीती 27 दिसंबर को सलमान खान के बर्थडे के मौके पर फिल्म सिकंदर का टीजर जारी किया गया था, जिसमें सलमान खान का डेयरिंग अंदाज देखा गया था। आज फिल्म सिकंदर से सलमान खान का नया लुक पोस्टर रिलीज किया गया है। अब सलमान खान के फैंस के लिए यह नया पोस्टर किसी बिग सेलिब्रेशन से कम नहीं है। बता दें, सलमान और साजिद की जोड़ी ने बॉलीवुड को एक से एक हिट फिल्में दी हैं। बता दें, सलमान खान, रश्मिका मंदाना और काजल अग्रवाल स्टार फिल्म सिकंदर को आमिर खान के साथ फिल्म गजनी बना चुके डायरेक्टर एआर मुरुगादास डायरेक्ट कर रहे हैं। फिल्म ईद 2025 (मार्च के अंत) के मौके पर रिलीज होने जा रही है। सिकंदर एक मास एक्शन फिल्म बताई जा रही है, जिसमें सलमान खान का नेवर सीन अवतार देखने को मिलेगा। सलमान खान के फैंस को फिल्म सिकंदर का बेसब्री से इंतजार है और सलमान भी अपने फैंस के लिए ईदी की तैयारी में लगे हुए हैं। सिकंदर की खास बात यह भी है कि रश्मिका मंदाना पहली बार सलमान खान के साथ काम करने जा रही हैं।

3 फिल्मों से कमाए 3000 करोड़, रश्मिका है नेशनल क्रश

किसी भी एक्टर और एक्ट्रेस की सक्सेस का मीटर उसकी फिल्म की कमाई से तय होता है। अब अगर बॉलीवुड एक्ट्रेसों की कमाई और सक्सेसफुल फिल्मों की बात की जाए तो एक ऐसी एक्ट्रेस का नाम आता है जो असल में बॉलीवुड से है भी नहीं। इनका कनेक्शन असल में साउथ से है और करियर की शुरुआत भी साउथ की फिल्म से ही हुई है। उम्मीद है आप समझ गए होंगे कि हम यहां ब्लॉक बस्टर क्वीन रश्मिका मंदाना की बात कर रहे हैं। रश्मिका हिंदी फिल्मों का लकी चार्म बनती जा रही हैं।

अब तक तीन फिल्मों कर चुकी हैं करीब तीन हजार करोड़ से ज्यादा की कमाई रश्मिका मंदाना को अगर फिल्म मेकर्स का लकी चार्म कहा जाए तो गलत नहीं होगा क्योंकि उनकी बैक टु बैक तीन फिल्मों ने बॉक्स ऑफिस पर छप्पर फाड़ कमाई की है। इस लिस्ट में सबसे पहले आती है एनिमल। साल 2023 की ये धांसू एक्शन फिल्म बॉक्स ऑफिस पर वर्ल्ड वाइड करीब 900 करोड़ से ज्यादा की कलेक्शन की थी। इस फिल्म का फर्स्ट डे से लेकर आखिरी शो तक फुल ही रहा था। यही वजह है कि ये इनती बड़ी हिट कहलाई।

इसके बाद 2024 में रश्मिका मंदाना श्रीवल्ली बनकर आई और पुष्पा-2 से बॉक्स ऑफिस पर नोटों का तूफान ला दिया। ये एक पैन इंडिया फिल्म



थी और इसने सबसे ज्यादा कमाई हिंदी वर्जन में की थी। अगर इस फिल्म की वर्ल्ड वाइड कलेक्शन

कमाई में दीपिका, कैटरिना और प्रियंका से निकली आगे



की बात करें तो आंकड़ा करीब 1800 करोड़ था। इस फिल्म ने पहले थियेटर में और फिर ओटीटी पर भी लोगों को एंटरटेन किया और दुनियाभर में अब ओटीटी के जरिए भी खूब देखी जा रही है। रश्मिका की हालिया रिलीज छावा भी दर्शकों की उम्मीद पर खरी उतरी और एक्ट्रेस ने साबित

कर दिया कि वो वाकई लकी चार्म बन गई हैं। चिकी कौशल के साथ आई ये फिल्म भी अब तक 116.5 करोड़ की कमाई कर चुकी है। बात करें आने वाली फिल्म की तो रश्मिका सलमान खान के साथ सिकंदर में नजर आएंगी। उम्मीद है ये फिल्म भी सुपर-डुपर हिट होगी।

मेरे हसबैंड की बीवी का नया गीत सांवरिया जी जारी

अर्जुन कपूर, भूमि पेडनेकर और रकुलप्रीत सिंह स्टार कॉमेडी ड्रामा मेरे हसबैंड की बीवी का नया गाना सांवरिया जी आउट हो चुका है। सांवरिया जी में रकुल और भूमि के बीच नोकझोंक देखने को मिली। गोरी है कलाइयां और इक वारी के बाद सांवरिया जी भी मजेदार गाना है, जिसमें रकुल और भूमि के बीच नोकझोंक देखने को मिली। गाने में रकुल और भूमि में अर्जुन कपूर को हासिल के लिए आपस में भिड़ती दिखीं। गाने में उनकी नोकझोंक और प्रतिस्पर्धा को खूबसूरती से पेश किया गया है। सांवरिया जी गाने को आवाज सोहेल सेन और वर्षा सिंह धनोआ ने दी है, और बोल मुदस्सर अजीज ने लिखे हैं। ट्रैक में संगीत सोहेल सेन ने दिया है। ट्रैक को प्रतीक लालजी के साथ मिलकर अजीज ने निर्माण भी किया है। मुदस्सर



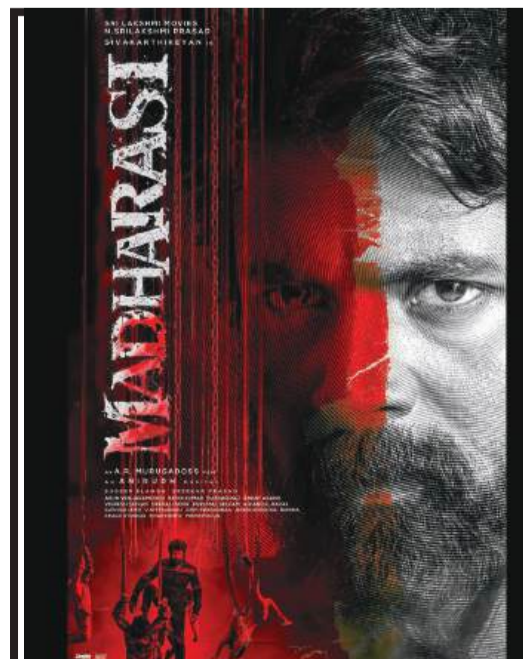
अजीज के निर्देशन में बनी कॉमेडी-ड्रामा फिल्म मेरे हसबैंड की बीवी का ट्रेलर हाल ही में निर्माताओं ने जारी किया, जिसमें लव ट्रायंगल नहीं बल्कि सर्कल देखने को मिला। फिल्म मेकर्स ने ट्रेलर को सोशल

मीडिया पर शेयर करते हुए कैप्शन में लिखा था, इस सीजन के सबसे बड़े पागलपन के लिए तैयार हो जाइए, क्योंकि ये लव ट्रायंगल नहीं, फुल सर्कल है। मेरे हसबैंड की बीवी का ट्रेलर आउट हो चुका है। फिल्म में रकुल प्रीत सिंह, भूमि पेडनेकर, अर्जुन कपूर के साथ स्टैंड-अप कॉमेडियन हर्ष गुजराल, आदित्य सील, शक्ति कपूर भी अहम भूमिका में नजर आएंगे। हाल ही में निर्माताओं ने रिलीज की तारीख के साथ फिल्म का पहला मोशन पोस्टर दर्शकों के सामने पेश किया था। मेरे हसबैंड की बीवी लव ट्रायंगल पर आधारित कॉमेडी फिल्म है, जिसके निर्देशक मुदस्सर अजीज हैं और निर्माता वाशु भगनानी, जो, खेल खेल में जैसी फिल्मों का निर्माण कर चुके हैं। मेरे हसबैंड की बीवी 21 फरवरी को रिलीज होगी।

अक्षय कुमार का गीत महाकाल चलो जारी शिवलिंग से लिपटे दिखे अभिनेता



महाशिवरात्रि से पहले अभिनेता अक्षय कुमार का गाना महाकाल चलो रिलीज हो गया है। दिलचस्प बात यह है कि महाकाल को समर्पित यह गीत अक्षय ने पलाश सेन और विक्रम मोंट्रो के साथ मिलकर गाया है। इसके बोल शेखर अस्तित्व ने लिखे हैं। गाने का निर्देशन गणेश आचार्य ने किया है। महाकाल चलो में अक्षय भगवान शिव की भक्ति में लीन नजर आ रहे हैं। गाना गाते हुए वह शिवलिंग से लिपटे दिखाई दे रहे हैं। अक्षय ने अपने आधिकारिक एक्स हैडल पर महाकाल चलो गाना साझा किया है। उन्होंने लिखा, शिव भक्ति में एक और कदम, महाकाल चलो उम्मीद है कि जिस दिव्य अनुभव को मैंने गाते समय महसूस किया, वही आप भी महसूस करेंगे। काम के मोर्चे पर बात करें तो अक्षय जल्द ही फिल्म केसरी: चैप्टर 2 में नजर आएंगे। यह फिल्म 18 अप्रैल, 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। अनन्या पांडे और आर माधवन भी इस फिल्म का हिस्सा हैं।



शिव कार्तिकेयन के जन्मदिन पर प्रशंसकों को मिला तोहफा

आगामी फिल्म के टाइटल संग एक्टर का फर्स्ट लुक आउट

तमिल एक्टर शिवकार्तिकेयन के 40वां जन्मदिन के मौके पर एक्टर को हर तरफ से बधाइयां मिल रही हैं। इसी कड़ी में एक्सेल 23 के मेकर्स ने शिवकार्तिकेयन के जन्मदिन पर उनके फैंस को एक नया तोहफा दिया है। मेकर्स ने एक्सेल 23 का ऑफिशियल टाइटल जारी करते हुए एक्टर की पहली झलक दिखाई है। 17 फरवरी को एक्सेल 23 के डायरेक्टर एआर मुरुगादास ने अपने इंस्टाग्राम पर फिल्म का ऑफिशियल टाइटल का पोस्टर साझा किया और फिल्म के हीरो शिवकार्तिकेयन को जन्मदिन की बधाई दी। उन्होंने पोस्ट के कैप्शन में लिखा है, हैप्पी बर्थ शिवकार्तिकेयन। बड़े पैमाने पर एक्शन के लिए ग्राउंड तैयार है। तबाही शुरू।

एक्सेल 23 का ऑफिशियल टाइटल मद्रासी है। पोस्ट के कैप्शन में टाइटल के ग्लिम्स का लिंक भी दिया गया। वहीं, शिवकार्तिकेयन ने भी अपने इंस्टाग्राम पर फिल्म का पोस्टर साझा किया है और कैप्शन में लिखा है, हमारे फेवरेट एआर मुरुगादास सर और मेरे प्यारे अनिरुद्ध के साथ हमारी हाई-ऑक्टेन एक्शन एंटरटेन, मद्रासी टाइटल की झलक पेश करने के लिए एक्साइटेट हैं। शिवकार्तिकेयन स्टार को 5 भाषाओं तमिल, तेलुगू, हिंदी, कन्नड़ और मलयालम में रिलीज किया जाएगा। एक्सेल 23 का तमिल, तेलुगू, कन्नड़ और मलयालम टाइटल मद्रासी है। जबकि हिंदी में इसका टाइटल दिल मद्रासी है। मेकर्स द्वारा जारी किए गए टाइटल ग्लिम्स

की शुरुआत एक जंग की तैयारी के साथ होती है। इसमें दमदार एक्शन, बम विस्फोट, गोलीबारी समेत कई हिंसक सीन दिखाए गए हैं। वहीं, विद्युत जामवाल की एंट्री ने ग्लिम्स में जान डाल दी है। गिटार बजाते हुए फिल्म की हीरोइन रुक्मिणी वसंत की भी झलक दिखाई गई है। इस सीन के बाद शिवकार्तिकेयन की एंट्री दिखाई गई है। वहीं आखिरी में शिवकार्तिकेयन की झलक दिखाई गई है, जो साइलेंट, लेकिन वायलेंट लुक में नजर आ रहे हैं। दिल मद्रासी को पहले एक्सेल 23 के नाम से जाना जाता था। एआर मुरुगादास की निर्देशित एक्शन फिल्म में शिवकार्तिकेयन अहम भूमिका में हैं।

विजया एकादशी पर भगवान विष्णु को अर्पित करें ये चीजें, मिलेगा दोगुना फल

फ़ा ल्गुन माह के कृष्ण पक्ष की एकादशी को विजया एकादशी के रूप में मनाया जाता है। ऐसे में विजया एकादशी सोमवार, 24 फरवरी 2025 को मनाई जाएगी। यह भगवान विष्णु की कृपा प्राप्ति के लिए एक खास तिथि मानी गई है।

जरूर अर्पित करें ये चीजें
तुलसी के विष्णु की जी प्रिय माना जाता है, इसलिए इसे विष्णुप्रिया के नाम से भी जाना जाता है। ऐसे में एकादशी पर तुलसी का महत्व और भी बढ़ जाता है। इस दिन आपको विष्णु जी के भोग में तुलसी के पत्ते जरूर शामिल करने चाहिए, ताकि आपको व्रत का पूर्ण फल प्राप्त हो सके।



टीका लगाएं। ऐसा करने पर आपके ऊपर भगवान विष्णु की कृपा बनी रहती है।

लगाएं इन चीजों का भोग
विजया एकादशी के दिन भगवान विष्णु को पीले रंग की मिठाई जैसे बेसन के लड्डू, केला, पंचामृत, खीर और पंजीरी आदि का भोग लगा सकते हैं। भोग में तुलसी दल भी जरूर शामिल करें। इससे भगवान विष्णु जल्दी प्रसन्न होते हैं और आपको अच्छे परिणाम मिलते हैं।

इन चीजों का करें दान
एकादशी के दिन गरीबों व जरूरतमंदों में दान करने का भी विशेष महत्व है। ऐसे में आप इस दिन पर अपनी क्षमता अनुसार, अन्न, पीली चने की दाल, पीले रंग के वस्त्र आदि का दान कर सकते हैं। ऐसा करने से साधक को विष्णु जी के साथ-साथ माता लक्ष्मी की भी कृपा मिलती है।

प्रसन्न होंगे प्रभु श्रीहरि
एकादशी के दिन भगवान विष्णु को पीले रंग के वस्त्र जरूर अर्पित करने चाहिए, क्योंकि पीला रंग उनका प्रिय

माना गया है। इसी के साथ विष्णु जी का आसन भी पीला होना चाहिए। इसी के साथ पूजा के दौरान श्रीहरि को चंदन का

दो राशियों की लगने वाली है लॉटरी चमक उठेगा किस्मत का सितारा

फ़ा ल्गुन का महीना कई राशि के जातकों के लिए शानदार रहने वाला है। इस महीने में सूर्य और बुध देव ने राशि परिवर्तन किया है। आने वाले समय में बुध देव फिर से राशि परिवर्तन करेंगे। इससे पूर्व (पहले) आत्मा के कारक सूर्य देव ने नक्षत्र परिवर्तन किया है। सूर्य देव के नक्षत्र परिवर्तन से कई राशि के जातकों को लाभ होगा। इनमें 2 राशि के जातकों को सबसे अधिक फायदा होगा।



सूर्य गोचर 2025

सूर्य गोचर
ज्योतिषियों की मानें तो सूर्य देव 19 फरवरी को नक्षत्र परिवर्तन किया है। आत्मा के कारक सूर्य देव ने आज दोपहर 12 बजकर 34 मिनट पर शतभिषा नक्षत्र में गोचर किया है। शतभिषा नक्षत्र में सूर्य देव 3 मार्च तक रहेंगे। इसके अगले दिन सूर्य देव नक्षत्र परिवर्तन करेंगे। वहीं, 14 मार्च को सूर्य देव कुंभ राशि से निकलकर मीन राशि में गोचर करेंगे।

वृषभ राशि - सूर्य देव के नक्षत्र बदलने से वृषभ राशि के जातकों को अधिक फायदा मिलेगा। इस राशि के जातकों को सबसे अधिक लाभ कारोबार में होगा। नए काम का श्रीगणेश

कर सकते हैं। अटके काम में गति आएगी। पार्टनरशिप में किए गए कामों से फायदा होगा। शुभ कामों में सफलता मिलेगी। किसी अपने की मदद मिलेगी। सेहत अच्छी रहेगी। सरकार की तरफ से धन लाभ हो सकता है। नौकरी की तलाश में लगे जातकों को सफलता मिल सकती है। मान-सम्मान में बढ़ोतरी होगी।

कुंभ राशि - सूर्य देव के नक्षत्र परिवर्तन से कुंभ राशि के जातकों को सबसे अधिक लाभ मिलेगा। धन लाभ होगा। आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। मन प्रसन्न रहेगा। आत्मविश्वास में बढ़ोतरी होगी। धन अर्जन करने का राह मिलेगा। पद और प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। बिगड़ी बात बन बनेगी। करियर में सफलता मिलेगी। विद्या में वृद्धि होगी। प्रतियोगी परीक्षा में सफल होंगे। धार्मिक यात्रा के योग हैं। दान-पुण्य में भागीदारी बढ़ेगी। भगवान शिव की पूजा करें और रोजाना सूर्य देव को जल अर्पित करें।

युधिष्ठिर के साथ कौन पहुंचा था स्वर्ग, अर्जुन या भीम नहीं है इसका जवाब

म हाभारत काल के युधिष्ठिर एक निष्काम धर्मात्मा थे। वह कुंती की संतान थे, जो उन्हें एक दिव्य वरदान के रूप में यमराज से प्राप्त हुए थे। धर्मराज को यमराज का ही स्वरूप माना जाता है, इसलिए वह धर्मराज युधिष्ठिर कहलाते हैं। ऐसे में चलिए जानते हैं कि आखिर महाभारत के युद्ध की समाप्ति के बाद युधिष्ठिर सहित अन्य पांडवों का क्या हुआ।



अंत में कौन रहा जीवित
पौराणिक कथाओं के अनुसार, महाभारत का युद्ध समाप्त होने के बाद पांचों भाई और द्रौपदी हिमालय की ओर स्वर्गारोहण के लिए निकल गए। स्वर्ग यात्रा

के दौरान द्रौपदी समेत भीम, अर्जुन, नकुल और सहदेव का देहावसान (मृत्यु) हो गया। अंत में केवल युधिष्ठिर और एक कुत्ता, जो यमराज के दूत का स्वरूप था केवल वही जीवित बचे और स्वर्ग तक पहुंचने में सफल रहे।

त्याग करना पड़े, मुझे ऐसे स्वर्ग की कोई आवश्यकता नहीं है। तब यमराज के दूत अपने असली रूप में आ गए और युधिष्ठिर ने शरीर के साथ ही स्वर्ग में प्रवेश किया। स्वर्ग में उन्हें एक दिव्य देह प्राप्त हुई।

स्वर्ग में मिली दिव्य देह
जब युधिष्ठिर स्वर्ग के द्वार पर पहुंचे, तो वहां उनकी मुलाकात इंद्र देव से हुई। इंद्र ने युधिष्ठिर के सामने यह शर्त रखी कि तुम जीवित अवस्था में ही स्वर्ग में रह सकते हो, लेकिन इसके लिए तुम्हें इस कुत्ते को यहीं छोड़ना होगा। इसपर धर्मराज इंद्र देव से कहते हैं कि 'जिस स्वर्ग के लिए आश्रित शरणागत धर्म का

केवल धर्मराज ही क्यों पहुंचे स्वर्ग
युधिष्ठिर के रूप में यमराज ने पूरे जीवन धर्म और सत्य को सर्वोपरि रखा था। उन्होंने अपने पूरे जीवन में केवल अच्छे कर्म किए थे और धर्म के मार्ग से नहीं भटके, जबकि अन्य पांडवों ने युद्ध जीतने के लिए सभी मांपदों को अपनाया था। यही कारण है कि सभी में से केवल युधिष्ठिर को ही मोक्ष मिला, अर्थात् वह जन्म-मरण के बंधन से मुक्त हो गए।

हथेली में मौजूद तिल व्यक्ति को दिलाते हैं मान-सम्मान



सफलता मिलती है।

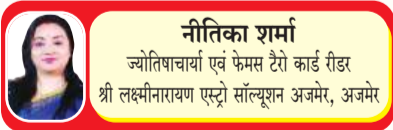
तर्जनी अंगुली पर तिल
जिन लोगों की तर्जनी अंगुली पर तिल होता है, वे बेहद भाग्यशाली होते हैं। ऐसे लोगों पर मां लक्ष्मी की विशेष कृपा रहती है। ऐसे लोग धनवान होने के साथ ही सभी सुख-सुविधाओं से परिपूर्ण रहते हैं। साथ ही ऐसे लोग काफी मेहनती भी होते हैं।

मध्यमा अंगुली पर तिल
जिन जातकों की मध्यमा अंगुली पर तिल होता है वे तेज-तर्रार होते हैं। साथ ही ऐसे लोग महंगी चीजें खरीदने का शौक रखते हैं। हस्तरेखा शास्त्र के अनुसार ऐसे लोग ऐशोआराम में जिंदगी बिताते हैं।

कनिष्ठा अंगुली पर तिल
हस्तरेखा शास्त्र के अनुसार जिन लोगों की सबसे छोटी यानी कनिष्ठा अंगुली पर तिल का निशान होता है वे मान-सम्मान के साथ-साथ खूब धन-दौलत अर्जित करते हैं। ऐसे लोगों का व्यक्तित्व भी काफी शानदार होता है।

गुरु पर्वत पर तिल
हस्तरेखा शास्त्र के अनुसार, हथेली में गुरु पर्वत पर तिल का होना बताता है कि व्यक्ति को जीवन में भरपूर धन-दौलत मिलेगी। उसे अपने जीवन में सारे सुख मिलेंगे।

शनि पर्वत पर तिल
मान्यता है कि किसी जातक की हथेली में मौजूद शनि पर्वत अच्छी तरह विकसित हो और उस पर तिल हो तो वह व्यक्ति अपनी मेहनत और बुद्धिमानी से अकूत धन-संपत्ति कमाता है।



नीतिका शर्मा
ज्योतिषाचार्या एवं केमस टैरो कार्ड रीडर
श्री लक्ष्मीनारायण एस्ट्रो सॉल्यूशन अजमेर, अजमेर

हनुमान जी कृपा की बरसती है उन लोगों पर जिनका नाम इस अक्षर से शुरू होता है



हनुमान जी को कलियुग का शाश्वत देवता कहा जाता है। ऐसी मान्यता है कि बजरंगबली आज भी पृथ्वी पर मौजूद हैं और जीवित हैं। बजरंगबली की पूजा के लिए मंगलवार का दिन सबसे शुभ माना गया है। इस दिन किए पूजा-व्रत से भगवान प्रसन्न होते हैं और आशीर्वाद देते हैं। लेकिन कुछ ऐसे नाम वाले लोग भी होते हैं, जिनपर बजरंगबली की खूब कृपा बरसती है।

किसी भी व्यक्ति के लिए नाम ही उसकी पहचान होती है। हरेक नाम का खास अर्थ भी होता है। ज्योतिष के अनुसार व्यक्ति के नाम पर उसका व्यक्तित्व और जीवन भी निर्भर करता है। इसलिए यह कहावत बिल्कुल गलत है कि नाम में क्या रखा है। क्योंकि नाम में बहुत कुछ रखा है। ज्योतिषाचार्य अनीष व्यास कुछ ऐसे अक्षरों के बारे में बताते हैं, जोकि भगवान हनुमान को प्रिय है। जिन लोगों का नाम इन अक्षरों से होता है, वे हनुमान जी के बेहद करीब माने जाते हैं।

अक्षर "D"- अगर आपका नाम ऊ से शुरू होता है तो आप बहुत भाग्यशाली हैं। क्योंकि आप पर हमेशा बजरंगबली की कृपा रहेगी और उनकी

कृपा से आपके सारे कार्य सफल भी होंगे।

अक्षर "K"- आपके नाम का पहला अक्षर K है तो आप भी बहुत लकी हैं। K अक्षर से शुरू होने वाले नाम के लोग अपने कार्य को अच्छे तरीके से करते हैं और किसी काम में हड़बड़ी नहीं दिखाते हैं और ना ही इन्हें किसी तरह की गलती पसंद होती है। इन पर भी हनुमान जी की कृपा रहती है।

अक्षर "M"- जिन लोगों के नाम का पहला अक्षर M होता है वे भी हनुमान जी के बेहद करीब माने जाते हैं। साथ ही M अक्षर के नाम वाले लोग हर परिस्थिति को पार करने में माहिर होते हैं।

अक्षर "P"- अगर आपके नाम का पहला अक्षर P है तो खुश हो जाएं, क्योंकि इन लोगों को हनुमान जी के प्रति गहरी आस्था होती है, जिस कारण इन्हें भगवान का आशीर्वाद मिलता है।

अक्षर "S"- जिनका नाम S अक्षर से शुरू होता है वे मेहनती, सुंदर, ईमानदार और कोमल स्वभाव के माने जाते हैं। ये अपने स्वभाव से लोगों को आकर्षित कर लेते हैं। इस अक्षर के नाम वाले लोग हनुमान जी को भी प्रिय होते हैं।

जानकी जयंती कल इन चौपाइयों के साथ करें सीता माता की पूजा



पचांग के मुताबिक हर साल फाल्गुन महीने की कृष्ण पक्ष की अष्टमी तिथि को जानकी जयंती मनाई जाती है। धार्मिक व पौराणिक मान्यताओं के अनुसार इसी तिथि पर राजा जनक ने पुत्री के रूप में देवी सीता को स्वीकार किया था। इसे सीता अष्टमी के नाम से भी जाना जाता है।

इस दिन माता सीता और भगवान राम की पूजा अर्चना करनी चाहिए। माता सीता को साक्षात् लक्ष्मी अवतार माना जाता है। इसलिए जानकी जयंती पर इसकी पूजा करने से घर पर सुख-समृद्धि की कमी नहीं रहती। विशेषकर विवाहित महिलाओं को जानकी जयंती की पूजा जरूर करनी चाहिए।

इस साल जानकी जयंती 21 फरवरी को मनाया जाएगा। फाल्गुन महीने के कृष्ण पक्ष की अष्टमी तिथि की शुरुआत 20 फरवरी को सुबह 9:58 पर शुरू हो जाएगी और 21 फरवरी को सुबह 11:57 पर समाप्त होगी। उदयातिथि के आधार पर गुरुवार 21 फरवरी को ही जानकी जयंती मनाई जाएगी और पूजा-अर्चना जैसे कार्य किए जाएंगे।

जानकी जयंती पूजा विधि
जानकी जयंती पर माता सीता की पूजा कर उन्हें प्रसन्न किया जा सकता है। अगर आप माता सीता का आशीर्वाद प्राप्त करना चाहते हैं तो इस दिन विधि-विधान से उनकी पूजा अर्चना करें। साथ ही कुछ चौपाइयों भी पढ़ सकते हैं। पूजा के लिए 21 फरवरी को जानकी जयंती के दिन सुबह जल्दी उठकर स्नान आदि के बाद साफ कपड़े पहनकर व्रत का संकल्प लें। आप मंदिर या फिर पूजाघर में

ही जानकी जयंती की पूजा कर सकते हैं। पूजा के लिए एक चोकी सजाकर उस पर लाल रंग का कपड़ा बिछाएं और माता सीता एवं श्रीराम की मूर्ति या तस्वीर स्थापित करें। इसके बाद रोली, अक्षत, फूल, भोग आदि अर्पित करते हुए पूजा करें और जानकी जयंती की व्रत कथा का पाठ करें। पूजा के बाद आप माता जानकी के मंत्र और चौपाइयों भी पढ़ सकते हैं। आखिर में आरती करें।

जानकी जयंती पर पढ़ें ये चौपाइयां
राम भगति मनि उर बस जाके। दुःख लखलेस न सपनेहुं ताके।

चतुर सिरामिनि तेइ जग माहीं। जे मनि लागि सुजतन कराहीं। अगुण सगुण गुण मंदिर सुंदर, भ्रम तम प्रबल प्रताप दिवाकर। काम क्रोध मद गज पंचानन, बसहु निरंतर जन मन कानन।
कुहु तात अस मोर प्रनामा। सब प्रकार प्रभु पूनकामा। दीन दयाल बिरिदु संभारी। हरहु नाथ मम संकट भारी।
जा पर कृपा राम की होई, ता पर कृपा करहिं सब कोई। जिनके कपट, दंभ नहीं माया, तिनके हृदय बसहु रघुराया।

गृहस्थ जीवन और सन्यास जीवन में से कौन श्रेष्ठ

प्रेमानंद जी महाराज एक महान संत और विचारक हैं जो जीवन का सच्चा अर्थ समझते और बताते हैं। प्रेममंद जी के अनमोल विचार जीवन को सुधारने और संतुलन बनाए रखने में मार्गदर्शन करते हैं। प्रेममंद जी महाराज कहते हैं जैसे हम अपने दोनों नेत्रों में कौन श्रेष्ठ है इस बात को नहीं बता सकते हैं। उसी प्रकार ग्रहस्थ और सन्यास में कौन श्रेष्ठ है यह बताना भी मुश्किल है। दोनों को ही प्रेममंद जी महाराज से श्रेष्ठ बताया है। गृहस्थ जीवन से ही सन्यास की शुरुआत होती है। संत महात्मा गृहस्थ से पैदा होते हैं। इसके बाद बिरक्त हो जाते हैं। इसके बाद उनका पालन पोषण गृहस्थों से होता। प्रेममंद जी का मानना है कि गृहस्थ हमारी दाहिनी

आंख के समान है। गृहस्थों को उपदेश देकर भागवत प्राप्ति संत ही कराते हैं। संत जन ही हमें पाप रहित बनाते हैं। संत मार्ग पर चलने की प्रेरणा भी संत ही दिखाते हैं। तो दोनो आंखों के समान गृहस्थ और दूसरी बिरक्त को रखा गया है। साथ ही यह भी बताते हैं कि दोनों आंखों की एक ही दृष्टि है और वो हैं भगवान। अगर भगवान की प्राप्ति नहीं हुई तो गृहस्थ, गृहस्थ नहीं और बिरक्त, बिरक्त नहीं। अपनी जगह दोनों महान है। कोई छोटा बड़ा नहीं। आप संत को बड़ा मानते हो और प्रणाम करते हो उनका सम्मान करते हो, वहीं संत आपको बड़ा मानते हैं वो सब में भगवान

को देखते हैं। संत भिक्षा लेता है और शिक्षा देता है दोनों का बराबर का नाता है, भिक्षा और शिक्षा का, माया जीव अपनी माया के द्वारा संत सेवा करता है, वो ज्ञानी महापुरुष अपने ज्ञान के द्वारा गृहस्थ की सेवा करते हैं। गृहस्थ अन्न, वस्त्र के द्वारा संत की सेवा करता है, संत भजन, तपस्या, साधना के द्वारा गृहस्थ की सेवा करते हैं। दोनों एक दूसरे के पुरख है, और दोनों ऐसे हैं जैसे दोनों दृष्टि हो हमारी। लेकिन दृष्टि एक है, दोनों का लक्ष्य भगवान की प्राप्ति है। किसको ज्यादा चुनौतियों का सामना करना पड़ता है? गृहस्थ और संत दोनों का ही मार्ग चुनौती भरा है।



की सेवा करते हैं। दोनों एक दूसरे के पुरख है, और दोनों ऐसे हैं जैसे दोनों दृष्टि हो हमारी। लेकिन दृष्टि एक है, दोनों का लक्ष्य भगवान की प्राप्ति है। किसको ज्यादा चुनौतियों का सामना करना पड़ता है? गृहस्थ और संत दोनों का ही मार्ग चुनौती भरा है।



संपादकीय

बदलते कद, बदलते पद

कांग्रेस अपने नए अवतार में फेसलॉ के द्वंद से बाहर निकल रही है और इसी परिप्रेक्ष्य में पार्टी ने हिमाचल के प्रभारी को बमुरिश्कल हटाते हुए रजनी पाटिल को पुनः आजमाया है। जाहिर है साख के सौदे में पूर्व प्रभारी राजीव शुक्ला का दौर लंबा रहा, लेकिन इस दौरान पार्टी ने जो खोया उसे पाने की तपतीश नहीं हुई। सत्ता तक पहुंची कांग्रेस ने अपना जोरदार विघटन करते हुए जो कुछ किया, उसके चरमदीद गवाह रहे शुक्ला अपनी भूमिका को अप्रासंगिक बनाते रहे। यह दीगर है कि इस दौरान वह राष्ट्रीय स्तर पर स्वयं को अति महत्वपूर्ण बनाते हुए, बीसीसीआई के हर करिश्मे में एक सिद्ध पुरुष साबित हुए। किसी कांग्रेसी नेता को वह बीसीसीआई सहज स्वीकार कर रहा है, जहां सारे अहम पद भाजपाई परिवारों की संपत्ति की तरह हैं। इतना ही नहीं राजीव शुक्ला ने भले ही कांग्रेस की अहम बैठकें चंडीगढ़ में आयोजित कीं, लेकिन

वह धर्मशाला के क्रिकेट स्टेडियम में अहम मैचों की वीआईपी गैलरी में मौजूद रहे। कांग्रेस के प्रदेश प्रभारी की दक्षता में शिमला विश्वविद्यालय की मानद डाक्टरेट डिग्री उन्हें तब मिलती है जब प्रदेश की सत्ता में भाजपा होती है। आश्चर्य यह कि कांग्रेस के प्रदेश प्रभारी ने पार्टी की नब्ज टटोली होती, तो कई वरिष्ठ नेता आज न तो भाजपा में होते और न ही राज्यसभा की एक सीट पार्टी से लूटी गई होती। बहरहाल कांग्रेस का अपना दरबार है और इसी पसंद के हकदारों की जवाबदेही कहां तय होती। यह दीगर है कि पार्टी तुलनात्मक दृष्टि से अब युवा चेहरों को प्रमुख भूमिकाओं में पेश कर रही है। रजनी पाटिल इस संदर्भ में एक ऊर्जावान राहुल गांधी की भरोसेमंद टीम से आ रही हैं। भले ही कांग्रेस के गिने चुने राज्यों में से हिमाचल भी एक है, लेकिन यहां सत्ता के ढाई साल अगले ढाई साल से मुकाबिल हैं। यहां आर्थिक बुनियाद और सियासत की हर चाल के कब्जे में प्रदेश का भविष्य फंसा है। पिछला चुनाव गारंटियां गिनता रहा, लेकिन अब यथार्थ के सब पहलू भारी हैं। हो गई बहुत सारी निम्नबुक्तियां। नेताओं के वजन बड़ और सत्ता के बीच कद बढ़ गए, लेकिन इसी बीच पार्टी के कई धड़े और हारे हुए संकल्प चुपने लगे हैं। बेशक सत्ता की अपनी पसंद में पार्टी का रुतवा दिखाई दे रहा है, लेकिन जमीन पर हल कौन चलाएगा। कुछ दिन पूर्व प्रदेश के दो बुजुर्ग, जिन्हें पार्टी के नेता या सरकार के मंत्री मानें, उन्होंने संगठन के दारग दिल्ली से शिमला तक देखे हैं। ये दोनों नेता जातीय समीकरणों में भी बहुत

कुछ कहते हैं और पार्टी के कर्म को भी परिभाषित करते हैं। पिछले ढाई साल की सत्ता के सामने पार्टी का मुंहफूलाए बैठना, संतुलन तो नहीं था और संतुलन की खामियां सरकार की बनावट को भी मिलावट कर गईं, नतीजतन रजनी पाटिल को सत्ता में संलिप्त और सत्ता से दूर रह गईं कांग्रेस और कांग्रेसियों को मिलाना होगा। पार्टी के भीतर ज्यादा अफसोसे खंगे गए या सत्ता में अपने खोजे गए, यह भी देखना होगा। क्या अगला अध्यक्ष क्षेत्रीय और जातीय समीकरणों की दुरुस्ती करेगा। क्या पार्टी अपनी क्षमता में सुधार लाकर मिशन रिपीट की राह पर निकलने के लिए परिवर्तन करेगी या गारंटियों के बोझ से बाहर खींच लाएगी सत्ता की सवारी। फिलवक्त हिमाचल में विपक्षी भाजपा अपनी भूमिका का इतना विस्तार तो कर ही चुकी है कि कांग्रेस को विरोध के अतिक्रमण से सरकार के विविध पहलुओं को जनता तक पहुंचा कर जवाब देना होगा। हिमाचल में कांग्रेस का नेतृत्व अब तक कठपुतली नृत्य दिखाता रहा है। इसके भीतर सत्ता की ऊर्जा का समावेश और राष्ट्र के सामने उड़ानें बनाने की कोई भी तकरीर सफल नहीं मानी जा सकती। भाजपा ने मंडलों का विस्तार करते, 171 नेताओं का चयन करते हुए अपनी शक्ति और संगठन की भक्ति का मतलब समझाया। क्या कांग्रेस कुछ कड़े फैसले ले सकती है या हाशिए से बाहर हुए नेताओं को गले से लगा सकती है। क्या कांग्रेस अपनी सरकार और मंत्रियों के प्रदर्शन पर जिरह कर सकती है। क्या राहुल गांधी के सपनों की कांग्रेस के प्रति वफादारी के सबूत रजनी पाटिल खोज पाएगी।

कुछ

अलग

तीसरा आदमी

यह तीसरा आदमी यूं तो जीवन के हर क्षेत्र में मौजूद है, पर राजनीति और धर्म का ताना-बाना ऐसा है कि तीसरा आदमी दोनों ही जगहों पर मौजूक कर रहा है। कभी चुनावों के नतीजे आने से पहले वह तपस्या करता हुआ दिखाई देता है, तो कभी पूरे कपड़ों में महाकुंभ में गंगा में डुबकी लगाता है। बलात्कार और हत्या के मामलों में सजायापता होने के बावजूद कभी चुनावों में पैरोल पर छूटता है तो कभी कहता है कि भगदड़ में मारे गए सभी लोग स्वर्ग पहुंच चुके हैं। कभी उस पर पत्नी को छोड़ने का आरोप लगता है तो कभी पत्नी की हत्या का। कभी तडीपार होता है तो कभी मिलावटी सामान बेचने या टैक्स न भरने पर करोड़ों का जुर्माना होता है। कभी उस पर लड़ाकू जहाजों की खरीद या अमेरिका में प्रोजेक्ट देने के लिए करोड़ों डालर की घूस देने का आरोप लाता है। पर वह कभी तनाव में नहीं दिखता। तमाम आरोपों के बावजूद वह कभी देश को सत्ता पर काबिज होता है तो कभी जगतगुरु बन जाता है। यह तीसरा आदमी कभी कुश्ती नहीं खेलता, क्रिकेट नहीं खेलता, हॉकी या अन्य कोई खेल भी नहीं खेलता। पर अपनी प्रतिभा के दम पर ओलिम्पिक्स के फाइनल में पहुंचे आम आदमी को वजन के आधार पर अयोग्य घोषित करवा देता है। उसे बल्ला पकड़ना नहीं आता, बॉल फेंकनी नहीं आती, पर वह अपने बाप के दम पर क्रिकेट में सबसे तेज पांच सौ विकेट लेने वाले आम आदमी को संचायक लेने पर मजबूर कर देता है। यह तीसरा आदमी अपने मनचाहे बिजनेस हाऊस या संस्थाओं पर हाथ रख देता है और सत्ता उस बिजनेस हाऊस या संस्थाघन उपलब्ध करवाने पर मजबूर कर देता है। देश की तमाम सुरक्षा एजेंसियां आम आदमी को लपेटना शुरू कर देती हैं। इधर आम आदमी है कि उसका कोई गुनाह न होने पर भी उसे सालों जेल में रहना पड़ता है।

जनता दल से अलग होकर जब से नीतीश कुमार ने अपनी अलग राह चुनी है, बिहार में ज्यादातर जंग लालू बनाम नीतीश ही रही है

प्रगति यात्रा के सहारे चुनावी नैया पार उतारने की कोशिश में नीतीश

उमेश चतुर्वेदी

छह महीने बाद राज्य में चुनाव होने हैं। ऐसे में पक्ष और विपक्ष -दोनों ने चुनावी समर के लिए कमर कस लिया है। इन तैयारियों के बीच एक बात तय है। राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन यानी एनडीए एक बार फिर नीतीश कुमार की ही अगुआई में उतरने जा रहा है। पिछले साल नीतीश और लालू के मिलने की खबरिया कानाफूसी हो रही थी, उन्हीं दिनों पहले अमित शाह और बाद बीजेपी अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा, दोनों नीतीश के ही चेहरे पर चुनाव लड़ने का ऐलान करने में देर नहीं लगाईं। वहीं विपक्षी खेमे की कमान बीमारी के बावजूद लालू यादव ने अपने हाथ में ले ली है। जनता दल से अलग रह चुकी है, बिहार में ज्यादातर जंग लालू बनाम नीतीश ही रही है। सियासी इतिहास गवाह है कि जब भी लालू बनाम नीतीश की जंग होती है, लालू का जंगलराज के भूत का डर बिहार के लोगों को सताने लगता है। इस जंग में लालू की बनिस्वत नीतीश का चमकदार और सुलझा हुआ सामने आ जाता है और सियासी बाजी नीतीश की अगुआई वाले गठबंधन के ही हाथ लगती रही है। एनडीए अगर बिहार की सत्ता से अतीत में कभी दूर हुआ भी है तो उसकी वजह खुद नीतीश का उसका साथ छोड़ना रहा है। नीतीश कुमार की अगुआई में 2005 में बिहार की सत्ता पर एनडीए के काबिज होने के बाद बिहार की अराजक छवि में तेजी से बदलाव हुआ। शासन की गाड़ी पटरी पर लगातार आती गई। नीतीश के पहले बिहार में बिजली के दर्शन कभी-कभी होते थे, लेकिन अब में हालात बदले। बिहार की सड़कें देश और दुनिया में अपनी बदहाली के लिए जानी जाती थीं, लेकिन नीतीश ने उन्हें भी बदला। लड़कियों को स्कूल जाने के लिए साइकिलों की सौगत मिली। कभी माफिया, अपहरण और वसूली के लिए बदनाम बिहार की छवि बदलने लगी। इसके बाद नीतीश कुमार की भी नई छवि बनी, उन्हें नया नाम भी मिला, सुशासन कुमार। पंद्रह साल बाद हुए विधानसभा चुनावों में नीतीश को पार्टी की सीटें घटीं। हाल के दिनों में उनके कुछ बयानों पर सवाल भी उठे, इसके बावजूद बिहार की

बिहार

में विधानसभा चुनावों की उलटी गिनती शुरू हो चुकी है। छह महीने बाद राज्य में चुनाव होने हैं। ऐसे में पक्ष और विपक्ष -दोनों ने चुनावी समर के लिए कमर कस लिया है। इन तैयारियों के बीच एक बात तय है। राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन यानी एनडीए एक बार फिर नीतीश कुमार की ही अगुआई में उतरने जा रहा है। पिछले साल नीतीश और लालू के मिलने की खबरिया कानाफूसी हो रही थी, उन्हीं दिनों पहले अमित शाह और बाद बीजेपी अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा, दोनों नीतीश के ही चेहरे पर चुनाव लड़ने का ऐलान करने में देर नहीं लगाईं। वहीं विपक्षी खेमे की कमान बीमारी के बावजूद लालू यादव ने अपने हाथ में ले ली है। जनता दल से अलग रह चुकी है, बिहार में ज्यादातर जंग लालू बनाम नीतीश ही रही है। सियासी इतिहास गवाह है कि जब भी लालू बनाम नीतीश की जंग होती है, लालू का जंगलराज के भूत का डर बिहार के लोगों को सताने लगता है। इस जंग में लालू की बनिस्वत नीतीश का चमकदार और सुलझा हुआ सामने आ जाता है और सियासी बाजी नीतीश की अगुआई वाले गठबंधन के ही हाथ लगती रही है। एनडीए अगर बिहार की सत्ता से अतीत में कभी दूर हुआ भी है तो उसकी वजह खुद नीतीश का उसका साथ छोड़ना रहा है। नीतीश कुमार की अगुआई में 2005 में बिहार की सत्ता पर एनडीए के काबिज होने के बाद बिहार की अराजक छवि में तेजी से बदलाव हुआ। शासन की गाड़ी पटरी पर लगातार आती गई। नीतीश के पहले बिहार में बिजली के दर्शन कभी-कभी होते थे, लेकिन अब में हालात बदले। बिहार की सड़कें देश और दुनिया में अपनी बदहाली के लिए जानी जाती थीं, लेकिन नीतीश ने उन्हें भी बदला। लड़कियों को स्कूल जाने के लिए साइकिलों की सौगत मिली। कभी माफिया, अपहरण और वसूली के लिए बदनाम बिहार की छवि बदलने लगी। इसके बाद नीतीश कुमार की भी नई छवि बनी, उन्हें नया नाम भी मिला, सुशासन कुमार। पंद्रह साल बाद हुए विधानसभा चुनावों में नीतीश को पार्टी की सीटें घटीं। हाल के दिनों में उनके कुछ बयानों पर सवाल भी उठे, इसके बावजूद बिहार की



राजनीति का सबसे चमकदार चेहरा अब भी नीतीश कुमार ही हैं। शायद यही वजह है कि एनडीए एक बार नीतीश कुमार के ही चेहरे के साथ उतरने जा रहा है। एनडीए और जनता दल यू को लगता है कि इस जंग में इस बार सियासी कामयाबी दिलाने में मददगार नीतीश कुमार की प्रगति यात्रा ही हो सकती है। इसलिए सत्ताधारी खेमे की ओर से एक तरफ जहां विकास को मुद्दा बनाने की तैयारी है, वहीं विकास के सिलसिले में नए आयाम जोड़ने को लेकर तेजी से काम हो रहा है। इसी के तहत नीतीश सरकार सड़क और पुल निर्माण जैसे विकास कार्यों को जमीन पर उतारने की तैयारी तेज कर दी है। एनडीए के साथ ही बिहार के सियासी जानकारों का मानना है कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की यह यात्रा बिहार के विकास की दिशा में महत्वपूर्ण कदम साबित होगी। क्योंकि नीतीश सरकार की नीतियों की वजह से पहले से ही समूचे राज्य में बुनियादी सुविधाओं में तेजी से सुधार हो रहा है। अपनी सरकार की उपलब्धियों के साथ ही लोगों की राय जानने के लिए कुछ दिनों पहले से नीतीश कुमार ने राज्य में प्रगति यात्रा की। इस यात्रा के दौरान नीतीश ने राज्य के तमाम जिलों में लोगों से मिलकर उनकी समस्याओं को सुना और उनके समाधान के लिए सुनवाई की जगह पर ही अधिकारियों को सीधे निर्देश दिए। इस यात्रा के दौरान मुख्यमंत्री ने बिहार के विकास के लिए कई महत्वपूर्ण घोषणाएं भी कीं। विशेष रूप से सड़क निर्माण, बाईपास और उच्चस्तरीय रेलवे ओवर ब्रिज की योजनाओं पर जोर दिया गया, ताकि राज्य में आवागमन की सुगमता बढ़े और यात्रा समय में कमी आए। प्रगति यात्रा के ही दौरान

दृष्टि

कोण

भाषा आंदोलन को याद करे बांग्लादेश

हिंदोस्तान के विभाजन से पूर्व 'अलीगढ़ विश्वविद्यालय' के कुलपति डा. 'जियाउद्दीन अहमद' ने एक वज्र में मशिवरा पेश किया था कि पाकिस्तान के वजूद में आने के बाद पाक की राजकीय भाषा 'उर्दू' होनी चाहिए। जियाउद्दीन की उस दलील के रद्देआमन में ढाका विश्वविद्यालय के बंगाली भाषाविद डा. 'मुहम्मद शाहिदुल्लाह' ने जवाब दिया था कि हमारे न्यायालयों व विश्वविद्यालयों में बंगाली भाषा के बजाय उर्दू या हिंदी का इस्तेमाल गुलामी के समान होगा। मुहम्मद शाहिदुल्लाह की उस तहरीर को 'बांग्ला भाषा आंदोलन' की तखलीक माना जाता है। शाहिदुल्लाह ने अखबारों के जरिए बांग्ला भाषा की हिमायत जारी रखी थी। विभाजन के बाद ढाका विश्वविद्यालय के बंगाली छात्रों ने आठ दिसंबर 1947 को बांग्ला जुवान को अपनी आधिकारिक भाषा घोषित करने की मांग कर दी तथा उस मांग को मनवाने के लिए ग्यारह मार्च 1948 को हड़ताल का ऐलान कर दिया। बंगाली छात्रों की वो कारकंदगी पाकिस्तान के हुक्मरानों को नावावर बुजुरी। उसी दौरान 21 मार्च 1948 को पाकिस्तान के गवर्नर जनरल मोहम्मद अली जिन्ना ढाका में तशरीफ ले गए तथा रामना

रेसकोर्स मैदान में बांग्ला आवाम से मुखाबिह हुए। दौरान तकरीर में जिन्ना ने फरमाया कि 'मैं आपको स्पष्ट कर देता हूँ कि पाकिस्तान की राजकीय भाषा उर्दू होगी। जो इसकी मुखालफत करेगा, वो पाकिस्तान का दुश्मन है।' हालांकि उस ऐलान के छह महीने बाद सितंबर 1948 में जिन्ना का इंतकाल हो गया था। लेकिन जिन्ना द्वारा बांग्ला आवाम पर थोपी गई उर्दू जुवान की मुनादी ने बंगाली लोगों को अपनी मातृभाषा व अलग मुल्क बांग्लादेश के लिए जद्दोजहद हए एहसास करा दिया था। 16 अक्टूबर 1951 को पाकिस्तान के प्रथम वजीरे आजम 'लियाकत अली खान' का 'रावलपिंडी' में कत्ल कर दिया गया था। उसके बाद मजहबी मिजाज के 'ख्वाजा नजीमुद्दीन' पाकिस्तान के वजीरे आसम बंदाने में उर्दू को पाकिस्तान की राजकीय भाषा कारर देकर मोहम्मद अली जिन्ना की उस तकरीर को पुख्ता कर दिया था। ख्वाजा नजीमुद्दीन के ऐलान का बंगाली छात्रों ने पुरजोर विरोध किया। जब एहतजज हिंसा में तब्दील हुआ तो पाक हुक्मत ने पूर्वी पाक में 20 फरवरी 1952 को धारा 144 लागू कर दी। बांग्ला भाषा तहरीर में शांतिपूर्वक प्रदर्शन करे 'ढाका मेडिकल

कालेज' व 'ढाका विश्वविद्यालय' के छात्रों तथा 'ऑल लैंग्वेज एक्शन कमेटी' के लोगों पर पाक सुरक्षाबलों ने गोलीबारी करके कई छात्रों को हलाक कर दिया। आंदोलन में मारे गए छात्रों को खिराज-ए-अकीदत पेश करने के लिए बांग्ला लोगों ने 22 फरवरी 1952 को एक प्रार्थना सभा का आयोजन किया था। मगर पाकिस्तानी सुरक्षा बलों ने धारा 144 के उल्लंघन का हवाला देकर दोबारा गोलीबारी करके कई प्रदर्शनकारियों को मौत के घाट उतार डाला था। 'अमार भाई रोकेटें रंगानों एकुशे फरवरी' ये मकबूल बंगाली नगमा बांग्ला भाषा आंदोलन के दौरान पाक सेना की क्रूरता का शिकार हुए लोगों की याद में ही लिखा गया था। उस 'एकुशेर गान' के मुसल्लिम बांग्ला सहाफी 'अब्दुल गफ्फार चौधरी' ने वो नगमा पाक सेना की गोली से घायल हुए एक शख्स के पास बँदकर लिखा था। भाषा आंदोलन में पाक सेना की गोलीबारी का शिकार हुए लोगों को खिराज अकीदत इसी नगमें के जरिए पेश की जाती रही है। दिलचस्प बात ये है कि सन्-1952 के दौर में जब बांग्लादेश की आवाम पाक सेना से अपनी मातृभाषा व तहजीब के वजूद की जंग लड़ कर शहीद हो रही थी, उस वक़्त पाकिस्तान के वजीरे आजम ख्वाजा नजीमुद्दीन खुद

बांग्लादेशी थे। मगर वजीरे आजम के औहदे पर काबिज रहने की लालसा में नजीमुद्दीन अपनी बंगाली जुवान की हिमायत नहीं कर सके। ढाका में बांग्ला भाषा के लिए विरोध प्रदर्शन तथा उसी दौरान लाहौर में मजहबी दंगों से बिगड़े हालात पर काबू पाने में नजीमुद्दीन नाकाम रहे। नतीजतन पाकिस्तान के गवर्नर जनरल 'मलिक मुलाम मोहम्मद' ने अप्रैल 1953 में ख्वाजा नजीमुद्दीन को बर्खास्त कर दिया था। भाषा आंदोलन में पाक सुरक्षा बलों द्वारा हलाक किए गए लोगों की याद में ढाका में 'शहीद स्मृतिस्तंभ' मिनार सन्-1952 में ही तामीर कर दिया था। मगर पाक सेना ने उस शहीद मिनार को सन्-1952 में तथा 1971 के आपरेशन 'सच लाइट' के दौरान पूरी तरह नष्ट कर दिया था। बांग्ला आवाम तथा 'टावर हैमलेट्स काउंसिल' ने मिलकर उस शहीद मिनार का जीर्णोद्धार किया। बांग्लादेश की राष्ट्रीय संसद के अध्यक्ष 'हुमायूं रशीद चौधरी' ने उस भाषायी विरासत के प्रतीक शहीद मिनार का आनवरण 17 फरवरी 1999 को किया था। उसी वर्ष 'यूनेस्को' ने बंगाली भाषा आंदोलन को मान्यता देकर 21 फरवरी को 'अंतरराष्ट्रीय मातृभाषा दिवस' घोषित किया था।

देश

दुनिया से

आप का

नजरिया

गांवों में विकास अनुकूलता का परिदृश्य

इन

दिनों ग्रामीण भारत में परिवर्तन और किसानों के बदलते जीवन विषयों पर प्रकाशित हो रही विभिन्न अध्ययन रिपोर्टों में यह तथ्य रेखांकित हो रहा है कि भारत के ग्रामीण परिवेश में सकारात्मक परिवर्तन हो रहा है और इससे किसानों की आमदनी के साथ किसानों की आमदन स्तर बढ़ रहा है। हाल ही में 6 फरवरी को प्रकाशित मैक्सिसे ग्लोबल फार्मर्स इन्साइट सर्वे 2024 में कहा गया है कि भारतीय किसान तेजी से डिजिटल प्लेमेंट को अपना रहे हैं। वर्ष 2024 में भारत में 40 फीसदी किसानों के द्वारा रुपयों का भुगतान डिजिटल माध्यम से किया गया है, वहीं वर्ष 2022 में केवल 11 फीसदी किसान ही डिजिटल भुगतान का इस्तेमाल कर रहे थे। किसानों के बीच डिजिटल भुगतान का चलन बढ़ने का कारण सरता डाटा और यूपीआई सेवा को माना गया है। रिपोर्ट के अनुसार वर्ष 2022 में देश में फसल बीमा का इस्तेमाल करने वाले महज 8 फीसदी किसान थे, वह वर्ष 2024 में बढ़कर 37 फीसदी हो गए हैं। इसमें सबसे अधिक योगदान प्रथममंत्री सुरक्षा बीमा योजना का है। यह भी पाया गया है कि 11 फीसदी किसान वर्ष 2024 में जैविक उत्पादों का इस्तेमाल कर रहे हैं, जबकि वर्ष 2022 में 2 प्रतिशत किसान ही जैविक उत्पादों का इस्तेमाल कर रहे थे। इस रिपोर्ट का यह निष्कर्ष भी महत्वपूर्ण है कि भारत के किसान औपचारिक ऋण की ओर बढ़ रहे हैं। वर्ष 2024 में 36 फीसदी किसानों ने बैंक से कर्ज लिया, जो वर्ष 2022 में केवल 9 फीसदी था। वहीं, 26 फीसदी किसानों ने सॉफ्टवेयर वाले सरकारी ऋण का उपयोग किया, जबकि वर्ष 2022 में यह आंकड़ा सिर्फ एक फीसदी था। रिपोर्ट ने यह भी बताया कि भारत के 53 फीसदी किसान फसल चक्रीकरण जैसे टिकाऊ खेती के तरीकों को अपनाने के लिए सरकारी सॉफ्टवेयर पर

निर्भर हैं। सरकार इस दिशा में कई तरह से सहायता प्रदान कर रही है, जैसे कि लागत में छूट, कार्बन क्रेडिट से आय बढ़ाने के लिए प्रोत्साहन आदि। यह बात भी महत्वपूर्ण है कि मार्च 2024 तक, भारत में 95.44 करोड़ इंटरनेट ग्राहक थे। इनमें से 39.83 करोड़ ग्रामीण इंटरनेट ग्राहक थे। इसी परिप्रेक्ष्य में हाल ही में स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई) रिसर्च के द्वारा जारी रिपोर्ट भी महत्वपूर्ण है। इस रिपोर्ट में कहा गया है कि मुख्य रूप से गरीबों को सौधे, लाभान्वित करने वाले सरकारी सहायता कार्यक्रमों के सकारात्मक प्रभावों और विकास के कारण गरीबी में कमी आई है। गरीबी में कमी शहरी इलाकों की तुलना में ग्रामीण इलाकों में अधिक तेजी से हुई है। जहां वर्ष 2011-12 में ग्रामीण गरीबी 25.7 प्रतिशत और शहरी गरीबी 13.7 प्रतिशत थी, वहीं वर्ष 2023-24 में ग्रामीण गरीबी घटकर 4.86 प्रतिशत और शहरी गरीबी घटकर 4.09 प्रतिशत पर आ गई। इस रिपोर्ट के मुताबिक पिछले 14 सालों में आमदनी बढ़ने से जहां शहरों में हर माह प्रतिव्यक्ति उपभोक्ता खर्च (एमपीसीई) 3.5 गुना हो गया, वहीं यह ग्रामीण इलाकों में करीब चार गुना हो गया है। वर्ष 2009-10 से 2023-24 के बीच शहरी इलाकों में एमपीसीई 198.4 रुपए से बढ़कर 6996 रुपए और ग्रामीण इलाकों में यह खर्च 1054

रुपए से बढ़कर 4122 रुपए हो गया। ऐसे में शहरों की तुलना में गांवों की ग्रोथ ज्यादा है। निःसंदेह ग्रामीण एवं कृषि विकास के विभिन्न अभियानों के कारण देश में ग्रामीण गरीबी में तेजी से कमी आ रही है। यह पिछले वर्ष 2024 में घटकर पांच प्रतिशत से भी कम रह गई है। साथ ही ग्रामीणों की आमदनी और क्रयशक्ति बढ़ी है। आज गांवों के लाखों घरों को पीने का साफ पानी मिल रहा है। लोगों को इन्टरनेट का उपयोग और मॉडर्न से बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं मिल रही हैं। आज डिजिटल तकनीक की मदद से बेहतर निधि के जरिए देश को किसानों को तीन लाख करोड़ रुपए की आर्थिक मदद दी जा रही है। बीते 10 वर्षों में कृषि खाद्य सार्वे तीन गुना बढ़ गए हैं। अब पशुपालकों और मछली पालकों को भी किसान क्रेडिट कार्ड दिए जा रहे हैं। बीते 10 वर्षों में फसलों पर दी जाने वाली सॉफ्टवेयर और फसल बीमे की राशि को बढ़ाया है। स्वामित्व योजना जैसे अभियान चलाए हैं, जिनके जरिए गांव के लोगों को संपत्ति के दस्तावेज दिए जा रहे हैं। गांव के युवाओं को मुद्रा योजना, स्टार्टअप इंडिया, स्टैंडअप इंडिया जैसी योजनाओं के जरिए मदद की जा रही है। यह भी महत्वपूर्ण है कि डिजिटल इंडिया, शौचालय, स्वच्छ पेयजल और स्वच्छ ईंधन के लिए उज्ज्वला योजना, सभी घरों में बिजली के लिए सौभाग्य योजना जैसे अभियानों से भी ग्रामीण भारत में गरीबी में कमी आ रही है। इसमें कोई दो मत नहीं है कि प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना (पीएमजीकेएवाई) के तहत 80 करोड़ से अधिक गरीब व कमजोर वर्ग के लोगों को मुफ्त खाद्यान्न कार्यक्रम में ग्रामीण भारत में भी गरीबी को कम करने में अहम भूमिका निभाई है। निश्चित रूप से ग्रामीण भारत में सकारात्मक परिवर्तन, कृषि और ग्रामीण विकास तथा किसानों की आमदनी बढ़ाने के मद्देनजर केंद्रीय बजट 2025-26 एक और आशा किरण लेकर आया है। ग्रामीण विकास मंत्रालय के लिए इस बार केंद्रीय बजट 2025-26 में 1887.54 करोड़ का प्रावधान किया गया है। नए बजट में कृषि एवं किसान कल्याण का बजट आवंटन 1.71 लाख करोड़ रुपए किया गया है जो पिछले वर्ष के बजट की तुलना में 11 फीसदी अधिक है। केंद्रित कार्यक्रमों और निवेशों के माध्यम से ग्रामीण विकास को आगे बढ़ाने और समृद्धि बढ़ाने के उद्देश्य से जल जीवन मिशन, भारतनेट परियोजना जैसी प्रमुख पहलों की रूपरेखा तैयार की गई है। ये सभी नई बजट व्यवस्थाएं ग्रामीण विकास और किसानों के जीवन स्तर को बढ़ाने में अहम भूमिका निभाते हुए दिखाई दे सकेंगी। लेकिन हमें अभी भी ग्रामीण भारत के विकास और किसानों की प्रगति के लिए कई बातों पर ध्यान देना होगा। देश के 95 फीसदी किसान वर्तमान में भी आधुनिक खेती की तकनीक नहीं अपना रहे हैं। इसका कारण सेटअप में लगने वाला समय, ज्यादा लागत, निवेश पर रिटर्न को लेकर स्पष्टता की कमी जैसे कारक हैं। हमें इस तथ्य पर भी ध्यान देना होगा कि भारतीय किसान ऑनलाइन खरीदारी में दुनिया में बहुत पीछे हैं।

यह साझेदारी छोटे-बड़े की

बेशक

अमरीकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ने 'व्हाइट हाउस' में प्रधानमंत्री मोदी का गदगद स्वागत किया। उन्हें 'महान नेता' कहा गया और ट्रंप ने अपनी किताब पर लिखा- 'यू आर ग्रेट'। ट्रंप ने मोदी को बहुत प्यार भी किया। वह औपचारिक व्यवहार हो सकता है, हालांकि ट्रंप ने किसी अन्य वैश्विक नेता के संबंध में ऐसे शब्दों का इस्तेमाल नहीं किया, लेकिन दोनों की 'ग्यारह' वाली दोस्ती के साथ-साथ वे अपने-अपने देश के सर्वोच्च नेता भी हैं, लिहाजा दोनों अपने-अपने देश को 'दोबारा महान' बनाने की भी प्रतिबद्ध हैं। भारत-अमरीका दोनों ही विशाल और प्राचीन लोकतंत्र हैं, लेकिन यह भी यथार्थ है कि इस शिखर संवाद में अमरीका की ताकत वरिष्ठ देश की है और भारत जूनियर साझेदार देश के तौर पर रहा। अमरीका और भारत के बीच यही परंपरा और यही ताकत का असंतुलन रहा है, क्योंकि वह हमसे 8 गुना बड़ी अर्थव्यवस्था वाला देश है। आतंकवाद पर दोनों देश न्यूयॉर्क में 9/11 आतंकी हमले के बाद से साझा लड़ाई लड़ते रहे हैं। अमरीका ने 26/11 मुंबई आतंकी हमले के एक सैतानी साक्षिाकार तहव्यूर राणा को भारत को सौंपने का फैसला किया है। उसने लिए आभार व्यक्त करना चाहिए, शायद आतंकवाद की कुछ बंद और रहस्यमयी कडियां खुल सकें। लेकिन तहव्यूर 2009 से अमरीकी जेल में है। लंबे 16 साल के बाद अमरीका उसे हमें सौंप रहा है, लिहाजा यह सवालिया स्थिति है। आतंकवाद पर वैश्विक नेता अपने-अपने सरोकार जताने रहे हैं और साझा लड़ाई के सार्वजनिक बयान भी देते रहे हैं, लेकिन यह हकीकत है कि आतंकवाद के खिलाफ प्रत्येक देश की अपनी ही लड़ाई है। मसलती रहेगी कि हमारी अदालत तहव्यूर के आतंकवाद पर फैसला लेकर उसे फांसी तक भी पहुंचा सकेगी। बहरहाल टैरिफ या सीमा-शुल्क के मुद्दे पर राष्ट्रपति ट्रंप ने अपनी नीति साफ कर दी है। वह सभी देशों के संबंध में है। दोनों शासनाध्यक्षों ने भारत-अमरीका के बीच टैरिफ पर कुछ भी स्पष्ट नहीं किया है। साल के अंत में कोई व्यापार-समझौता हो सकता है, यह घोषणा जरूर की है। राष्ट्रपति ट्रंप बुनियादी तौर पर व्यापारवादी मानसिकता के व्यक्ति हैं, लिहाजा भारत के साथ वह अमरीकी के साथ ही कठोरता के साथ ही रहे हैं और साझा लड़ाई के सार्वजनिक बयान भी देते रहे हैं, लेकिन यह हकीकत है कि आतंकवाद के खिलाफ प्रत्येक देश की अपनी ही लड़ाई है। मसलती रहेगी कि हमारी अदालत तहव्यूर के आतंकवाद पर फैसला लेकर उसे फांसी तक भी पहुंचा सकेगी। बहरहाल टैरिफ या सीमा-शुल्क के मुद्दे पर राष्ट्रपति ट्रंप ने अपनी नीति साफ कर दी है। वह सभी देशों के संबंध में है। दोनों शासनाध्यक्षों ने भारत-अमरीका के बीच टैरिफ पर कुछ भी स्पष्ट नहीं किया है। साल के अंत में कोई व्यापार-समझौता हो सकता है, यह घोषणा जरूर की है। राष्ट्रपति ट्रंप बुनियादी तौर पर व्यापारवादी मानसिकता के व्यक्ति हैं, लिहाजा भारत के साथ वह अमरीकी के साथ ही कठोरता के साथ ही रहे हैं और साझा लड़ाई के सार्वजनिक बयान भी देते रहे हैं, लेकिन यह हकीकत है कि आतंकवाद के खिलाफ प्रत्येक देश की अपनी ही लड़ाई है। मसलती रहेगी कि हमारी अदालत तहव्यूर के आतंकवाद पर फैसला लेकर उसे फांसी तक भी पहुंचा सकेगी। बहरहाल टैरिफ या सीमा-शुल्क के मुद्दे पर राष्ट्रपति ट्रंप ने अपनी नीति साफ कर दी है। वह सभी देशों के संबंध में है। दोनों शासनाध्यक्षों ने भारत-अमरीका के बीच टैरिफ पर कुछ भी स्पष्ट नहीं किया है। साल के अंत में कोई व्यापार-समझौता हो सकता है, यह घोषणा जरूर की है। राष्ट्रपति ट्रंप बुनियादी तौर पर व्यापारवादी मानसिकता के व्यक्ति हैं, लिहाजा भारत के साथ वह अमरीकी के साथ ही कठोरता के साथ ही रहे हैं और साझा लड़ाई के सार्वजनिक बयान भी देते रहे हैं, लेकिन यह हकीकत है कि आतंकवाद के खिलाफ प्रत्येक देश की अपनी ही लड़ाई है। मसलती रहेगी कि हमारी अदालत तहव्यूर के आतंकवाद पर फैसला लेकर उसे फांसी तक भी पहुंचा सकेगी। बहरहाल टैरिफ या सीमा-शुल्क के मुद्दे पर राष्ट्रपति ट्रंप ने अपनी नीति साफ कर दी है। वह सभी देशों के संबंध में है। दोनों शासनाध्यक्षों ने भारत-अमरीका के बीच टैरिफ पर कुछ भी स्पष्ट नहीं किया है। साल के अंत में कोई व्यापार-समझौता हो सकता है, यह घोषणा जरूर की है। राष्ट्रपति ट्रंप बुनियादी तौर पर व्यापारवादी मानसिकता के व्यक्ति हैं, लिहाजा भारत के साथ वह अमरीकी के साथ ही कठोरता के साथ ही रहे हैं और साझा लड़ाई के सार्वजनिक बयान भी देते रहे हैं, लेकिन यह हकीकत है कि आतंकवाद के खिलाफ प्रत्येक देश की अपनी ही लड़ाई है। मसलती रहेगी कि हमारी अदालत तहव्यूर के आतंकवाद पर फैसला लेकर उसे फांसी तक भी पहुंचा सकेगी। बहरहाल टैरिफ या सीमा-शुल्क के मुद्दे पर राष्ट्रपति ट्रंप ने अपनी नीति साफ कर दी है। वह सभी देशों के संबंध में है। दोनों शासनाध्यक्षों ने भारत-अमरीका के बीच टैरिफ पर कुछ भी स्पष्ट नहीं किया है। साल के अंत में कोई व्यापार-समझौता हो सकता है, यह घोषणा जरूर की है। राष्ट्रपति ट्रंप बुनियादी तौर पर व्यापारवादी मानसिकता के व्यक्ति हैं, लिहाजा भारत के साथ वह अमरीकी के साथ ही कठोरता के साथ ही रहे हैं और साझा लड़ाई के सार्वजनिक बयान भी देते रहे हैं, लेकिन यह हकीकत है कि आतंकवाद के खिलाफ प्रत्येक देश की अपनी ही लड़ाई है। मसलती रहेगी कि हमारी अदालत तहव्यूर के आतंकवाद पर फैसला लेकर उसे फांसी तक भी पहुंचा सकेगी। बहरहाल टैरिफ या सीमा-शुल्क के मुद्दे पर राष्ट्रपति ट्रंप ने अपनी नीति साफ कर दी है। वह सभी देशों के संबंध में है। दोनों शासनाध्यक्षों ने भारत-अमरीका के बीच टैरिफ पर कुछ भी स्पष्ट नहीं किया है। साल के अंत में कोई व्यापार-समझौता हो सकता है, यह घोषणा जरूर की है। राष्ट्रपति ट्रंप बुनियादी तौर पर व्यापारवादी मानसिकता के व्यक्ति हैं, लिहाजा भारत के साथ वह अमरीकी के साथ ही कठोरता के साथ ही रहे हैं और साझा लड़ाई के सार्वजनिक बयान भी देते रहे हैं, लेकिन यह हकीकत है कि आतंकवाद के खिलाफ प्रत्येक देश की अपनी ही लड़ाई है। मसलती रहेगी कि हमारी अदालत तहव्यूर के आतंकवाद पर फैसला लेकर उसे फांसी तक भी पहुंचा सकेगी। बहरहाल टैरिफ या सीमा-शुल्क के मुद्दे पर राष्ट्रपति ट्रंप ने अपनी नीति साफ कर दी है। वह सभी देशों के संबंध में है। दोनों शासनाध्यक्षों ने भारत-अमरीका के बीच टैरिफ पर कुछ भी स्पष्ट नहीं किया है। साल के अंत में कोई व्यापार-समझौता हो सकता है, यह घोषणा जरूर की है। राष्ट्रपति ट्रंप बुनियादी तौर पर व्यापारवादी मानसिकता के व्यक्ति हैं, लिहाजा भारत के साथ वह अमरीकी के साथ ही कठोरता के साथ ही रहे हैं और साझा लड़ाई के सार्वजनिक बयान भी देते रहे हैं, लेकिन यह हकीकत है कि आतंकवाद के खिलाफ प्रत्येक देश की अपनी ही लड़ाई है। मसलती रहेगी कि हमारी अदालत तहव्यूर के आतंकवाद पर फैसला लेकर उसे फांसी तक भी पहुंचा सकेगी। बहरहाल टैरिफ या सीमा-शुल्क के मुद्दे पर राष्ट्रपति ट्रंप ने अपनी नीति साफ कर दी है। वह सभी देशों के संबंध में है। दोनों शासनाध्यक्षों ने भारत-अमरीका के बीच टैरिफ पर कुछ भी स्पष्ट नहीं किया है। साल के अंत में कोई व्यापार-समझौता हो सकता है, यह घोषणा जरूर की है। राष्ट्रपति ट्रंप बुनियादी तौर पर व्यापारवादी मानसिकता के व्यक्ति हैं, लिहाजा भारत के साथ वह अमरीकी के साथ ही कठोरता के साथ ही रहे हैं और साझा लड़ाई के सार्वजनिक बयान भी देते रहे हैं, लेकिन यह हकीकत है कि आतंकवाद के खिलाफ प्रत्येक देश की अपनी ही लड़ाई है। मसलती रहेगी कि हमारी अदालत तहव्यूर के आतंकवाद पर फैसला लेकर उसे फांसी तक भी पहुंचा सकेगी। बहरहाल टैरिफ या सीमा-शुल्क के मुद्दे पर राष्ट्रपति ट्रंप ने अपनी नीति साफ कर दी है। वह सभी देशों के संबंध में है। दोनों शासनाध्यक्षों ने भारत-अमरीका के बीच टैरिफ पर कुछ भी स्पष्ट नहीं किया है। साल के अंत में कोई व्यापार-समझौता हो सकता है, यह घोषणा जरूर की है। राष्ट्रपति ट्रंप बुनियादी तौर पर व्यापारवादी मानसिकता के व्यक्ति हैं, लिहाजा भारत के साथ वह अमरीकी के साथ ही कठोरता के साथ ही रहे हैं और साझा लड़ाई के सार्वजनिक बयान भी देते रहे हैं, लेकिन यह हकीकत है कि आतंकवाद के खिलाफ प्रत्येक देश की अपनी ही लड़ाई है। मसलती रहेगी कि हमारी अदालत तहव्यूर के आतंकवाद पर फैसला लेकर उसे फांसी तक भी पहुंचा सकेगी। बहरहाल टैरिफ या सीमा-शुल्क के मुद्दे पर राष्ट्रपति ट्रंप ने अपनी नीति साफ कर दी है। वह सभी देशों के संबंध में है। दोनों शासनाध्यक्षों ने भारत-अमरीका के बीच टैरिफ पर कुछ भी स्पष्ट नहीं किया है। साल के अंत में कोई व्यापार-समझौता हो सकता है, यह घोषणा जरूर की है। राष्ट्रपति ट्रंप बुनियादी तौर पर व्यापारवादी मानसिकता के व्यक्ति हैं, लिहाजा भारत के साथ वह अमरीकी के साथ ही कठोरता के साथ ही रहे हैं और साझा लड़ाई के सार्वजनिक बयान भी देते रहे हैं, लेकिन यह हकीकत है कि आतंकवाद के खिलाफ प्रत्येक देश की अपनी ही लड़ाई है। मसलती रहेगी कि हमारी अदालत तहव्यूर के आतंकवाद पर फैसला लेकर उसे फांसी तक भी पहुंचा सकेगी। बहरहाल टैरिफ या सीमा-शुल्क के मुद्दे पर राष्ट्रपति ट्रंप ने अपनी नीति साफ कर दी है। वह सभी देशों के संबंध में है। दोनों शासनाध्यक्षों ने भारत-अमरीका के बीच टैरिफ पर कुछ भी स्पष्ट नहीं किया है। साल के अंत में कोई व्यापार-समझौता हो सकता है, यह घोषणा जरूर की है। राष्ट्रपति ट्रंप बुनियादी तौर पर व्यापारवादी मानसिकता के व्यक्ति हैं, लिहाजा भारत के साथ वह अमरीकी के साथ ही कठोरता के साथ ही रहे हैं और साझा लड़ाई के स

आज का राशिफल

मेघ - चू,चे,चो,ला,लि,तू,ले,लो,अ

विन फ्रायडेयन साबित होगा और आप किसी पुरानी बीमारी में काफी आराम महसूस करेंगे। आज बिना किसी की मदद के ही आप धन कमा पाने में सक्षम होंगे। परिवार के सदस्यों के साथ कुछ आराम के पल बिताएं। आपके ज़हन में काम का दबाव होने के बावजूद आपका दिव्य आपके लिए खुशी के पलों को लाएगा। अपने बस के घर पर बुलाने के लिए अच्छा दिन नहीं है। आज जितना हो सके लोगों से दूर रहें। लोगों को बर्क देने से बेहतर है अपने आपको बर्क देना। वैय-हिक जीवन के लिए अच्छा दिन है।

वृषभ - इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो
अपने बच्चे का प्रदर्शन आपको बहुत खुशी देगा। दीर्घावधि निवेश से बचिए और अपने दोस्तों के साथ बाहर जाकर कुछ खुशी के पल बिताएं। अपने दोस्तों को अपने उदार स्वभाव का गलत फायदा न उठाने दें। अपने प्रिय की नाराजगी के बावजूद अपना प्यार ज़ाहिर करते रहें। सहकर्मी आपको काफी सहयोग देंगे और कार्यक्रम में विभाग की नींव पर नए रिश्तों की शुरुआत होगी। यात्रा के मौकों को हाथ से नहीं जाने देना चाहिए। आज आपका जीवनसाथी आपकी सेहत के प्रति अत्यंत चिंतित हो सकता है।

मिथुन - क,कि,कृ,घ,ङ,छ,के,को,ह
अपनी बीमारी के बारे में चर्चा करने से बचें। खराब तबियत से ध्यान हटाने के लिए कोई और दिलचस्प काम करें। क्योंकि इस बारे में आप जिकनी जवादा बर्क करेंगे, अपनी ही जवादा तकलीफ आपको होगी। आपका कोई दोस्त आपसे आज बड़ी रकम उधार मांग सकता है, अगर आप उनको यह रकम देते हैं तो आप अधिक तंगी में आ सकते हैं। बच्चे आपको अपनी उपलब्धियों से गर्व का अनुभव कराएंगे। सतभर के चतने व्यक्तिगत संबंधों में दरार पड़ सकती है। वैवाहिक जीवन में चीज़ें हाथ से निकलती हुई मालूम होंगी।

कर्क - ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो
आज आपके पास खूब के लिए पर्याप्त समय होगा, तो मोक़े का फ़ायदा उठाएं और अच्छी सेहत के लिए ध्यान दें। दूसरों की कमियाँ हुंने का ग़ौर-ज़क़ी काम रिश्तियों की आलोचना का राह्य आपकी ओर मोड़ सकता है। बेहतर रहेगा कि आप अपनी वह आदत बदल दें। जो लोग अब तक सिंगल हैं उनकी मुलक़त आज किसी ख़ास से होने की संभावना है लेकिन बात को आगे बढ़ाने से पहले यह जरूर जान लें कि कहीं वो ज़क़न किसी के साथ रिश्ते में न हो। कुछ लोगों को कार्यभार में तस्क़ी मिलेगी। आपके जीवनसाथी का मिज़ाज आज बर्किया है।

सिंह - म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे
दोस्त आपका परिचय किसी ख़ास इंसान से कराएंगे, जो आपकी सोच पर गहरा प्रभाव डालेगा। अपने परिवार को बतकार और अपने कामों से जनाकर महसूस कराते रहें कि आप उनकी किलनी परवाह करते हैं। इससे उन्हें खुशी मिलेगी और इस खुशी को दोगुना करने के लिए उनके साथ अच्छा वक़्त बिताएं। आज प्यार की मददगारी में हकीकत और फ़सलना मिलकर एक होते मालूम होंगे। इसे महसूस करें। आज ख़ाली वक़्त का सही उपयोग करने के लिए आप अपने पुराने मित्रों से मिलने का प्लान बन सकते हैं।

कन्या - टो,प,पी,पू,पण,ठ,पे,पो
आज आपकी कोई चाल बर्कित चोरी हो सकती है इसलिए जितना हो सके इक़त ध्यान रहें। परिवार के सदस्यों की ज़क़तों को तलनीहें। उनके सुख-दुःख के भगीदार बनें दूसरों को ऐसा काम करने के लिए बाध्य न करें, जो आप व्यथ न करना चाहें। यह सच है कि जब आप खुद को समय देने की कोशिश करते रहेंगे लेकिन आपको अपने लिए समय नहीं मिल पाएगा। जीवनसाथी से बिना पूछे योजना बनाएंगे, तो उनकी ओर से नकारात्मक प्रतिक्रिया मिल सकती है।

तुला - र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते
आपका उदार स्वभाव आज आपके लिए कई ख़ुशनुमा पल लेकर आएगा। बिना बुलाया कोई मेहमान आज घर में आ सकता है लेकिन इस मेहमान की किस्मत की वजह से आज आपको आर्थिक लाभ हो सकता है। जीवनसाथी और बच्चों से अतिरिक्त स्नेह और सहयोग मिलेगा। अपने प्रिय से दूर होने के बावजूद आप उनकी मौजूदगी महसूस करेंगे। सादृशी की परिचयजवादा सकारात्मक परिणाम से जवादा परिणामियाँ देंगी। आज आप अतिरिक्त से घर बाहर आकर अपना पर्सनीय काम कर सकते हैं। इससे आपके मन को शांति मिलेगी। आज आपको सच्चे प्यार का एहसास होगा।

वृश्चिक - तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू
दोस्तों के साथ शाम अच्छी रहेगी लेकिन जवादा खाने से बचें जो ब्यापारी अपने कारोबार के सिमिलने में घर से बाहर जा रहे हैं वो अपने धन को आज बहुत संभालकर रहें। धन चोरी होने की संभावना है। किसी पारिवारिक भेद का खुलना आपको चकित कर सकता है। अपने प्रेम-प्रणय में झंझर-उझर जवादा बर्कें। आपके पास आज अपनी क्षमताओं को दिखाने के मौके होंगे। ख़ाली वक़्त का आज आप सदरूपीय करीं और उन कामों को पूरा करने की कोशिश करेंगे जो बीते दिनों पूरे नहीं हो पाए थे। आपको और आपके जीवनसाथी को वैवाहिक जीवन में कुछ निज़ात की ज़क़त है।

धनु - ये,यो,म,मी,मू,धा,फ़ा,ढा,मे
आज आर्थिक पक्ष अच्छा रहेगा लेकिन इसके साथ ही आपको वह ध्यान भी रखना होगा कि आप अपने पैसे को व्यथ न करें। तनाव का दौर बरकरार रहेगा, लेकिन पारिवारिक सहयोग मदद देगा। सैर-सपाटे पर जाने का कार्यक्रम बन सकता है, जो आपकी ऊर्जा और उम्रहह को तरोताज़ा कर देगा। उन सदकर्मियों का ख़ास ध्यान रहें, जो उम्मीद के मुताबिक चीज़ न मिलने पर जल्दी ही बुरा मान जाते हैं। आज आपके पास ख़ाली समय होगा और इस समय का इस्तेमाल आप ध्यान योग करने में कर सकते हैं। आपको आज मानसिक शांति का अहसास होगा।

मकर - भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि
आज आप अपना धन धार्मिक कार्यों में लगा सकते हैं जिससे आपको मानसिक शांति मिलने की पूरी संभावना है। बच्चे भविष्य की योजनाएं बनाने की अपेक्षा घर के बाहर जवादा समय बिताने आपको निराश कर सकते हैं। आज आप कुछ अलग क्रिय के तामस का अनुभव कर सकते हैं। अपने चारों ओर होने वाली गतिविधियों का ध्यान रहें, क्योंकि आपके काम का श्रेय कोई दूसरा ले सकता है। बर्किया खाने, महक और खुशी के साथ आप अपने जीवनसाथी के साथ बेहतरीन समय बिता सकते हैं।

कुम्भ - गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द
जिन लोगों में जमीन खरीदी थी और अब इसे बेचना चाहते हैं उन्हें आज कोई अच्छा ख़रीदार मिल सकता है और जमीन बेचकर उन्हें अच्छा धन लाभ हो सकता है। आपको अपना शारीक वक़्त बर्कें के संग गुज़रना चाहिए, चाहे इस दिव्य आयको कुछ खर्च ही क्यों न करना पड़े। आज आपको निराशा हाथ लग सकती है, क्योंकि मुक़िनी है कि आप अपने प्रिय के साथ सैर-सपाटे पर न जा पाएं। अंततः लोगों से बात करना ठीक है लेकिन उनकी विजयनिता जाने बिना उनको अपने जीवन की बातें बतानेक आप अपना वक़्त ही जवादा करेंगे और कुछ नहीं।

मीन - दी,दू,थ,झ,ड,दे,दो,वा,ची
वेकार की बात पर बहुत चक़के अपनी ऊर्जा ज़ायम न करें। बिना बतारये आज कोई देनदार आपके अकाउंट में पैसे डाल सकता है जिसके बारे में जानकर आपको अचंभा भी होगा और खुशी भी। बच्चों को पढ़ाई पर ध्यान लगाने और भविष्य के लिए योजना बनाने की ज़क़त है। आज आपको प्यार का जवादा प्यार और रोमांस से मिलेगा। आपके पास आज अपनी क्षमताओं को दिखाने के मौके होंगे। इस राशि के जातक ख़ाली वक़्त में आज किसी समस्या का समाधान निकालने की कोशिश कर सकते हैं।

गुरुवार का पंचांग
दिनांक : 20 फरवरी 2025, गुरुवार
विक्रम संवत् : 2081
मास : फाल्गुन, कृष्ण पक्ष
तिथि : सप्तमी प्रातः 10:01 तक
नक्षत्र : विशाखा दोपहर 01:30 तक
योग : ध्रुव प्रातः 11:32 तक
करण : वव प्रातः 10:01 तक
चन्द्रराशि : वृश्चिक
सूर्योदय : 06:40, सूर्यास्त 06:19 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:40, सूर्यास्त 06:26 (बेंगलूर)
सूर्योदय : 06:33, सूर्यास्त 06:18 (तिरुपति)
सूर्योदय : 06:30, सूर्यास्त 06:11 (विजयवाड़ा)
राध चौविधायी
शुभ : 06:00 से 07:30
चल : 10:30 से 12:00
लाभ : 12:00 से 01:30
रहकाल : दोपहर 01:30 से 03:00
शुभ : 04:30 से 06:00
दिशाशूल : दक्षिण दिशा
उपाय : तिल्ली खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : कालाष्टमी
पं.चिदम्बर मिश्र (टिड्डू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशांति, गृहप्रवेश, शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शांति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फ़क़ड़ का मन्दि, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलगुना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

राजस्थान बजट 2025 : दीया कुमारी ने राजस्थानवासियों को दिया बजट में तोहफा



मुफ्त बिजली के साथ किसानों और युवाओं के लिए किए कई बड़े ऐलान

जयपुर, 19 फरवरी (एजेंसियां)। राजस्थान की वित्त मंत्री दीया कुमारी ने बुधवार को राज्य विधानसभा में वित्त वर्ष 2025-26 का बजट पेश किया। बजट के दौरान वित्त मंत्री ने मुफ्त बिजली, स्वामित्व योजना के अंतर्गत 2 लाख परिवारों को नए पट्टे वितरित करने, किसानों और युवाओं के लिए कई बड़े ऐलान किए हैं। राज्य वित्त मंत्री दीया कुमारी ने कहा कि 6000 करोड़ की लागत से 21000 किमी नॉन पेचेबल सड़कों का निर्माण कराया जाएगा। प्रथम चरण में हर विधानसभा क्षेत्र में 10-10 करोड़ और मरुस्थली क्षेत्र में 15-15 करोड़ की लागत से सड़कों का निर्माण होगा। उन्होंने कहा कि सुगम यातायात, हमारी प्राथमिकता है। रोडवज को 500 नई बसें मिलेंगी और शहरी क्षेत्रों में भी 500 नई सिटी बसें मिलेंगी। इसके अलावा उन्होंने 150 यूनिट तक मुफ्त बिजली देने की भी घोषणा की है। मुफ्त

बिजली के लाभार्थियों के घरों पर सोलर प्लेट लगाई जाएंगी। उन्होंने किसानों के लिए भी बड़ा ऐलान किया है। उन्होंने कहा कि 50 हजार कृषि और 5 लाख घरेलू विद्युत कनेक्शन जारी होंगे। राज्य वित्त मंत्री ने कहा कि स्वामित्व योजना के अंतर्गत 2 लाख परिवारों को नए पट्टे वितरित किए जायेंगे। 25000 युग्म और अर्ध युग्म परिवारों को पट्टे दिए जाएंगे। उन्होंने कहा कि आगामी वर्ष के प्रथम चरण में प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में 10-10 करोड़ रुपये की लागत से नॉन पेचेबल सड़कों के कार्य करवाए जाएंगे। तकनीकी अधिकारियों और कर्मचारियों का संविदा केंद्र बनाने हुए 1050 पद सृजित किए जाएंगे। राज्य वित्त मंत्री ने युवाओं को नौकरी की भी सौगात दी है। उन्होंने 1 लाख 25 हजार पदों पर भर्ती की घोषणा की है। उन्होंने कहा कि राज्जि राजस्थान में 35 लाख करोड़ से अधिक के एमओयू साइन किए गए हैं। उन्होंने कहा कि 750 चिकित्सक और 1500 पैरामेडिकल स्टाफ के पद सृजित होंगे। 50 करोड़ की लागत से फिट राजस्थान अभियान शुरू होगा। 20 ट्रांम सेंटर को अपग्रेडेशन किया जाएगा। आगामी वर्ष में 5700 मेगावाट ऊर्जा उत्पादन के कार्य किए जाएंगे। राज्य वित्त मंत्री ने कहा कि पंच गौरव योजना के तहत 550 करोड़ रुपये के कार्य करवाने और नवगठित नगरीय निकायों समेत अन्य क्षेत्रों में आगामी वर्ष महिलाओं के लिए 175 करोड़ रुपये की लागत से 500 पॉपुलर टॉलेट के निर्माण का प्रस्ताव है। उन्होंने कहा कि राजस्थान ट्रेड प्रमोशन पॉलिसी लाई जाएगी।

औद्योगिक विकास को मिलेगी रफ्तार जयपुर, 19 फरवरी (एजेंसियां)।

राजस्थान की वित्त मंत्री दीया कुमारी ने वर्ष 2025-26 के बजट में उद्योगों के विकास के लिए कई घोषणाएं की हैं। इससे राज्य में औद्योगिक विकास को रफ्तार मिलने की उम्मीद है। राजस्थान में औद्योगिक विकास को बढ़ावा देने और निवेशकों के लिए अनुकूल माहौल तैयार करने के लिए सरकार ने कई बड़े कदम उठाए हैं। खास तौर पर 'राज्जि राजस्थान' के तहत हुए एमओयू को समयबद्ध तरीके से लागू करने के लिए प्रोजेक्ट मैनेजमेंट यूनिट का गठन किया गया है। राज्य में 'सिंगल विंडो वन स्टॉप शॉप' व्यवस्था को सुदृढ़ करते हुए ऑनलाइन परमिशन की संख्या बढ़ाकर 149 कर दी गई है, जिससे निवेशकों को तेज़ और पारदर्शी सेवाएं मिल सकेंगी। औद्योगिक प्रतियोग्य बढ़ाने के लिए विभिन्न विभागों हेतु कॉम्पिटिटिव इंडेक्स लागू किया जा रहा है। राज्य में 'प्लग एंड प्ले मॉडल' पर आधारित औद्योगिक क्षेत्रों का विकास होगा, जिससे उद्यमियों को तुरंत उत्पादन शुरू करने की सुविधा मिलेगी। इसके अलावा, 'फ्लैटड फैक्ट्री' व्यवस्था भी लागू की जा रही है। सेवा क्षेत्र में निवेश को बढ़ावा देने के लिए प्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर पॉलिसी लाई गई है।

20 लाख महिलाएं बनेंगी लखपति दीदी जयपुर, 19 फरवरी (एजेंसियां)।

महिला एवं बाल विकास विभाग के अंतर्गत राजीविका मिशन के तहत 20 लाख महिलाओं को 'लखपति दीदी' की श्रेणी में लाने की योजना बनाई गई है। इस योजना के तहत महिलाओं को 1.5 प्रतिशत की रियायती ब्याज दर पर 1 लाख रुपये तक का लोन प्रदान किया जाएगा। इससे पहले ब्याज दर 2.5 प्रतिशत थी। सरकार की ओर से आंगनवाड़ी केंद्रों पर अगले पांच महीनों के लिए मुख्यमंत्री सुपोषण किट योजना लागू की जाएगी, जिससे 2 लाख 35 हजार महिलाएं लाभान्वित होंगी। इस योजना पर 25 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। बालिकाओं की देखभाल के लिए भी अहम घोषणाएं की गई हैं। बालिका गृह में रहने वाली बालिकाओं के लिए 50 बेड वाले 'सरस्वती होम' बनाए जाएंगे। साथ ही, 10 जिला मुख्यालयों पर गर्ल चाइल्ड केयर सेंटर भी खोले जाएंगे।

करोड़ की लागत से 'मां फंड' योजना, राज्य के बाहर इलाज की सुविधा

जयपुर, 19 फरवरी (एजेंसियां)। राज्य सरकार ने 3500 करोड़ रुपये की लागत से मां फंड बनाने की घोषणा की है, जिसका उद्देश्य स्वास्थ्य क्षेत्र में सुधार और लोगों को बेहतर इलाज की सुविधा प्रदान करना है। मां योजना के तहत राज्य के बाहर इलाज की सुविधा 170 बसें से अधिक उम्र के लोगों के लिए स्वास्थ्य बीमा पैकेज में नए विकल्प और आयुष पैकेज जोड़े जाएंगे। सभी जिला अस्पतालों में डायबिटिक क्लिनिक खोले जाएंगे और पीएचसी पर डिजिटल एक्सेस मशीन लगाई जाएगी। कारीगरों के लिए आंखों की फ्री जांच और चश्मे दिए जाएंगे। फिट राजस्थान अभियान के तहत स्वास्थ्य जागरूकता बढ़ाई जाएगी, इसके लिए 50 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। नई आयुष नीति के तहत गांवों को आयुष्यान आदर्श गांव घोषित किया जाएगा और उन्हें 11 लाख रुपये की मदद दी जाएगी।

राजस्थान के जन-जन, प्रदेश के कण-कण को समर्पित बजट : भजनलाल

जयपुर, 19 फरवरी (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विजन और राज्य की जनता से संकल्प पत्र में किये गये वादों के अनुसार राज्य बजट 2025-26 प्रस्तुत किया गया है। राज्य सरकार ने एक वर्ष के कार्यकाल में संकल्प पत्र के 58 प्रतिशत से अधिक वादे पूरे कर दिये हैं। उन्होंने कहा कि सर्वजनहिताय बजट राजस्थान के जन-जन और प्रदेश के कण-कण को समर्पित है। यह बजट राज्य का समग्र एवं सतत विकास सुनिश्चित करेगा। मुख्यमंत्री को विधानसभा में उपमुख्यमंत्री एवं वित्त मंत्री दिया कुमारी द्वारा राज्य बजट वर्ष 2025-26 प्रस्तुत किये जाने के बाद पत्रकार वार्ता में बताया कि हमारी सरकार पंडित दीन दयाल उपाध्याय, डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी तथा डॉ. भीम राव अम्बेडकर की विचारधारा के अनुरूप कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि गत जुलाई माह में प्रस्तुत परिवर्तित बजट की 96 प्रतिशत से अधिक घोषणाओं में हमने भूमि आवंटन कर दिया है तथा लगभग 85 प्रतिशत से ज्यादा घोषणाओं से संबंधित प्रशासनिक एवं वित्तीय स्वीकृति दी जा चुकी है। श्री शर्मा ने कहा कि संभवतया ऐसा पहली बार है कि सात माह के अल्प समय में ही बजट घोषणाओं को इतने वृहद स्तर पर धरातल पर उतारा



गया है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का कहना है कि देश की चार जातियों युवा, महिला, मजदूर और किसान के उत्थान से ही देश का विकास संभव है और प्रदेश का यह बजट आठ करोड़ राजस्थानियों की आकांक्षाओं को पूरा करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने कहा कि हम प्रदेश को 350 बिलियन डॉलर इकोनॉमी में बदलने के लिए कटिबद्ध है। उन्होंने बजट को जनहित में समर्पित और विकासोन्मुख बताते हुए कहा कि इसमें शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि, रोजगार और बुनियादी ढांचे के क्षेत्र में ठोस प्रावधान किए गये हैं, जो राज्य के सम्पूर्ण विकास को सुनिश्चित करेंगे। आगामी वर्ष में 20 लाख घरों तक पेयजल पहुंचाने का लक्ष्य लेकर राज्य सरकार कार्य करेगी। नगरीय क्षेत्रों में घर-घर नल से जल पहुंचाने के लिए

मुख्यमंत्री जल जीवन मिशन शहरी शुरू किया जाएगा। इसमें 5 हजार 830 करोड़ रूपए की लागत से काम किया जाएगा। शर्मा ने कहा कि राजस्थान भी अब ग्रीन बजट पेश करने वाले देश के चुनिंदा राज्यों में शामिल हो गया है। सरटेनेबल ग्रीन प्रणाली को प्रोत्साहित करने, क्लाइमेट जेंज की चुनौतियों से निपटने, बायोडायवर्सिटी, वाटर हार्वेस्टिंग, ग्रीन एनर्जी, रिसाइक्लिंग आदि को प्रोत्साहित करने के लिए कुल राज्य बजट की 11.34 प्रतिशत राशि का प्रावधान ग्रीन बजट के लिए किया गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार किसानों की आय बढ़ा कर उन्हें आर्थिक रूप से स्वावलम्बी बनाने के लिए लगातार कार्य कर रही है। इस क्रम में प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि के अंतर्गत प्रदेश में दी जा रही 8 हजार रूपए की राशि को बढ़ा कर 9 हजार रूपए प्रति वर्ष करने की घोषणा की गई है। किसानों को गेहूँ के एमएसपी पर दिए जा रहे 125 रूपए प्रति क्विंटल के बोनस के स्थान पर अब 150 रूपए प्रति क्विंटल का अतिरिक्त बोनस दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि पिछले बजट में हमने मुख्यमंत्री मंगला पशु बीमा योजना शुरू की थी, अब इस बजट में इस योजना में बीमित पशुपालकों की संख्या को दोगुना किया जाएगा।

बीकानेर की नेशनल चैंपियन पावर लिफ्टर यष्टिका आचार्य की मौत

जिम में 270 किलो की रॉड गिरने से टूटी गर्दन, गोवा में जीता था गोल्ड मेडल

बीकानेर, 19 फरवरी (एजेंसियां)। बीकानेर की 17 वर्षीय नेशनल पावर लिफ्टिंग चैंपियन यष्टिका आचार्य की मंगलवार शाम जिम में प्रैक्टिस के दौरान दर्दनाक मौत हो गई। प्रैक्टिस के दौरान 270 किलो वजनी रॉड अचानक उनकी गर्दन पर गिर पड़ी, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई। यष्टिका ने हाल ही में गोवा में आयोजित 33वीं नेशनल बेंच प्रेस चैंपियनशिप में इकिण्ड कैटेगरी में गोल्ड और क्लासिक कैटेगरी में सिल्वर मेडल अपने नाम किया था। यह दर्दनाक हादसा नया शहर थाना इलाके की द पावर हेडक्वटर जिम में हुआ। हादसे का वीडियो भी सामने आया है, जिसमें यष्टिका भारी वेट उठाने की कोशिश कर रही हैं। ट्रेनर की मौजूदगी में जैसे ही उन्होंने वेट उठाया, संतुलन बिगड़ा और 270 किलो वजनी स्क्रॉट्स रॉड उनकी गर्दन पर आ गिरी। घटना के तुरंत बाद कोच और अन्य प्लेयर्स ने वेट हटाया और यष्टिका को सीपीआर देने की कोशिश की, लेकिन कोई प्रतिक्रिया नहीं मिली। हॉस्पिटल ले जाने पर डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। यष्टिका के पिता ऐश्वर्य आचार्य एक कॉन्टैक्ट हैं और तीन बेटियों के पिता हैं। यष्टिका की एक बहन भी पावर लिफ्टिंग में सक्रिय है। हादसे के वक्त परिवार शादी समारोह के लिए हनुमानगढ़ गया हुआ था, लेकिन यष्टिका ने प्रैक्टिस की निरंतरता बनाए रखने के लिए जिम जाना चुना। नया शहर थानाधिकारी विक्रम तिवाड़ी के मुताबिक, परिजनों ने अभी तक कोई मामला दर्ज नहीं करवाया है। हालांकि, पुलिस ने पोस्टमॉर्टम करवा लिया है और जांच जारी है।

इस बार सरसों की सरकारी खरीद होगी 15 मार्च से शुरू : नायब सिंह



चंडीगढ़, 19 फरवरी (एजेंसियां)। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि इस बार सरसों की फसल के मंडी में जल्द आगमन को देखते हुए 28 मार्च की बजाए 15 मार्च से ही सरकारी खरीद शुरू कर दी जाए। मुख्यमंत्री रबी विपणन मौसम 2025-26 के दौरान सरसों की खरीद करने बारे आयोजित समीक्षा बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने सरसों की खरीद की तैयारियों की समीक्षा करते हुए कहा कि राज्य सरकार किसान हितों को हमेशा सर्वोपरि रखती है और हमेशा किसानों की भलाई के कार्यों को तबज्जो देती है। हरियाणा ऐसा पहला प्रदेश है जहां सभी फसलों को

एमएसपी (न्यूनतम समर्थन मूल्य) पर खरीदा जा रहा है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि किसानों को अपनी फसल बेचने में किसी प्रकार की असुविधा नहीं होनी चाहिए। सरसों की खरीद के लिए 108 मंडियां निर्धारित की गई हैं। उन्होंने खरीद एजेंसियों, मंडी बोर्ड व संबंधित विभागों को सरसों की खरीद सुचारू रूप से करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी को अधिकारियों ने जानकारी दी कि राज्य में आम तौर पर 17 से 20 लाख एकड़ क्षेत्र में सरसों उगाई जाती है जबकि रबी फसल सीजन 2024-25 के दौरान 21.08 लाख एकड़ क्षेत्र में सरसों उगाई गई है।

हिसार में कांग्रेस को बड़ा झटका पूर्व प्रत्याशी रामनिवास राड़ा समेत कई नेता भाजपा में शामिल

हिसार, 19 फरवरी (एजेंसियां)। हरियाणा में आगामी चुनावी गतिविधियों के बीच कांग्रेस पार्टी को बड़ा झटका लगा है। हिसार विधानसभा क्षेत्र से पूर्व कांग्रेस प्रत्याशी रामनिवास राड़ा भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) में शामिल हो गए हैं। उनके साथ पूर्व नगर निगम चेयरमैन बिहारीलाल राड़ा, युवा कांग्रेस जिला अध्यक्ष रोहित, हिसार लोकसभा युवा कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष भूपेंद्र सनेत समेत एक दर्जन नेता भी कांग्रेस छोड़कर भाजपा में शामिल हो गए। इन सभी नेताओं को हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने पार्टी की पगड़ी पहनाकर विधिवत रूप से भाजपा में शामिल कराया। इस राजनीतिक घटनाक्रम को भाजपा के लिए बड़ी जीत और कांग्रेस के लिए बड़ा झटका माना जा रहा है। रामनिवास राड़ा व उनके समर्थकों के भाजपा में शामिल होने के पीछे कई राजनीतिक समीकरण बताए जा रहे हैं। वहीं, भाजपा ने भी उन्हें पार्टी में शामिल कर खरीद हैफेड एवं हरियाणा राज्य भण्डारण निगम द्वारा की जाएगी। बैठक में कृषि तथा किसान कल्याण विभाग, हैफेड, हरियाणा राज्य विपणन बोर्ड, खाद्य नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता विभाग व हरियाणा राज्य भण्डारण निगम के अधिकारी मौजूद थे।



हरियाणा की जनता की सेवा करना चाहता हूं, इसलिए भाजपा में शामिल हुआ हूं। हिसार में हुए इस राजनीतिक घटनाक्रम से कांग्रेस को बड़ा झटका लगा है। पिछले विधानसभा चुनाव में रामनिवास राड़ा कांग्रेस प्रत्याशी थे, ऐसे में उनका भाजपा में शामिल होना पार्टी के लिए संघर्षपूर्ण साबित हो सकता है। वहीं, पूर्व नगर निगम चेयरमैन बिहारीलाल राड़ा और युवा कांग्रेस के कई बड़े चेहरे भी भाजपा में चले गए, जिससे कांग्रेस की जमीनी पकड़ कमजोर हो सकती है। यह घटनाक्रम भाजपा के लिए चुनावी बढ़त साबित हो सकता है, क्योंकि कांग्रेस के इन नेताओं का हिसार लोकसभा सीट और विधानसभा क्षेत्रों में अच्छा प्रभाव है। हरियाणा में भाजपा लगातार विपक्षी दलों के प्रभावशाली नेताओं को अपने पाले में लाने में लगी हुई है।

विधानसभा में बोले मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ संगम का जल नहाने योग्य, अफवाह फैला रहा विपक्ष

लखनऊ, 19 फरवरी (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि महाकुंभ के आयोजन को लेकर अफवाह फैलाने वाले करोड़ों लोगों की आस्था का अपमान कर रहे हैं। अब तक महाकुंभ में 56 करोड़ से भी ज्यादा लोग स्नान कर चुके हैं। उन्होंने कहा कि संगम का जल साफ है और डुबकी लगाने योग्य है। विपक्ष के लोग इसमें मानव मल होने का दुष्प्रचार कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि महाकुंभ का आयोजन किसी सरकार का आयोजन नहीं है। यह सनातन संस्कृति का आयोजन है। महाकुंभ पर अफवाह फैलाने वाले और अर्नाल आरोप लगाने वाले सनातन आस्था का अपमान कर रहे हैं। इस पर राजनीति नहीं करना चाहिए। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ यूपी विधानसभा में महाकुंभ पर संक्षिप्त चर्चा में जवाब दे रहे थे।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि सपा के लोग महाकुंभ का पहले दिन से ही विरोध कर रहे हैं। इनकी एक सहयोगी ममता बनर्जी ने महाकुंभ को मृत्युकुंभ कहा है। इसी तरह राजद नेता लालू प्रसाद यादव ने इसे फालतू की बात कहा है। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा था कि महाकुंभ की भगदड़ में हजारों लोगों की मौत हुई है। उन्होंने कहा कि अगर सनातन संस्कृति का पालन करना अपराध है तो हम से अपराध हजार बार करेंगे। उन्होंने सपा



पर हमला करते हुए कहा कि संक्रमित व्यक्ति का उपचार हो सकता है संक्रमित सोच का कोई उपचार नहीं है। महाकुंभ महान आयोजन है। महान कार्य को तीन अवस्थाओं से गुजरना पड़ता है। उपहास से, विरोध से और स्वीकृति से। स्वीकृति का इससे अधिक प्रमाण क्या हो सकता है कि सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष खुद चुपचाप जाकर महाकुंभ में डुबकी लगा आए। मुख्यमंत्री ने कहा कि महाकुंभ किसी पार्टी विशेष और सरकार का नहीं, बल्कि समाज का आयोजन है। सरकार पीछे है। सरकार सहयोग और उत्तरदायित्वों का निर्वहन करने के लिए सेवक के रूप में है। सेवक के रूप में उत्तरदायित्वों का निर्वहन करना हमारी जिम्मेदारी है। हम तत्परता के साथ ऐसा करेंगे, क्योंकि हमें अपनी जिम्मेदारियों का अहसास है। हमारे मन में भारत की सनातन परंपराओं के प्रति श्रद्धा का भाव है और उन श्रद्धाओं को सम्मान देना हमारा

दायित्व है। सौभाग्य है कि सदी के महाकुंभ के साथ सरकार को जुड़ने का अवसर प्राप्त हुआ। तमाम दुष्प्रचार को दरकिनार करते हुए देश-दुनिया ने इस आयोजन के साथ सहभागी बनकर इसे सफलता की नई ऊंचाई तक पहुंचाया है। प्रतिपक्ष के सदस्य डॉ. आरके पटेल, संग्राम सिंह यादव, आराधना मिश्रा मोना का जवाब देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि मुझे जिम्मेदारियों का अहसास है। 29 जनवरी के भगदड़ के शिकार श्रद्धालुओं और प्रयागराज कुंभ के दौरान सोनभद्र, अलीगढ़ या अन्य जगहों पर महास्नान में आने और वापस जाने के दौरान जो श्रद्धालु सड़क दुर्घटना के शिकार हुए हैं। हम उन्हें श्रद्धांजलि देते हैं। हमारी संवेदना परिवारजनों के प्रति है। सरकार उनके साथ खड़ी है और हरसंभव मदद करेगी। प्रश्न यह है कि इस पर राजनीति करना कितना उचित है।

फेकल कोलीफॉर्म से दूषित हो रही गंगा, बीमार हो रहे लोग

लखनऊ, 19 फरवरी (एजेंसियां)।

केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) ने अपनी हालिया रिपोर्ट में पानी में फैली गंदगी को लेकर चिंता जताई है। रिपोर्ट में कहा गया है कि गंगा और यमुना का जल फिलहाल नहाने के लायक नहीं है। प्रयागराज में जारी महाकुंभ इन दिनों दुनियाभर के लिए आकर्षण का केंद्र बना हुआ है। भारत ही नहीं, विश्व के अलग-अलग हिस्सों से लोग यहां संगम में आस्था की डुबकी लगाने के लिए पहुंच रहे हैं। अब तक के आंकड़ों के अनुसार 56 करोड़ से अधिक श्रद्धालु पवित्र डुबकी लगा चुके हैं। हालांकि यहां इकट्ठा होती भीड़ और रोज करोड़ों लोगों के संगम में डुबकी लगाने के कारण जल प्रदूषण बढ़ता जा रहा है। सीपीसीबी ने अपनी रिपोर्ट में बताया कि संगम समेत कई जगहों पर फेकल कोलीफॉर्म (खतरनाक बैक्टीरिया) बढ़ गया है। इसका स्तर 2,500 यूनिट प्रति 100 मिलीलीटर की तय सीमा से बहुत ज्यादा हो गया है, जिससे गंधीर प्रदूषण का संकेत मिलता है। चूंकि अभी भी

रोजाना बड़ी संख्या में यहां लोग स्नान कर रहे हैं इससे प्रदूषण का स्तर बढ़ने और इसके कारण कई प्रकार की स्वास्थ्य समस्या होने का जोखिम हो सकता है। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) ने राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीटी) को सूचित किया है कि महाकुंभ के दौरान प्रयागराज में विभिन्न स्थानों पर फेकल कोलीफॉर्म का स्तर बढ़ गया है। ये जल स्नान के लिए अनुरूप नहीं है।

गौरतलब है कि पानी की गुणवत्ता के आकलन के लिए फेकल कोलीफॉर्म का परीक्षण किया जाता है ताकि यह निर्धारित किया जा सके कि पानी पीने, तैरने या अन्य गतिविधियों के लिए सुरक्षित है या नहीं। इस रिपोर्ट के सामने आने के बाद स्वास्थ्य विशेषज्ञों का कहना है कि यहां से संभावित रूप से जलजनित बीमारियों के फैलने का जोखिम बढ़ सकता है। मेडिकल रिपोर्ट्स से पता चलता है कि फेकल कोलीफॉर्म से दूषित पानी में नहाने से कई तरह की स्वास्थ्य समस्याएं हो सकती हैं। ये गैट्रोइंटेस्टाइनल संक्रमण जैसे

दस्त, उल्टी और पेट में एंठन की दिक्कों को बढ़ा सकता है। इतना ही नहीं दूषित जल के संपर्क के कारण त्वचा और आंखों में संक्रमण का भी खतरा रहता है।

दूषित जल के कारण चकते, आंखों में जलन और फंगल इंफेक्शन का जोखिम बढ़ जाता है। जिन लोगों की प्रतिरक्षा प्रणाली कमजोर है उनमें फेफड़ों में संक्रमण का भी जोखिम हो सकता है, जिसको लेकर संगम जाने वाले सभी लोगों को अलर्ट किया जा रहा है। स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने कहा, तीर्थयात्रियों के लिए तत्काल जोखिम के अलावा, यह प्रदूषण स्थानीय लोगों के लिए भी एक बड़ा खतरा है जो अपनी दैनिक जरूरतों के लिए गंगा पर निर्भर हैं। पानी में बैक्टीरिया की वृद्धि के कारण स्वास्थ्य प्रभावित हो सकता है, जिसको ध्यान में रखते हुए स्थानीय लोगों को पीने के पानी की स्वच्छता पर विशेष ध्यान देते रहने की जरूरत है। इधर प्रयागराज महाकुंभ से बनारस लौटे बड़े संख्या में नागा साधुओं में एलर्जी की समस्या देखी जा रही है।

मुख्यमंत्री योगी ने विधानसभा सदस्य मनोज पांडेय को धन्यवाद देते हुए कहा कि उन्होंने अफवाहों का उल्लेख किया। सीएम ने कहा कि काहिरा, नेपाल, झारखंड व देश की अन्य दुर्घटनाओं को महाकुंभ व झूंसी के साथ जोड़कर दुष्प्रचार करके अफवाह फैलाने का कार्य हो रहा है, ऐसा करने वाले आखिर कौन लोग थे। मुख्यमंत्री योगी ने विपक्षी दलों पर

कटाक्ष करते हुए एक शेर सुनाया, बड़ा हसीन है इनकी जुबान का जादू, लगाकर आग बहारों की बात करते हैं। जिन्होंने रात में चुन-चुन बस्तियों को लूटा, वही नसीबों के मारों की बात करते हैं। मुख्यमंत्री ने कहा, यह उर्दू नहीं, हिंदी है। जब प्रदेश की स्थानीय बोलियों को सदन में महत्व मिला तो उन्होंने विरोध किया। हर अच्छे कार्य का विरोध

करना समाजवादी संस्कार है। उन्होंने कहा कि हिंदी इस सदन की भाषा है। हिंदी को तो हटाया नहीं, बल्कि सदस्यों को छूट दी गई है कि वे इन बोलियों में बोल सकते हैं। यह थोपा नहीं गया, बल्कि सुविधा है। भोजपुरी, ब्रज, अवधी व बुंदेलखंडी की लिपि भी देवनागरी है। सभी कार्य संविधान द्वारा घोषित व्यवस्था के दायरे में हुआ है। इसका आपको

स्वागत करना चाहिए और इस कार्य के साथ सकारात्मक भाव के साथ जुड़ना चाहिए। उन्होंने नेता प्रतिपक्ष को संबोधित करते हुए कहा कि आपके विरोध का मैं उपहास नहीं उड़ाता, क्योंकि आपकी आदत मुझे मालूम है। सीएम ने तंज कसा कि आज के समाजवादियों के बारे में मान्यता है कि जिस थाली में खाते हैं, उसमें ही छेद करते हैं।

माफियाओं और बाहुबलियों में पाप धोने की होड़

संगम में डुबकियां लगा रहे बेजोड़



महाकुंभ नगर, 19 फरवरी (एजेंसियां)।

महाकुंभ में पवित्र संगम में स्नान कर सारे पाप धोने की होड़ में माफिया और बाहुबलि भी पीछे नहीं हैं। वे भी खूब डुबकियां लगा रहे हैं। बाहुबली पूर्व सांसद धनंजय सिंह, एमएलसी विनीत सिंह, पूर्व एमएलसी बृजेश सिंह, रामू द्विवेदी, विधायक सुशील सिंह, अभय सिंह समेत बिहार के कई बाहुबलियों ने भी संगम में डुबकी लगाई है। साथ ही वीडियो और फोटो सोशल मीडिया पर पोस्ट किया है। गंगा, यमुना और सरस्वती का त्रिवेणी संगम धर्म के साथ ही विभिन्न क्षेत्रों के लिए भी चर्चा में है। राजनीति, उद्योग और फिल्म जगत के दिग्गजों का संगम स्थल पर जमावड़ा हुआ है।

कमाने की होड़ में इस बार पूर्वांचल और बिहार के बाहुबली भी पीछे नहीं हैं। सियासत के बाहुबली पूर्व सांसद धनंजय सिंह, एमएलसी विनीत सिंह, पूर्व एमएलसी बृजेश सिंह, रामू द्विवेदी, विधायक सुशील सिंह और अभय सिंह समेत बिहार के कई बाहुबलियों ने भी संगम में डुबकी लगाई है। साथ ही वीडियो और फोटो सोशल मीडिया पर पोस्ट किया है। गंगा, यमुना और सरस्वती का त्रिवेणी संगम धर्म के साथ ही विभिन्न क्षेत्रों के लिए भी चर्चा में है। राजनीति, उद्योग और फिल्म जगत के दिग्गजों का संगम स्थल पर जमावड़ा हुआ है।



सभी ने महाकुंभ का हिस्सा बनकर खुद को धन्य माना। दबंग और बाहुबली कहे जाने वाले लोग भी संगम पर पुण्य कमाने चले आ रहे हैं। बाहुबली कहे जाने वाले यह लोग सफेदपोश हो चुके हैं। एक बाहुबली तो हेलीकॉप्टर से आए, कई के प्रोटोकॉल का वीडियो वायरल हो गया। इनकी गाड़ियों का काफिला पांटून पुल से गुजरा तो श्रद्धालु देखकर हैरान हो गए। सियासत के बाहुबली लाव-लशकर के साथ वीआईपी प्रोटोकॉल में आए तो उन्होंने साधु-संतों के शिबिर में जाकर उनका पैर छूकर आशीर्वाद लिया और फोटो भी खिंचवाई, सभी ने

उसे सोशल मीडिया पर पोस्ट भी किया। महाकुंभ में जनता भले ही जाम से परेशान है, उनकी गाड़ियां दस किमी दूर ही रोक दी जा रही हैं, लेकिन बाहुबलियों की गाड़ियां किसी ने नहीं रोकी। प्रयागराज में अतीक गिरोह का सभी कुंभ में ठेका आदि में हस्तक्षेप रहता था। अतीक अपना पोस्टर भी लगवाता था। लेकिन उसके खतमे के बाद न तो उसके गुर्ग कहीं नजर आए और न ही उसके नाम पर किसी ने अफसरों को धमकी ही दी। अलबत्ता उसके खिलाफ कुछ लोगों ने पोस्टर जरूर लगाए, जिसे प्रशासन ने बाद में हटवा दिया।

मुख्तार अब्बास नकवी की पत्नी सीमा सिंह नकवी ने किया संगम स्नान



महाकुंभ नगर, 19 फरवरी (एजेंसियां)।

पूर्व केंद्रीय मंत्री मुख्तार अब्बास नकवी की पत्नी सीमा सिंह नकवी अपने परिवार के साथ महाकुंभ पहुंचीं और संगम में आस्था की डुबकी लगाईं। इस अवसर पर उन्होंने जूना अखाड़े के पीठाधीश्वर आचार्य महामंडलेश्वर स्वामी अवधेशानंद गिरि समेत अन्य संत-महात्माओं से मुलाकात की और आशीर्वाद लिया। सीमा सिंह नकवी ने महाकुंभ को भारतीय संस्कृति और सामाजिक समरसता का प्रतीक बताते हुए कहा कि यह अध्यात्म और श्रद्धा का भव्य

संगम है। उन्होंने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा महाकुंभ के आयोजन के लिए की गई व्यवस्थाओं की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि यहां की सुरक्षा, सफाई और यातायात प्रबंधन अत्यंत प्रभावी है। संगम स्नान के बाद परिवार के अन्य सदस्यों ने भी धार्मिक स्थलों का दर्शन किया। महाकुंभ में अपनी उपस्थिति को आध्यात्मिक अनुभव बताते हुए उन्होंने कहा कि इस आयोजन से पूरे विश्व को भारत की सांस्कृतिक महानता का संदेश मिलता है। स्नान और संत दर्शन के पश्चात वे परिवार सहित लखनऊ के लिए रवाना हो गईं।

कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष ने संगम में लगाई डुबकी



महाकुंभ नगर, 19 फरवरी (एजेंसियां)। प्रयागराज में आज षष्ठमयाम तिथि पर प्रयागराज कुंभ में उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष और पूर्व मंत्री अजय राय ने संगम में डुबकी लगाई। स्नान के बाद मां गंगा का पूजन अर्चन कर अजय राय ने लोक कल्याण की कामना की एवं समूचे देश की सुख शांति एवं समृद्धि के लिए प्रार्थना की।

यूपी-बिहार तक फैला धंधा : काली मिर्च में मिला रहे पपीते के बीज

हर महीने खप रही 40 करोड़ की मिलावटी काली मिर्च

गोरखपुर, 19 फरवरी (एजेंसियां)। यूपी के गोरखपुर में धंधेबाज हर महीने 40 करोड़ की मिलावटी काली मिर्च खपा रहे हैं। शाहजहांपुर, दिल्ली और कानपुर के धंधेबाज गोरखपुर की मंडी में मिलावटी काली मिर्च पहुंचा रहे हैं। यह माल गोरखपुर के रास्ते बिहार और नेपाल तक जा रहा है। धंधेबाजों ने मुनाफे के लिए खाने-पीने की हर चीज में मिलावट कर रखा है। शहर में बिक रहे मसालों में ज्यादातर मिलावटी हैं। शाहजंपुर और कानपुर के धंधेबाज काली मिर्च में बाकी से मिलावट कर उसे गोरखपुर पहुंचा रहे हैं। शहर में हर महीने करीब 40 करोड़ की मिलावटी काली मिर्च खपाई जा रही है। खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम ने मंगलवार को लालडिगी क्षेत्र स्थित स्वास्तिक ट्रांसपोर्ट

फाउंडेशन के गोदाम से काली मिर्च और खड़ी हल्दी का नमूना लिया। गोदाम में 16 बोरी काली मिर्च रखी हुई थी, जिसमें रंग और तेल के मिलावट होने की आशंका थी। कानपुर से मिलावटी काली मिर्च की सप्लाई की जा रही है। कानपुर में ही काली मिर्च में पपीते और भिंडी के बीज मिलाए जाते हैं। इसके रंग में फर्क न आए इसके लिए कुछ केमिकल भी मिलाते हैं। मिलावटी माल पकड़ में न आए इसके लिए ट्रांसपोर्ट की बिलिंग कर मंडी तक लाया जाता है। इसमें शाहजंपुर, कानपुर और दिल्ली के धंधेबाज जुड़े हुए हैं। गोरखपुर की मंडी में हर महीने करीब 25 हजार क्विंटल काली मिर्च की खपत है। इसमें 10 हजार क्विंटल

मिलावटी रहता है। मिलावटी मिर्च की कीमत 375 से 410 रुपए प्रति किलो है। वहीं असली काली मिर्च का रेट 670 से 800 रुपए प्रति किलो है। व्यापारियों की मानें तो मिलावटी मिर्च से धंधेबाज मोटी कमाई करते हैं। हर महीने इसका धंधा करीब 40 करोड़ तक हो रहा है। सहालग और सर्दी में यह और भी ज्यादा हो गया था। धंधेबाज कानपुर से नकली काली मिर्च को पहले गोरखपुर पहुंचाते हैं। यहां से इसे छोटी गाड़ियों में लादकर आसपास के जिलों, नेपाल और बिहार तक सप्लाई की जाती है। सूत्रों ने बताया कि गोरखपुर से निकलने के बाद ये कहीं भी पकड़े नहीं जाते। इनका नेटवर्क काफी बड़ा है। साहबगंज किराना कमेटी के व्यापारियों की सूचना पर खाद्य सुरक्षा

विभाग की टीम ने जांच की थी और नमूने लिए गए थे। व्यापारियों की मौजूदगी में अधिकारियों ने गोदाम में गिरी हुई काली मिर्च को पानी में डाला तो दाने ऊपर आ गए और रंग भी सफेद हो गया। इसमें आंशका हुई कि काली मिर्च में भिंडी के बीज हैं, लेकिन मंगलवार को गोदाम खुला तो नीचे गिरे हुए दाने साफ कर दिए गए थे। मिलावटखोर हल्दी में चमक बरकरार रखने के लिए लेड क्रोमेट लगाते हैं, इसकी जांच के लिए हल्दी का नमूना लिया गया है। खाद्य सुरक्षा विभाग ने शेषपुर मोहल्ले स्थित दीपक कुमार भट्ट के ट्रांसपोर्ट फाउंडेशन में आई काली मिर्च का नमूना लिया। व्यापारियों की सूचना के अनुसार गोदाम में 125 बोरी काली मिर्च

कानपुर से आई थी, लेकिन मौके पर 16 बोरी ही मिली। इस कारण ट्रांसपोर्ट को नोटिस देकर बिल मांगा गया है कि किसने माल मंगाया था। उसके आधार पर जांच की जाएगी। साहबगंज किराना कमेटी के मंत्री गोपाल जायसवाल ने बताया कि गोरखपुर से शहर के अलावा बिहार और नेपाल तक काली मिर्च जाती है। असली काली मिर्च कर्नाटक से आती है। असली काली मिर्च का रेट 670 से 800 रुपए किलो है, जबकि यह मिलावटी काली मिर्च थोक में 375 से 410 रुपए किलो बिक रही है। बाजार में मिलावटी काली मिर्च को भी असली के रेट से बेचा जा रहा है। इससे अच्छे व्यापारियों को काफी नुकसान होता है। जिला अस्पताल के फिजिशियन

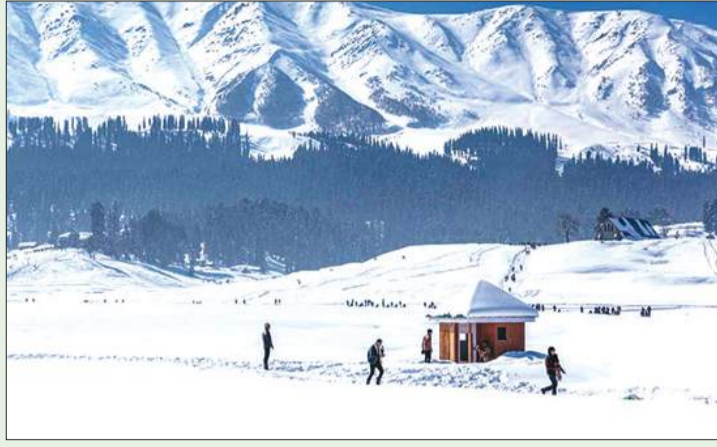
डॉ. राजेश कुमार ने बताया कि काली मिर्च एक आम मसाला है जो विभिन्न प्रकार के व्यंजनों में उपयोग किया जाता है। मिलावटी काली मिर्च खाने से कई नुकसान हो सकते हैं। इसमें केमिकल पदार्थों के मिलाने से पाचन संबंधित समस्याएं आ सकती हैं। मिलावटी काली मिर्च में मौजूद अन्य पदार्थों से एलर्जी या संवेदनशीलता हो सकती है, जो त्वचा पर चकते, खुजली या अन्य प्रतिकूल प्रभावों का कारण बन सकती है। इससे लिवर की समस्याएं भी हो सकती हैं। मिलावटी काली मिर्च की तरह नौसद्व में 20 दिन पहले चमड़ा रंगने वाले रंग के साथ पकड़ी गई चायपत्ती को भी खपा दिया गया था। बिल के अनुसार 32 बोरी चाय पत्ती देवरिया

सहित अन्य स्थानों पर बेची गई थी। देवरिया में जांच हुई तो वहां भी मिलावटी चाय पत्ती का नमूना लिया गया था। खाद्य सुरक्षा विभाग ने चायपत्ती का नमूना लिया है, जिसकी रिपोर्ट का इंतजार है। सहायक खाद्य आयुक्त डॉ. सुधीर कुमार सिंह ने कहा, मिलावटी खाद्य पदार्थों की जांच के लिए अभियान जारी है। ट्रांसपोर्ट के गोदाम में काली मिर्च और खड़ी हल्दी का नमूना लिया गया है। नोटिस देकर बिल मांगा गया है कि कानपुर से आई काली मिर्च को कहा कहा भेजा गया। पहले दिन गोदाम में गिरी काली मिर्च में भिंडी के बीज की मिलावट थी, लेकिन उसे अगले दिन हटा दिया गया था। काली मिर्च में रंग और तेल के मिलावट होने की आशंका है।

निकट भविष्य में कश्मीर बर्फ के लिए तरसेगा

जम्मू, 19 फरवरी (व्यूरो)।

अगर बदलते मौसम चक्र पर एक नजर दौड़ाए तो यही लगता है कि कश्मीर निकट भविष्य में बर्फ के लिए तरसेगा। ऐसे में कम बर्फबारी उस स्टडी को चेतावनी के तौर पर लेने को मजबूर कर रही है जिसमें कहा गया है कि भविष्य में कश्मीर बर्फ से वंचित रह सकता है। मौसम विशेषज्ञों ने यह पूर्वानुमान भी व्यक्त किया है कि फरवरी के अंत तक कश्मीर में कोई भारी बर्फबारी की संभावना कम है। कश्मीर वादी भले ही इन सतर्कताओं को शीतलहर की चपेट में रही हो मगर कम बर्फबारी ने सभी को निराश किया है जिसका प्रभाव दिखने लगा है। माना कि कश्मीर में सूखे और शुष्क सर्दी से बचने की खातिर अदा की जाने वाली नमाजे इस्ताशका को खुदा ने कई बार सुना और कश्मीरियों की कबूल हुई दुआ हमेशा बर्फ के रूप में गिरी। पर कश्मीरियों को खुश नहीं कर सकी थी क्योंकि दो साल पहले श्रीनगर शहर में गिरने वाली बर्फ 3.4 मिमी बारिश के ही बराबर ही थी। दो साल पहले कश्मीरियों को करीब पांच सालों के अरसे के बाद सूखे और बर्फ से निजात पाने की खातिर नमाजे इस्ताशका का



सहारा लेना पड़ा था। पांच साल पहले ऐसा हुआ था। उसके अगले दो साल भी इतनी खुशी तो नहीं दे पाए थे लेकिन तीसरा साल बर्फिले सुनामी के तौर पर सामने जरूर आया था। वर्ष 2007 शिशियों से भरा था क्योंकि सर्दी और बर्फ समय से पहले आ गई थी। अगर कुछ इसे भगवान का चमत्कार मान रहे हैं तो कुछ ग्लोबल वार्मिंग का नतीजा। लेकिन कश्मीर के मौसम पर स्टडी कर रिपोर्ट तैयार करने वाले रिसर्च स्कालर अर्जिंद तालिब हुसैन की रिपोर्ट एक छुपी हुई चेतावनी दे रही है। यह चेतावनी कश्मीर से बर्फ के पूरी तरह से

गायब हो जाने के बारे में है। तालिब हुसैन की रिसर्च कहती है कि ग्लोबल वार्मिंग के कारण तापमान बढ़ा है। यह औसतन कश्मीर में 1.450 डिग्री ऊपर सामने जरूर आया था। वर्ष 2007 शिशियों से भरा था क्योंकि सर्दी और बर्फ समय से पहले आ गई थी। अगर कुछ इसे भगवान का चमत्कार मान रहे हैं तो कुछ ग्लोबल वार्मिंग का नतीजा। लेकिन कश्मीर के मौसम पर स्टडी कर रिपोर्ट तैयार करने वाले रिसर्च स्कालर अर्जिंद तालिब हुसैन की रिपोर्ट एक छुपी हुई चेतावनी दे रही है। यह चेतावनी कश्मीर से बर्फ के पूरी तरह से

20 फुट बर्फ जमी रहती थी और साल के 9 महीने इसे बंद रखना पड़ता था पर पिछले कुछ सालों से इसके खुलने का समय लगातार बढ़ता जा रहा है और वर्ष 2008 में तो इसने हद ही कर दी क्योंकि सर्दियों में इसे पूरी तरह बंद इसलिए नहीं किया जा सका क्योंकि हैवी स्नोफाल नहीं नहीं हुआ था। इस बार भी यही हाल है। स्टडी रिपोर्ट कहती है कि मौसम का चक्र भी ग्लोबल वार्मिंग ने बदल दिया है। यहां पहले दिसम्बर और जनवरी में बर्फ गिरा करती थी वह अब फरवरी और मार्च में होने लगा है। कश्मीर में स्नो सुनामी अगर इसकी पुष्टि करता है तो वर्ष 2007 के मई के पहले सप्ताह में उंचे पहाड़ों पर गिरने वाली बर्फ भी इसकी पुष्टि करती है। ऐसे में इस रिपोर्ट की चेतावनी कश्मीरियों को डरा जरूर रही है जो कह रही है कि अगर ग्लोबल वार्मिंग को थामा नहीं गया तो कश्मीर आने वाले सालों में बर्फ से पूरी तरह से वंचित हो सकता है और फिर कोई भी ऐसा नहीं कहेंगा कि कश्मीर धरती का स्वर्ग है। हालांकि बर्फ से वंचित होने की चेतावनी के साथ ही कश्मीर में खाद्य सामग्री की किल्लत की भी चेतावनी यह स्टडी रिपोर्ट दे रही है।

कई साल से मांगी जा रही किराएदारों की जानकारी

सुरेश एश डुगर
जम्मू, 19 फरवरी।

सांबा और जम्मू जिलों के उपायुक्तों द्वारा पुलिस के निवेदन पर एक बार फिर इन जिलों में रह रहे किराएदारों का सत्यापन करवाने और तीन दिनों के भीतर ऐसा न करने वालों के विरुद्ध कार्रवाई करने की चेतावनी दी गई है। इस आदेश की सच्चाई यह है कि पिछले 10 सालों के दौरान पुलिस और प्रशासन द्वारा ऐसे कितने आदेश निकाले जा चुके हैं अब दोनों को भी शायद याद नहीं हैं। अगर देखा जाए तो साल में दो से तीन बार ऐसा आदेश निकाला जा रहा है। पर किराएदारों के सत्यापन करवाने वालों का आंकड़ा एक से दो परसेंट से आगे ही नहीं बढ़ पाया है। दरअसल ऐसा न कर पाने वालों पर भारतीय संविधान की धारा 188 के तहत कार्रवाई



की जो चेतावनी दी गई है उसमें अधिकतम जुर्माना 200 रुपया है। कल भी देर शाम सांबा व जम्मू के उपायुक्तों द्वारा ऐसा ही एक आदेश जारी किया गया। पर वे इसके प्रति चुप्पी साधे हुए हैं कि इतने सालों से इस आदेश के जो आदेश निकाले गए उनका परिणाम क्या हुआ। कितने डिफाल्टरों के विरुद्ध कार्रवाई की गई कोई आंकड़ा उपलब्ध नहीं है। जम्मू में किराएदारों का सत्यापन करने की आवश्यकता पुलिस ने वर्ष 2014 में उस समय महसूस की थी जब एक आतंकी कमांडर अब्दुल्ला कारी शहर के बीचों बीच जानीपुर

इलाके में पुलिस मुठभेड़ में मारा गया था। वह उस मकान में कई महीनों से किराए पर रह रहा था। सिर्फ अब्दुल्ला कारी ही नहीं बल्कि उसके बाद के वर्षों में भी किराएदारों के तौर पर रह रहे कई आतंकी मारे गए। कई आतंकी पकड़े गए और कई ओवर ग्राउंड वर्कर भी दबोचे गए। हर घटना के बाद पुलिस और प्रशासन ने किराएदारों के सत्यापन करवाने का फरमान तो जारी किया पर डिफाल्टरों के विरुद्ध कोई कार्रवाई न होने के कारण ही मकान मालिकों ने इसे बहुत ही हल्के तौर पर लिया। यह अभी भी जारी है। एक अधिकारी के बकौल, अगर मकान मालिकों ने पहले के आदेशों को गंभीरता से लिया होता तो हर छह महीनों के बाद ऐसा फरमान जारी करने की नौबत ही नहीं आती।

पुलिस और अपराधी के बीच हुआ मुठभेड़, पुलिस ने खदेड़कर दबोचा

गया, 19 फरवरी (एजेंसियां)।

गया में बुधवार की देर रात पुलिस और बदमाशों के बीच मुठभेड़ हो गई। इस घटना में एक बदमाश के पैर में गोली लग गई, जबकि एक अन्य को पुलिस ने खदेड़कर दबोच लिया। घायल अपराधी की पहचान गुरुआ थाना क्षेत्र के सकल बीघा निवासी धर्मेश पासवान के रूप में हुई। उसे मगध मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया है। दूसरे पकड़े गए बदमाश की पहचान को लेकर पुलिस ने कोई खुलासा नहीं किया है। घटना डोभी थाना क्षेत्र की है।

घटना के संबंध में पुलिस का कहना है कि गुप्त सूचना मिली थी कि चतरा मोड़ के पास कुछ अपराधी किसी बड़ी वारदात को अंजाम देने के लिए जुटे हैं। टेकिनकल सेल की रिपोर्ट पर एसएसपी ने त्वरित कार्रवाई के आदेश दिए। डोभी और बहेरा पुलिस ने संयुक्त ऑपरेशन चलाया। जैसे ही पुलिस ने घेराबंदी की, अपराधी भागने लगे। अपराधियों को भागते देख पुलिस ने उनको रुकने का आदेश दिया,

लेकिन अपराधी लगातार भागते रहे। पुलिस ने भी तुरंत उनका पीछा किया।

पुलिस ने बताया कि पीछा करने पर अपराधी भारत गैस एजेंसी रोड की ओर भागे लगे। इस दौरान उन अपराधियों ने पुलिस पर फायरिंग करनी शुरू कर दी। जवाबी कार्रवाई में एक बदमाश के पैर में गोली लग गई। गोली लगते ही वह गिर पड़ा, जिसके बाद पुलिस ने उसे दबोच लिया। फिर एक अन्य अपराधी को पुलिस ने खदेड़कर दबोच लिया। घायल अपराधी की पहचान गुरुआ थाना क्षेत्र के सकल बीघा निवासी धर्मेश पासवान के रूप में हुई। उसे मगध मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया है। दूसरे पकड़े गए बदमाश की पहचान को लेकर पुलिस ने कोई खुलासा नहीं किया है। मुठभेड़ की सूचना मिलते ही एसएसपी, सिटी एसपी और शेरघाटी डीएसपी मौके पर पहुंचे। गिरफ्तार अपराधियों से पूछताछ जारी है। पुलिस इस गिराव के नेटवर्क को खंगाल रही है।

साँफटेवयर इंजीनियर के घर पर पहुंची एनआईए तो पाकिस्तान से जुड़े तार

देश में खपाता था जाली नोट

भागलपुर, 19 फरवरी (एजेंसियां)।

राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने बुधवार सुबह भागलपुर में जाली नोट के कारोबार से जुड़े आरोपितों के ठिकानों पर छापेमारी की। यह कार्रवाई इशाकचक थाना क्षेत्र के भीखनपुर इलाके में की गई, जहां एनआईए की टीम ने स्थानीय पुलिस के सहयोग से नजरे सद्दाम के घर की तलाशी ली और परिजनों से पूछताछ की। सूत्रों के अनुसार, यह छापेमारी बिहार के मोतिहारी में पिछले साल सितंबर 2024 में हुए एक बड़े खुलासे के बाद की गई, जब भारत-नेपाल सीमा के पास



पुलिस ने दो लाख रुपये के जाली नोटों के साथ तीन तस्करों को गिरफ्तार किया गया था। इनमें भागलपुर निवासी नजरे सद्दाम भी शामिल था, जो एक साँफटेवयर इंजीनियर होने के बावजूद जाली नोटों के नेटवर्क का हिस्सा बना हुआ था।

जांच एजेंसी को ऐसे पुख्ता सबूत मिले हैं, जिनसे पता चलता है कि जाली नोटों का नेटवर्क पाकिस्तान और कश्मीर में सक्रिय देशविरोधी संगठनों से जुड़ा हुआ

है। बताया जा रहा है कि नजरे सद्दाम नेपाल के भोरे गांव में दो स्थानीय तस्करों के जरिए पाकिस्तानी एजेंटों से मिला था और उन्हीं की मदद से जाली नोटों को भारत में सप्लाई करता था। एनआईए की जांच में यह भी सामने आया है कि नजरे सद्दाम पहले भी दिल्ली होते हुए कश्मीर के अनंतनाग तक जाली नोटों की खेप पहुंचा चुका था। वहां उसकी मुलाकात उग्रवादी संगठनों से जुड़े लोगों से हुई थी। वह नेपाल के

एकता कपूर से पद्मश्री वापस लेने की मांग

नई दिल्ली, 19 फरवरी (एजेंसियां)।

फिल्म प्रोड्यूसर एकता कपूर को दिया गया पद्मश्री वापस लेने की मांग उठी है। भारत के अलग-अलग हिस्सों के 108 वकीलों ने पद्मश्री वापस लेने की अपील राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से की है। उन्होंने इसको लेकर एक पत्र भी राष्ट्रपति मुर्मू को लिखा है। इन वकीलों ने एकता कपूर से वेब सीरीज के जरिए समाज में अश्लीलता फैलाने का आरोप लगाया है। उन्होंने आरोप लगाया है कि एकता कपूर की बनाई वेब सीरीज नैतिक मूल्यों के पतन का काम कर रही है और पवित्र समझे जाने वाले रिश्तों पर भी कलंक लगा रही है। जांच एजेंसी अब इस एकता कपूर द्वारा बनाई ऐसी तमाम वेब सीरीज की जानकारी



भी राष्ट्रपति को दी है। वकीलों ने आरोप लगाया है कि एकता कपूर का बनाया यह कंटेंट भारतीय युवाओं और समाज पर नकारात्मक प्रभाव डाल रहा है। वकीलों ने मांग की है कि इससे पद्मश्री पुरस्कार की भी गरिमा खतरे में है, ऐसे में इसे वापस लिया जाए। गौरतलब है कि एकता कपूर को 2021 में पद्मश्री पुरस्कार दिया गया था। यह पुरस्कार उनके टीवी एवं सिनेमा में योगदान के चलते दिया गया था।

विपक्ष पर योगी आदित्यनाथ का कटाक्ष

भाजपा से लड़ते-लड़ते भारत से लड़ने लगे

राजनीतिक स्वार्थ के लिए सनातन और भारत को बदनाम न करें

लखनऊ, 19 फरवरी (एजेंसियां)।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सदन में समाजवादी पार्टी समेत विपक्षी दलों से कहा कि आप भारत को क्यों बदनाम कर रहे हैं। मुझे अफसोस है कि आप भाजपा से लड़ते-लड़ते भारत से लड़ने लगे। सीएम ने सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव के वक्तव्य 'हमारा देश कभी विकसित भारत नहीं बन सकता' को दुर्भाग्यपूर्ण बताते हुए अखबार में छपी यह खबर दिखाई। बोले कि एक राजनीतिक दल अपने देश के प्रति इतनी दुर्भावना रखता है। अब तो लोग भी कहने लगे कि राहुल गांधी की उपस्थिति देश और अखिलेश यादव की उपस्थिति उत्तर प्रदेश में भाजपा के जीत की गारंटी है। यह गारंटी उपचुनाव ने दे दी है। सीएम ने कहा कि महाकुंभ पर राजनीति नहीं होनी चाहिए। शालीनता व मर्यादा से अपनी बात रखिए, लेकिन जीवित लोगों को मृतक न बताइए। तीर्थयात्रा में लोग श्रद्धा के साथ जाते थे। आस्था को कैसे कोई रोक सकता है, उन्हें बदनाम न कीजिए।

मुख्यमंत्री ने विपक्षी दलों से मार्मिक अपील की कि राजनीतिक स्वार्थ के लिए सनातन व भारत को बदनाम न कीजिए। शासन पर प्रश्न खड़ा कीजिए, लेकिन महाकुंभ और आस्था पर नहीं।

पहले आपने कहा कि संख्या बढ़ाचढ़ा कर कही जा रही है। उसे देखने स्वयं सपा मुखिया पहुंच गए कि वास्तव में भीड़ हो रही है कि नहीं। अब कह रहे कि भीड़ बहुत अधिक हो रही है, लोगों को स्नान का मौका नहीं मिल रहा है। तिथि आगे बढ़ा दीजिए। यह इनका दोहरा चरित्र है। पहले विरोध करते हैं, फिर कहते हैं कि तिथि आगे बढ़ा दीजिए। यही बात अभी चच्चू (शिवपाल यादव) भी कह रहे थे, लेकिन तिथि हम नहीं तय करते। यह आयोगन पोष पूर्णिमा से शिवरात्रि तक होना है। शिवरात्रि की तिथि तय है। यह शास्त्रीय ज्योतिषीय गणना के अनुरूप ही होगी। इससे आगे नहीं बढ़ सकते।

मुख्यमंत्री ने शिवपाल यादव की चुटकी लेते हुए धन्यवाद दिया कि आपने मिल्कीपुर में सहयोग किया। सीएम ने राहुल गांधी व अखिलेश यादव पर तंज कसते हुए कहा कि नाम का असर होता ही है। पप्पू और टप्पू में बहुत अंतर नहीं होता। चच्चू ने वैसे ही नाम नहीं रखा है। अभी चच्चू शांत हैं, लेकिन समय आने पर अपना रंग दिखाएंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि पीएम मोदी के मार्गदर्शन, पूज्य संतों के सानिध्य में यह आयोगन विराट बना है। यह एकात्मता का महाकुंभ है। एकात्मता के भाव ने हमें और दुनिया को एकता के सूत्र में



जोड़ने का कार्य किया। उन्होंने सपा सदस्यों को इंगित करते हुए कहा कि आपकी परेशानी समझ सकता हूँ। आपकी राजनीति विभाजनकारी और जाति-जाति के बीच में विखंडन की है। इसका जवाब देश व उत्तर प्रदेश ने भी दे दिया। देश ने हरियाणा, महाराष्ट्र व दिल्ली और प्रदेश ने मीरापुर, गाजियाबाद, कुंदरकी, खैर, फूलपुर, मझवा, मिल्कीपुर व कटेहरी के विजय के माध्यम से दिया है। आप करहल जीत जाएं तो आपकी विजय, भाजपा कुंदरकी और कटेहरी जीत रही है तो आप स्वीकार करने को तैयार नहीं हैं यानी भारत की संवैधानिक व्यवस्था में आपका विश्वास नहीं है। वोट देने वाली जनता-जनार्दन का आप उपहास उड़ा रहे हैं। उसका अपमान कर रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि दुष्प्रचार

4 फरवरी तक 813 श्रद्धालुओं को डिजिटल खोया-पाया केंद्र के जरिए परिजनों से मिलाया गया। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह दुनिया का सबसे बड़ा आयोजन है। जर्मनी के अक्टूबर फेस्ट में 72 लाख पर्यटक और ब्राजील के रियो कॉर्नवाल में 70 लाख पर्यटक पहुंचते हैं। हज में भी लाखों श्रद्धालु पहुंचते हैं। अभी एक सप्ताह बाकी है, फिर भी महाकुंभ में श्रद्धालुओं की संख्या ने 56 करोड़ की सीमा लांघ चुकी है। भारत और चीन के अलावा किसी अन्य देश की आबादी इससे अधिक नहीं है। यूरोपीय संघ की कुल आबादी 44.90 करोड़, संयुक्त राज्य अमेरिका की आबादी 34.66 करोड़ है। पाकिस्तान, बांग्लादेश की कुल आबादी को भी जोड़ देंगे, उससे अधिक लोग प्रयागराज महाकुंभ में आ चुके हैं। आप सदन में मुद्दा उठा सकते हैं, लेकिन शब्दों की मर्यादा का ध्यान अवश्य रखिए। बताया गया कि हजारों मौत हो गईं। सपा-कांग्रेस के नेताओं ने गैर जिम्मेदाराना बयान दिए।

सीएम ने अखबार की कटिंग दिखाते हुए प्रयागराज का एक किस्सा सुनाया। बोले कि जिन्हें आप मृत बता रहे थे 'भगदड़ में जिसे मृत माना, वह तेरहवीं के दिन घर पहुंचा' (अखबार की हेडिंग) जीरो रोड के वह खूंटी गुरु मौनी अमावस्या के बाद से

लापता थे, जिस दिन उनका ब्रह्मभोज था, जिस अचानक पहुंच गए। आयोजन निरस्त करना पड़ा। सपा सदस्यों को आड़े हाथ लेते हुए योगी ने कहा कि आप जैसे कुछ महापुरुष कैमरा लेकर खड़े होंगे। लोगों से बुलवाएंगे कि सरकार व्यवस्था नहीं कर पाई पर्यटक पहुंचते हैं। हज में भी लाखों श्रद्धालु पहुंचते हैं। अभी एक सप्ताह बाकी है, फिर भी महाकुंभ में श्रद्धालुओं की संख्या ने 56 करोड़ की सीमा लांघ चुकी है। भारत और चीन के अलावा किसी अन्य देश की आबादी इससे अधिक नहीं है। यूरोपीय संघ की कुल आबादी 44.90 करोड़, संयुक्त राज्य अमेरिका की आबादी 34.66 करोड़ है। पाकिस्तान, बांग्लादेश की कुल आबादी को भी जोड़ देंगे, उससे अधिक लोग प्रयागराज महाकुंभ में आ चुके हैं। आप सदन में मुद्दा उठा सकते हैं, लेकिन शब्दों की मर्यादा का ध्यान अवश्य रखिए। बताया गया कि हजारों मौत हो गईं। सपा-कांग्रेस के नेताओं ने गैर जिम्मेदाराना बयान दिए।

सीएम ने अखबार की कटिंग दिखाते हुए प्रयागराज का एक किस्सा सुनाया। बोले कि जिन्हें आप मृत बता रहे थे 'भगदड़ में जिसे मृत माना, वह तेरहवीं के दिन घर पहुंचा' (अखबार की हेडिंग) जीरो रोड के वह खूंटी गुरु मौनी अमावस्या के बाद से

लापता थे, जिस दिन उनका ब्रह्मभोज था, जिस अचानक पहुंच गए। आयोजन निरस्त करना पड़ा। सपा सदस्यों को आड़े हाथ लेते हुए योगी ने कहा कि आप जैसे कुछ महापुरुष कैमरा लेकर खड़े होंगे। लोगों से बुलवाएंगे कि सरकार व्यवस्था नहीं कर पाई पर्यटक पहुंचते हैं। हज में भी लाखों श्रद्धालु पहुंचते हैं। अभी एक सप्ताह बाकी है, फिर भी महाकुंभ में श्रद्धालुओं की संख्या ने 56 करोड़ की सीमा लांघ चुकी है। भारत और चीन के अलावा किसी अन्य देश की आबादी इससे अधिक नहीं है। यूरोपीय संघ की कुल आबादी 44.90 करोड़, संयुक्त राज्य अमेरिका की आबादी 34.66 करोड़ है। पाकिस्तान, बांग्लादेश की कुल आबादी को भी जोड़ देंगे, उससे अधिक लोग प्रयागराज महाकुंभ में आ चुके हैं। आप सदन में मुद्दा उठा सकते हैं, लेकिन शब्दों की मर्यादा का ध्यान अवश्य रखिए। बताया गया कि हजारों मौत हो गईं। सपा-कांग्रेस के नेताओं ने गैर जिम्मेदाराना बयान दिए।

सीएम ने अखबार की कटिंग दिखाते हुए प्रयागराज का एक किस्सा सुनाया। बोले कि जिन्हें आप मृत बता रहे थे 'भगदड़ में जिसे मृत माना, वह तेरहवीं के दिन घर पहुंचा' (अखबार की हेडिंग) जीरो रोड के वह खूंटी गुरु मौनी अमावस्या के बाद से



सर्गाफा बाजार में लगातार दूसरे दिन महंगा हुआ सोना, चांदी के भाव में बदलाव नहीं

नई दिल्ली, 18 फरवरी (एजेंसियां)।

श्रेयलू सर्गाफा बाजार में :लगातार दूसरे दिन सोने के भाव में तेजी का रुख नजर आ रहा है। दूसरी ओर, चांदी के भाव में :लगातार दूसरे दिन कोई उतार-चढ़ाव नहीं हुआ है। सोना :300 रुपये से लेकर 330 रुपये प्रति 10 ग्राम तक महंगा हुआ है। :की तेजी के कारण देश के ज्यादातर सर्गाफा बाजारों में 24 कैरेट सोना :86,960 रुपये से लेकर 87,110 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना :79,710 रुपये से लेकर 79,860 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी की कीमत में बदलाव नहीं होने के कारण ये

चमकीली धातु दिल्ली सर्गाफा बाजार में :भी 1,00,400 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर ही कारोबार कर रही है। देश की राजधानी दिल्ली में 24 कैरेट सोना 87,110 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 79,860 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 86,960 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 79,710 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 87,010 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 79,760 रुपये प्रति 10

ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना :86,960 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 79,710 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 86,960 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 79,710 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। लखनऊ के सर्गाफा बाजार में 24 कैरेट सोना :87,110 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 79,860 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। वहीं पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 87,010 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट

सोना 79,760 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह जयपुर में 24 कैरेट सोना 87,110 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 79,860 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्गाफा बाजार में भी :सोना महंगा हुआ है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना :86,960 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह इन तीनों शहरों के सर्गाफा बाजारों में 22 कैरेट सोना 79,710 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

न्यूज ब्रीफ

स्पोर्ट्स और प्रीमियम लुक के साथ इलेक्ट्रिक एसयूवी सेलियोन 7 भारत में लॉन्च



नई दिल्ली। इलेक्ट्रिक वाहन निर्माता बीवायडी ने भारतीय बाजार में नई इलेक्ट्रिक एसयूवी सेलियोन 7 लॉन्च कर दी है। यह प्रीमियम इलेक्ट्रिक एसयूवी दो वेरिएंट्स में उपलब्ध होगी। प्रीमियम वेरिएंट की कीमत 48.9 लाख रुपये और टॉप-स्पेक परफॉर्मंस वेरिएंट की कीमत 54.9 लाख रुपये एक्स-शोरूम रखी है। कंपनी ने कहा कि सेलियोन 7 की पहली 70 यूनिट्स की डिलीवरी 7 मार्च 2025 से शुरू होगी। सेलियोन 7 का डिजाइन इसे एक स्पोर्ट्स और प्रीमियम लुक देती है। इसमें प्रीमियम वेरिएंट के लिए 19-इंच और परफॉर्मंस वेरिएंट के लिए 20-इंच अलॉय व्हील्स लगाए गए हैं। यह एसयूवी अटलांटिस ग्रे, ऑरोरा व्हाइट, कॉस्मोस ब्लैक और शार्क ग्रे जैसे चार रंगों में बाजार में आएगी। फेब्रिन में 15.6-इंच का रोटेटिंग टचस्क्रीन इन्फोटेन्मेंट सिस्टम, वॉटलेट ड्रॉट सीट्स, डिजिटल इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर, पेनोर्बिक ग्लास रूफ और वायरलेस चार्जिंग जैसी आधुनिक सुविधा से लैस है। स्पोर्ट्स के लिहाज से सेलियोन 7 में 11 एयरबैग, 360-डिग्री कैमरा, ब्लाइंड स्पॉट डिटेक्शन, फॉरवर्ड कोलिजन वार्निंग, इमरजेंसी ब्रेकिंग और इंटेलिजेंट क्रूज कंट्रोल जैसे फीचर्स दिए गए हैं। इस एसयूवी में 82.56 किलोवॉट्स एलएफपीवी बैटरी पैक है, जो 482 किमी की ड्रैवरेण्यल रेंज प्रमाणित रेंज प्रदान करता है। परफॉर्मंस वेरिएंट में 530एचपी की पावर और 690एनएम का टॉर्क मिलता है, जिससे यह 4.5 सेकंड में 0-100 किमी/घंटा की रफ्तार से चलती है।

बाइक 390 ड्यूक की कीमत में 18,000 रुपये तक की कटौती



नई दिल्ली। बाइक निर्माता कंपनी केटीएम ने अपनी लोकप्रिय बाइक 390 ड्यूक की कीमत में 18,000 रुपये तक की कटौती कर दी है। इससे पहले केटीएम 390 ड्यूक की एक्स-शोरूम कीमत 3.13 लाख रुपये थी, लेकिन अब इसे 2.95 लाख रुपये में खरीदा जा सकता है। अगर आप 2025 में इस बाइक को खरीदने की योजना बना रहे हैं, तो यह आपके लिए एक बेहतरीन मौका हो सकता है। इस बाइक में 399सीसी का एलसी4सी इंजन दिया गया है, जो 46 पीएस की पावर और 39एनएम का टॉर्क जनरेट करता है। इसमें अक्सिस और रिलिएबल वल्व, राइड-बाय-वायर तकनीक और 6-स्पीड गियरबॉक्स मिलता है। केटीएम 390 ड्यूक में मोटोसाइकिल ट्रेडिशन कंट्रोल, स्ट्रीट और रेस राइडिंग मोड्स, लॉन्च कंट्रोल, क्लिक रिपटर स्क्रीन, सुपरमोटी एबीएस, कॉर्नरिंग एबीएस और ट्रेक स्क्रॉल जैसे एडवांस फीचर्स दिए गए हैं। इस बाइक का सीधा मुकाबला ट्रंप स्पीड, हार्ले डेविडसन 440एक्स, हीरो मारुति 440, कावासाकी निजा 400 और बजाज डोमिनार 400 से है।

कॉम्पैक्ट एसयूवी ब्रेजा को कर दिया 6 एयरबैग से लैस



नई दिल्ली। कार निर्माता कंपनी मारुति सुजुकी ने अपनी सबसे ज्यादा बिकने वाली कॉम्पैक्ट एसयूवी ब्रेजा को 6 एयरबैग से लैस कर दिया है। इसके अलावा सभी सीटों के लिए 3 पॉइंट इंटेलिजेंट सीटबेल्ट, फ्रंट सीटबेल्ट के लिए शोल्डर हाइट एडजस्टमेंट और एडजस्टेबल रियर हेडरेस्ट जैसे मानक सुरक्षा फीचर्स भी दिए गए हैं। 2025 ब्रेजा में अब सभी वेरिएंट्स में फ्रंट ड्राइवर और पैसेंजर एयरबैग, 2 साइड एयरबैग और 2 कर्टेन एयरबैग जैसे प्रमुख सुरक्षा फीचर्स शामिल होंगे। हालांकि, सुरक्षा फीचर्स में इस वृद्धि के साथ-साथ ब्रेजा की कीमत में भी इजाजा हुआ है। अब इस एसयूवी की कीमत 8.69 लाख रुपये से शुरू होकर 13.98 लाख रुपये (एक्स-शोरूम) तक हो गई है। पहले इसकी शुरुआती कीमत 8.34 लाख रुपये थी। ब्रेजा में अब स्टैडिस्ट फीचर के तौर पर कप होल्डर के साथ फॉल्डिंग रियर सेंटर आर्मरस्ट भी शामिल किया गया है, जो इस अपडेटेड मॉडल को और आकर्षक बनाता है। जहां तक इंजन की बात है, ब्रेजा में कोई बड़ा बदलाव नहीं किया गया है। यह इंजन 5-स्पीड मैनुअल और 6-स्पीड टॉर्क कन्वर्टर ऑटोमैटिक ट्रांसमिशन के साथ उपलब्ध रहेगा। सीएनजी वेरिएंट में यह इंजन 87 बीएचपी और 121.5 एनएम टॉर्क देगा। मारुति ने इस कदम के साथ अन्य कंपनियों के दबाव को ध्यान में रखते हुए अपने ग्राहकों को बेहतर सुरक्षा प्रदान की है इसमें 1.5-लीटर के 15सी नैचुरली एस्पिरेटेड पेट्रोल इंजन मिलेगा, जो 102 बीएचपी और 139 एनएम टॉर्क उत्पन्न करता है।

सेबी ने म्यूचुअल फंड नियमों में किए बदलाव असेट मैनेजमेंट कंपनियों को दिए निर्देश

नई दिल्ली, 18 फरवरी (एजेंसियां)।

मार्केट रेगुलेटर सेबी ने म्यूचुअल फंड के नियमों में बदलाव करते हुए असेट मैनेजमेंट कंपनियों को निर्देश दिया है कि वे नए फंड ऑफर से जुटाए गए पैसे को समय सीमा में ही निवेश करें। साथ ही रेगुलेटर ने निवेशकों को ज्यादा पारदर्शिता देने के लिए म्यूचुअल फंड स्कीम्स के स्ट्रेस टेस्टिंग की जानकारी देने को भी कहा है। ये बदलाव 1 अप्रैल, 2025 से लागू होंगे। इसका मकसद म्यूचुअल फंड्स के लिए कामकाज में लचीलापन लाना और निवेशकों के बीच जवाबदेही और भरोसा तय करना है।

सेबी ने 14 फरवरी को जारी एक अधिसूचना में कहा था कि एनएफओ में मिली राशि का इस्तेमाल तय समयसीमा में किया जाएगा। इस बारे में बोर्ड समय-समय पर निर्देश जारी कर सकता है। यह बदलाव सेबी बोर्ड द्वारा दिसंबर में एक प्रस्ताव को मंजूरी देने के बाद आया है। इसमें फंड मैनेजर्स को एनएफओ के दौरान इकट्ठा की गई रकम को स्कीम के तय असेट एलोकेशन के मुताबिक 30 दिनों में निवेश करने को कहा था।

रेगुलेटर ने कहा था कि अगर तय समय सीमा में पैसा निवेश नहीं किया जाता है, तो निवेशकों को बिना एग्जिट लोड चुकाए स्कीम से बाहर निकलने का विकल्प होगा। ये बदलाव एएमसीएस को एनएफओ के दौरान ज्यादा पैसा इकट्ठा करने से रोकता है। इसकी वजह ये है कि निवेशक बाद में मौजूदा नेट असेट वैल्यू (एनएवी) पर आपन-एंडेड स्कीम्स में निवेश कर सकते हैं। असेट मैनेजमेंट कंपनियों के कर्मचारियों के लिए काम करने में आसानी के लिए भी सेबी ने कदम उठाए हैं। सेबी का कहना है कि एएमसी ऐसे कर्मचारियों के वेतन का एक फीसदी म्यूचुअल फंड स्कीम की यूनिट में निवेश करेगा। यह कर्मचारियों के पोस्ट या भूमिका के आधार पर होगा।



फोनपे ने क्रेडिट और डेबिट कार्ड के लिए डिवाइस टोकनाइजेशन सॉल्यूशन किया लॉन्च

नई दिल्ली। फिनटेक मेजर फोनपे ने क्रेडिट और डेबिट कार्ड के लिए डिवाइस टोकनाइजेशन सॉल्यूशन लॉन्च करने का ऐलान किया है। इस लॉन्च के साथ युजर्स फोनपे ऐप पर अपने कार्ड को टोकनाइज कर सकेंगे। फोनपे युजर्स बिल पेमेंट, रिचार्ज, ट्रेवल टिकट बुकिंग, बीमा खरीदना, फिनकोड पर पेमेंट कार्ड के जरिए कर सकेंगे। इसके अलावा ऑनलाइन मर्चेंट जहां फोनपे पेमेंट गेटवे सर्विस इंटीग्रेट है, वहां भी कार्ड टोकनाइज किया जा सकेगा। फोनपे के सह-संस्थापक और सीटीओ ने कहा कि यह लॉन्च डिजिटल पेमेंट को सुरक्षित और सहज बनाने की दिशा में अग्र कदम साबित होगा। कार्ड पेमेंट नेटवर्क के साथ इंटीग्रेट कर और सभी फोनपे पीजी व्यापारियों को डिवाइस टोकनाइज्ड कार्ड तक पहुंच सक्षम कर इस पेशकश का विस्तार करने की योजना बना रहे हैं। उन्होंने कहा कि फोनपे में हमने हमेशा ऐसे इन्वेंटिव सॉल्यूशन बनाने पर ध्यान केंद्रित किया है, जो ग्राहकों के विश्वास और सुविधा को बढ़ाते हैं। बिजनेस और उपभोक्ताओं दोनों के लिए लेन-देन को सुरक्षित, तेज और बाधा रहित बनाते हैं। कंपनी के मुताबिक उपभोक्ताओं के लिए कार्ड को टोकनाइज करने से कई लाभ हैं। फोनपे ग्राहकों को अब मर्चेंट प्लेटफॉर्म पर अपने कार्ड की डिटेल्स से वे हर ट्रांजेक्शन के लिए सीवीवी एंटर करने की जरूरत नहीं होगी, जिससे सबसे रेट ज्यादा होगा और चेकआउट के समय कम ड्रॉप-ऑफ होंगे। डिवाइस से सुरक्षित रूप से जुड़े टोकनाइज किए गए कार्ड के साथ थोड़ी सी लूक हुए कार्ड डिटेल्स से धोखाधड़ी का जोखिम भी काफी कम हो जाता है, जिससे उपभोक्ताओं को सुरक्षा का पुख्ता इंतजाम मिलता है और ऑनलाइन पेमेंट में उपभोक्ताओं का विश्वास बढ़ता है।



प्रथम पृष्ठ का शेष...

भारत और हिंदुओं...

यह पाया गया कि विकिमीडिया फाउंडेशन को ओपन सोसाइटी फाउंडेशन, रॉकफेलर फाउंडेशन, टाइम्स फाउंडेशन और इनके ही जैसे अन्य प्रेरित-निर्देशित फंडों से करोड़ों डॉलर प्राप्त होते हैं। गूगल भी विकिमीडिया फाउंडेशन को लाखों डॉलर दान करता है और विकिपीडिया सामग्री को बढ़ावा देता है, जिसमें एक्सट्रेट विकिपीडिया जैसी परियोजनाओं का विशेषण शामिल है, जिसका उद्देश्य इंटरनेट पर वर्चस्व स्थापित करना है। विकिमीडिया फाउंडेशन के वित्तीय संबंध टाइम्स फाउंडेशन के साथ हैं, जिस पर अमेरिकी धनपशु और षडयंत्रकारी जॉर्ज सोरोस के साथ मिलकर अमेरिकी विश्वविद्यालयों में हमास के समर्थन में विरोध-प्रदर्शनों की फंडिंग करने का आरोप है। विकिमीडिया और टाइम्स फाउंडेशन कई ऐसी संस्थाओं को भी फंड देते हैं, जो विशेष रूप से भारत के हिंदों के खिलाफ कार्य करती हैं और विभिन्न स्तरों पर इसकी संप्रभुता को कमजोर करती हैं। विकिमीडिया फाउंडेशन और टाइम्स फाउंडेशन के संबंध संदिग्ध संगठनों जैसे हिंदू फॉर ह्यूमन राइट्स, इकालिटी लैब्स, आर्ट प्लस फेमिनिज्म, एक्ससे नाऊ और भारतीय उद्योगपतियों के खिलाफ हिंडनबर्ग जैसे मामलों के साथ जुड़े गए हैं। विकिमीडिया फाउंडेशन की भारत में कोई भौतिक उपस्थिति नहीं है। इसकी पंजीकृत सोसायटी पहले भारत में थी, लेकिन 2019 में बंद हो गई थी। भारत में उपस्थित न होते हुए भी विकिमीडिया फाउंडेशन दान के रूप में लाखों रूपए एकत्र करता है और भारत में भारत विरोधी और हिंदू विरोधी एनजीओ को फंड देता है। ये एनजीओ विकिमीडिया फाउंडेशन के व्यावसायिक हिंदों को आगे बढ़ाते हैं। इन संगठनों में सभी चामपंधी झुकाव वाले हैं। विकिपीडिया पर भारत से संबंधित सामग्री के संदर्भ में यह पाया गया कि संपादकों और प्रशासकों का एक छोटा समूह सामग्रियों को विकृत (डिस्टॉर्ट) करता है। इसमें एक वह संपादक भी शामिल है, जिस पर मणिपुर राज्य में अस्तोष फैलाने और कलह उत्पन्न करने के लिए केस दर्ज किया गया है। ये संपादक अक्सर विकिपीडिया के लेखों में तथ्यों से छेड़छाड़ करते हैं और वैकल्पिक दृष्टिकोण जोड़ने के प्रयासों को बाधित करते हैं। इसके अलावा, गूगल और विकिमीडिया फाउंडेशन की साझेदारी के कारण सामग्री में विशिष्ट हिंदू-विरोधी और भारत-विरोधी पक्षपात देखा गया है। शोध में यह सिफारिश की गई है कि विकिमीडिया फाउंडेशन को विकिपीडिया पर सभी विवादास्पद सामग्री के लिए जिम्मेदार ठहराया जाना चाहिए और भारतीय कानूनों के अधीन रहने के लिए भारत में अपनी उपस्थिति स्थापित करनी चाहिए, जिसमें एफसीआरए, एनजीओ, आईटी दिशा-निर्देश, वित्तीय प्रकटीकरण मानक और अन्य कानून शामिल हैं। शोध में विकिमीडिया फाउंडेशन को मिलने वाले अनुदान, इन्हें देने वाली संस्थाएं और एनजीओ एवं अन्य इकाइयों के दिए गए अनुदानों के विस्तृत विवरणों का अध्ययन किया गया है। इसके अलावा, यह समझने का प्रयास किया गया है कि भारत में अपनी भौतिक

उपस्थिति बनाए बिना, विकिमीडिया फाउंडेशन कैसे भारत में कार्यरत है और अपने व्यावसायिक उद्देश्यों के लिए विभिन्न संस्थाओं को कैसे धन दे रहा है। इस शोध से यह भी उजागर हुआ है कि विकिमीडिया फाउंडेशन ने विकिपीडिया के व्यवस्थापक न्यूक्लियर को हजारों डॉलर का भुगतान किया, ताकि एक ऐप और ब्राउजर एक्सटेंशन तैयार किया जा सके, जो विकिपीडिया के पक्षपाती स्रोतों को टेम्पलेटिज कर सके। इसका मतलब है कि जब भी कोई व्यक्ति इंटरनेट पर किसी वेबसाइट को पढ़ेगा, तो विकिपीडिया संपादकों के पक्षपाती विचार सामने आएंगे, जो यह तय करेंगे कि कौन सा स्रोत विश्वसनीय है और कौन सा नहीं। विकिमीडिया फाउंडेशन और गूगल के सहयोग से इस परियोजना को लागू करने की तैयारी है। सिफारिश की गई है कि भारत सरकार एक ब्राउजर एक्सटेंशन पर काम करना चाहिए जो विकिपीडिया लेखों में, कम से कम भारत से संबंधित, पक्षपाती विचारों, गलत जानकारी, फर्जी खबरों और मिथ्या सूचना को चिन्हित कर सके।

छत्रपति संभाजी...

छत्रपति संभाजी महाराज को लेकर विकिपीडिया पर लिखी गई विवादित बातों का हम निषेध करते हैं, राज्य सरकार ने आईजी साइबर को विकिपीडिया से बात कर विवादित बातों को हटाकर सही जानकारी प्रेषित करने का आदेश दिया है। महाराष्ट्र के सीएम ने कहा, उनके अपने नियम हैं। हम उन्हें सुझाव दे रहे हैं कि हमारी ऐतिहासिक चीजों को विकृत करने के बजाय, एक अनुशासित नियम बनाएं। अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता असीमित नहीं है। यह दूसरों की स्वतंत्रता का अतिक्रमण नहीं कर सकती है। उन्होंने कहा कि इतिहास के साथ छेड़छाड़ बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उल्लेखनीय है कि संभाजी महाराज को लेकर कमाल राशिद खान ने विकिपीडिया पर आपत्तिजनक सामग्री पोस्ट की थी, जिसे प्रकाशित-प्रसारित करने की स्वीकृति विकिपीडिया ने दी थी।

35 लाख...

लाया गया था। ट्रंप प्रशासन ने मामलों को तेजी से निपटारे के प्रयास में इमिग्रेशन जर्जों पर दबाव बढ़ा दिया था। पिछले महीने, न्याय विभाग ने निर्वासन का सामना कर रहे लोगों को कानूनी सहायता प्रदान करने वाले गैर-सरकारी संगठनों को दी जाने वाली वित्तीय सहायता भी रोक दी थी। यह बख्शस्तगी ट्रंप की दो प्रमुख प्राथमिकताओं सामूहिक निर्वासन और संघीय सरकार के आकार को कम करने को प्रभावित करती है। कनाडा में भी इमिग्रेशन विभाग (आईआरसीसी) ने अगले तीन वर्षों में अपने कर्मचारियों में 25 प्रतिशत कटौती करने की घोषणा की है, जबकि वहां भी 22 लाख आवेदन लंबित हैं। इससे कनाडा में भी पीआर का प्रोसेस धीमा हो जाएगा। अमेरिका के रहने वाले

राणा टुट का कहना है कि आज्ञाजन न्यायालयों में लंबित मामलों की संख्या बढ़ती जा रही है, जिसके कारण देश में अवैध अग्रवासियों की संख्या में वृद्धि हुई है। चूंकि मामलों को सिस्टम से गुजरने में बहुत समय लगता है, इसलिए प्रतीक्षा करने वाले कई लोग अपने समुदायों में जड़ें जमाना शुरू कर देते हैं। निश्चित तौर पर इमिग्रेशन प्रक्रिया धीमी हो जाएगी और इसका नुकसान काफी पंजाबी युवाओं को होगा। इस महीने अमेरिका से डिपॉर्ट हुए भारतीयों की संख्या 332 है, जिन्हें तीन खेप में भारत भेजा गया। पांच फरवरी को 104 भारतीय भेजे गए, जिनमें 30 लोग पंजाबी थे। 15 फरवरी को 116 भारतीय भेजे गए, जिनमें पंजाब के 67 लोग शामिल थे। फिर 16 फरवरी को 112 भारतीय आए जिनमें पंजाब के 31 लोग शामिल थे। यानी इन तीन खेपों में 128 पंजाबीजों को अमेरिका से भारत भेजा गया।

चुनाव परिणामों ...

खड़गे ने अपने पिता से फिर मतदाता सूची में गड़बड़ी का पर्चा निकाला और कहा कि इस सूचीती से निपटना होगा। खड़गे ने पार्टी पदाधिकारियों से कहा, कई बार पार्टी की मजबूती के लिए जल्दबाजी में कई लोगों को शामिल कर लिया जाता है, लेकिन विचारधारा में कमजोर लोग मुश्किल समय में भाग खड़े होते हैं। असल फिलाल पड़े और नकल चल पड़े, यह पुरानी कहावत है, ऐसे लोगों से हमें दूर रहना चाहिए। आपको ऐसे लोगों को लाना चाहिए, जो वैचारिक रूप से प्रतिबद्ध हों और जो मुश्किल समय में पार्टी के पीछे चढ़ाने की तरह खड़े रहें। खड़गे की यह टिप्पणी दिह्री चुनाव में पार्टी की करारी हार को लेकर आई है। कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा, मैंने कार्य समिति की पिछली दो बैठकों में संगठनात्मक पुनर्जात की थी। उस कड़ी में कई फैसले लिए जा चुके हैं। कुछ और फैसले जल्दी ही किए जाएंगे।

इंदिरा भवन स्थित पार्टी मुख्यालय में आयोजित बैठक में नए पदाधिकारियों को संबोधित करते हुए उन्होंने पार्टी नेताओं से जमीनी स्तर पर काम करने, बूथ स्तर से पार्टी को मजबूत करने और ऐसे लोगों को बढ़ावा देने का आग्रह किया, जो संगठन के प्रति वैचारिक रूप से प्रतिबद्ध हैं। खड़गे ने संगठन में कुछ और बदलावों का भी संकेत दिया और कहा कि कुछ बदलाव पहले ही हो चुके हैं और कुछ और होने वाले हैं। उन्होंने पदाधिकारियों से कहा, मैं आपसे जवाबदेही की सबसे महत्वपूर्ण बात के बारे में बात करना चाहता हूं। राज्यों में संगठन को नया स्वरूप देने और भविष्य के सभी चुनाव परिणामों के लिए आप सभी को जवाबदेह ठहराया जाएगा। बैठक में कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी, सभी महासचिव और विभिन्न राज्यों के प्रभारी शामिल थे। खड़गे ने पार्टी नेताओं से कहा, दिह्री ने बदलाव के लिए मतदान किया और संसदधनों की कमी के बचावूद अच्छी लड़ाई लड़ने के लिए राज्य नेतृत्व के प्रयासों की सराहना की जाती है। कांग्रेस प्रमुख ने कहा कि पार्टी नेताओं को अगले पांच वर्षों में जनहित के मुद्दे उठाने चाहिए और संगठन को दिह्री में मुख्य विपक्षी दल के रूप में उभरने का प्रयास करना चाहिए।

रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर अब सोलर पैनल और बैटरी बनाने लगाएगी प्लांट



नई दिल्ली, 18 फरवरी (एजेंसियां)।

अनिल अंबानी की कंपनी रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर अब रिन्यूएबल एनर्जी यानी सौर और पवन ऊर्जा से जुड़े उपकरण बनाएगी। इससे कंपनी का विस्तार होगा। इस नए काम को संभालने के लिए इवान साहा और मुश्ताक हुसैन को सीईओ बनाया गया है। इवान साहा रिन्यूएबल मैनुफैक्चरिंग के सीईओ होंगे। वहीं मुश्ताक हुसैन बैटरी मैनुफैक्चरिंग के सीईओ होंगे।

सूत्रों ने बताया कि आरईफ्रा रिन्यूएबल एनर्जी मैनुफैक्चरिंग इंडस्ट्री में रणनीतिक रूप से प्रवेश कर रही है। कंपनी अपनी रणनीति के साथ इस क्षेत्र में कदम रख रही है। कंपनी ऐसा प्लांट लगाएगी जहां सोलर पैनल और दूसरे जरूरी उपकरण बनाए जाएंगे। इससे भारत में सोलर पैनल का प्रोडक्शन बढ़ेगा। सोलर मैनुफैक्चरिंग का काम इवान साहा देखेंगे। उन्हें सेमीकंडक्टर और सोलर टेक्नोलॉजी में 30 साल से ज्यादा का अनुभव है। वह विक्रम सोलर और रिन्यू पावर जैसी बड़ी कंपनियों में काम कर चुके हैं। आरईफ्रा बैटरी का निर्माण भी

कंपनी का काम संगठन इवान साहा और मुश्ताक हुसैन को बनाया सीईओ

करेगा। ये बैटरी बिजली स्टोर करने के काम आएगी। इनका इस्तेमाल बिजली ग्रिड और इलेक्ट्रिक गाड़ियों में होगा। मुश्ताक हुसैन बैटरी मैनुफैक्चरिंग का काम देखेंगे। उन्हें ऑटोमोबाइल, रिन्यूएबल एनर्जी, इलेक्ट्रॉनिक उपकरण और पावर टूल्स के क्षेत्र में 25 साल से ज्यादा का अनुभव है। वे रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड (आरआईएल) और टेरला जैसी बड़ी कंपनियों में अहम पदों पर रह चुके हैं।

कंपनी के इस फैसले के साथ ही इसके शेयर में कुछ तेजी आई है। मंगलवार को रिलायंस कंपनी के शेयर 1.70 फीसदी की बढ़त के साथ 248.80 रूपए पर बंद हुए। कई दिनों बाद कंपनी के शेयर में तेजी देखी गई। सोमवार को यह 244.65 रूपए पर बंद हुआ और मंगलवार को 248.30 रूपए पर खुला था।

आतंकवाद का...

भारत का अभिन्न हिस्सा है और रहेगा। इस पर पी. हरीश ने कहा कि आतंकवाद का कोई भी कारण या मकसद स्वीकार्य नहीं हो सकता। निर्दोष लोगों पर हमला किसी भी तरह से जायज नहीं ठहराया जा सकता। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान झूठ और गलत जानकारी फैलाने की कोशिश करता है, लेकिन इससे सच्चाई नहीं बदलती। उन्होंने कहा कि जैश-ए-मोहम्मद और हिजबुल मुजाहिदीन जैसे आतंकी संगठनों ने भारत में कई हमलों को अंजाम दिया है। पाकिस्तान इन्हें सीमा पर से समर्थन देता है, जिससे भारत में हिंसा फैलती है। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान में कई आतंकी संगठन और व्यक्ति संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की 1267 अल-कायदा प्रतिबंध समिति की सूची में शामिल हैं, जिन पर संपत्ति जम्ब करने, हथियारों की आपूर्ति रोकने और यात्रा प्रतिबंध लगाने का प्रावधान है। भारत ने यह भी कहा कि जम्मू-कश्मीर में हाल ही में चुनाव हुए, जिसमें लोगों ने बड़ी संख्या में मतदान किया और अपनी सरकार चुनी। भारत के स्थायी प्रतिनिधि ने पाकिस्तान पर निशाना साधते हुए कहा कि जम्मू-कश्मीर में लोकतंत्र मजबूत और जीवंत है, जबकि पाकिस्तान में ऐसा नहीं है। उन्होंने आगे कहा कि वास्तव में पाकिस्तान खुद जम्मू-कश्मीर के कुछ हिस्सों पर अवैध कब्जा किए हुए है और वहां के हालात खराब हैं। इसके साथ ही भारत ने साफ कर दिया कि आतंकवाद के मामले में कोई भेदभाव नहीं किया जाना चाहिए और संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद को अच्छे और बुरे आतंकवादियों के बीच अंतर नहीं करना चाहिए।

सुरक्षा परिषद ...

बैठक के दौरान यूएन में भारत के स्थायी राजदूत पी. हरीश ने कहा कि वैश्विक दक्षिण को अब और नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। भारत और कई अन्य अहम देशों को भी संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में प्रतिनिधित्व मिलना चाहिए। भारतीय राजदूत ने 15 सदस्यीय सुरक्षा परिषद में विस्तार की मांग दोहराई और कहा कि यूएन में तीन बड़े बदलाव होने बेहद जरूरी हैं। हरीश ने कहा कि पहले तो सुरक्षा परिषद में स्थायी और गैर-स्थायी सदस्यों की संख्या बढ़ाई जाए, दूसरा दस्तावेज आधारित सुलह समझौते होने चाहिए और तीसरा बड़े वैश्विक मुद्दों पर नतीजों के लिए एक तय समय सीमा होनी चाहिए। भारतीय राजनयिक ने कहा कि जो देश सुरक्षा परिषद के विचार का विरोध कर रहे हैं, वे यथास्थिति बनाए रखना चाहते हैं और छोटी सोच के हैं। उनकी सोच प्रतिगामी है। इसे और बर्दाश्त नहीं किया जा सकता। पीएम मोदी के बीते साल सितंबर में दिए एक बयान का जिक्र करते हुए हरीश ने कहा कि संयुक्त राष्ट्र की अहमियत बनाए रखने के लिए सुधार जरूरी हैं। भारतीय राजनयिक ने कहा कि भारत लगातार यूएन में सुधार की मांग उठा रहा है। दुनिया बदल चुकी है और समय के साथ संयुक्त राष्ट्र को भी बदलने की जरूरत है। यह मौजूदा वैश्विक व्यवस्था को प्रदर्शित करना चाहिए न कि साल 1945 की व्यवस्था को।

BOOK YOUR DISPLAY CLASSIFIED ADVERTISEMENTS AT
 Timings : 9 am to 7 pm
Head office
SHREE SIDDHINAYAK PUBLICATIONS
 Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
 APIE, Balanagar, Hyderabad - 500 037
City office
SHREE SIDDHINAYAK PUBLICATIONS
 4th Floor, 19 Towers (T19),
 Near Bus Stand, Ranigunj,
 Secunderabad - 500 003
8688868345

शुभ लाभ
महारी भाग्यनगर
 दैनिक हिन्दी शुभ लाभ, हैदराबाद, गुरुवार, 20 फरवरी, 2025

शुभ लाभ
आपकी सेवा में
शुभ लाभ से जुड़ी किसी भी समस्या या सुझाव के लिए
मो. 86888 68345 पर
संपर्क करें।

हेवन ऑफ होप! जरूरतमंद लोगों की सहायता करने का अभियान

हैदराबाद, 19 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। ऐसी दुनिया में जहाँ बहुत से लोग कठिनाइयों से जूझ रहे हैं, हेवन आफ होप एक आशा बन गया है, जो जरूरतमंद लोगों को जरूरी सहायता, संसाधन और सहायता प्रदान करता है। कमजोर लोगों के उत्थान के दृष्टिकोण के साथ स्थापित, यह संस्था जरूरतमंद लोगों के जीवन को बेहतर बनाने और सम्मान, सशक्तिकरण और समुदाय की भावना को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है।



वीर शिवाजी सेना, लिंगमपल्ली के तत्वावधान में बुधवार को हिन्दू हृदय सम्राट वीर शिवाजी महाराज की 395वीं जन्म जयंती पर विशाल शोभायात्रा निकाली गई। कार्यक्रम में गोपाल फार्मा एंड ड्रग्स के सर्वोत्तम रामप्रकाश अग्रवाल का संस्था के श्रीमंत विरादर, अनिल विरादर एवं संदीप विरादर द्वारा सम्मान किया गया।



राधे राधे ग्रुप द्वारा नियमित अन्नदान के अंतर्गत बुधवार को इनाया गुप्ता के जन्मदिवस पर नामपल्ली स्थित पब्लिक गार्डन, पिलर नं. ए1265 के समीप जरूरतमंद लोगों में अल्पाहार सेवा की गई। इस अवसर पर राधे राधे ग्रुप के अन्य सदस्य उपस्थित थे।



नव भारत निर्माण संघ के तत्वावधान में राधव रत्ना टावर, आर्बिड्स स्थित अमृत कॉन्फ्रेंस हॉल में वीर छत्रपति शिवाजी महाराज के जन्मोत्सव के उपलक्ष्य में शिवाजी महाराज को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए सुप्रसिद्ध समाज सेवी अमृत कुमार जैन। साथ में हैं अशोक कुमार हीरावत, संघ के अध्यक्ष एस. रवि कुमार, डॉ. मुस्ताज सुल्ताना, गोपाल पाटुपल्ली, तरुण तिवारी, जगदीश प्रसाद दाढ़, मदनलाल जैन, आनंद शर्मा, राजेश सोनी एवं अन्य।

प्रवर्धन कार्यशाला का भव्य आयोजन



हैदराबाद, 19 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। अखिल भारतीय तैरापंथ महिला मंडल के दिशा निर्देश में तैरापंथ महिला मंडल हैदराबाद द्वारा राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती सरिता डगगा की अध्यक्षता में प्रवर्धन कार्यशाला का भव्य आयोजन तैरापंथ भवन, डीवी कोलोनी, सिकंदराबाद में किया गया। प्रेस को जारी विज्ञप्ति में तैरापंथ महिला मंडल हैदराबाद की मंत्री सुशीला मोदी ने बताया कि उक्त कार्यक्रम में अखिल भारतीय तैरापंथ महिला मंडल की राष्ट्रीय अध्यक्ष के साथ महामंत्री श्रीमती नीतू ओस्तवाल व आंध्र तेलंगाना प्रभारी श्रीमती वीणा बेद भी उपस्थित थीं। कार्यशाला से पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष द्वारा राधास्वामी कोलोनी में कन्या विकास योजना के अंतर्गत बच्चों का उद्घाटन किया गया। आचार्य श्री महाश्रमण फिजियोथेरेपी सेंटर का अवलोकन किया। इसके पश्चात समृद्ध राष्ट्र योजना के तहत तैरापंथ भवन में सिंगल यूज प्लास्टिक क्राशिंग मशीन का अनावरण भी राष्ट्रीय अध्यक्ष के करकमलों से किया गया। दोनों उद्घाटन के पश्चात 10 बजे से प्रवर्धन कार्यशाला का आगाज हुआ। स्थानीय अध्यक्ष श्रीमती कविता आच्छा ने अपने स्वागत भाषण में राष्ट्रीय टीम, सभी आंगठक मेहमानों, अन्य संस्थाओं के पदाधिकारियों का स्वागत किया और तैरापंथ महिला मंडल हैदराबाद की गतिविधियों की जानकारी दी। महिला मंडल हैदराबाद की कार्यसमिति बहनों द्वारा स्वागत गीतिका की प्रस्तुति दी गई।

यह कार्यशाला दो सत्रों में आयोजित थी। प्रथम सत्र प्रबुद्ध महिला सेमिनार के रूप में था जिसमें हैदराबाद की प्रबुद्ध महिलाओं को विशिष्ट अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया। श्रीमती अरोमा सिंह टाकुर (आई जी - टाइम्स), श्रीमती वी. श्यामला (एसिस्टेंट सब इंस्पेक्टर), श्रीमती राजकुमारी श्रीश्रीमाल, श्रीमती निर्मला भंसाती, श्रीमती सुनीता बगारिया प्रबुद्ध महिला पैनल का हिस्सा बनीं। राष्ट्रीय अध्यक्ष और महामंत्री ने डॉक शो के माध्यम से उन सभी महिलाओं की सफलता की यात्रा व जीवन के संघर्ष को जाना। प्रवर्धन कार्यशाला में बताया गया कि कैसे एक महिला स्वयं का विकास कर देश की उन्नति में अपना योगदान दे सकती है। द्वितीय सत्र में राष्ट्रीय अध्यक्ष ने शाखा मंडल की सार संभाल की और बहनों की जिज्ञासाओं का समाधान दिया। कन्यामंडल द्वारा एक नाटिका की प्रस्तुति दी गई साथ उन्होंने कन्याओं द्वारा संपादित कार्यों की जानकारी भी दी। श्रीमती वीणा बेद ने स्वस्थ एवं शांतिपूर्ण जीवन हेतु प्रेक्षाध्यान का प्रयोग करवाया। इसके पश्चात तैरापंथ सभा के अध्यक्ष श्री सुशील संचेती, तैरापंथ सभा के अध्यक्ष श्री अभिनन्दन नाहटा, टी पी एफ के अध्यक्ष श्री विरेन्द्र घोषाल, अणुव्रत समिति के अध्यक्ष श्री प्रकाश जी भंडारी ज्ञानशाला क्षेत्रीय प्रभारी श्रीमती संगीता गोलछा उपस्थित थे। उन्होंने भी राष्ट्रीय टीम का सम्मान किया। साध्वी प्रमुखा श्री जी के संदेश का वाचन मंडल की संरक्षिका विमलेश सिंधी द्वारा, आभार ज्ञापन उपाध्यक्ष नमिता सिंधी व सहमंत्री प्रेम संचेती द्वारा किया गया। मंत्री श्रीमती सुशीला मोदी व कार्यसमिति सदस्य श्रीमती मनीषा सुराणा ने कार्यक्रम का सफल संचालन किया। प्रवर्धन कार्यशाला को सफल बनाने में संयोजिका बहनों भरपूर एवं सराहनीय सहयोग रखा। इस अवसर पर मंडल की काफी संख्या में सदस्य बहनों ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई।



के.बी.आर. पार्क स्थित इच्छापूर्ति गणेश भगवान की पूजा करते राजेंद्र कुमार अग्रवाल, सुरेंद्र अग्रवाल, संध्या रानी, संतोष अग्रवाल, विजय रानी, प्रवीण अग्रवाल, गोपाल बलदेव, विजय कुमार अग्रवाल, बल्लाल केडिया, नरेंद्र चोपड़ा, डॉ. राधा कृष्णा, विजय तुंबी, अशोक लखोटिया, अशोक सरायवाला, राहुल सिंघल, दिनेश पंचोली, सुधाकर पंपटी, सुदर्शन गारु आदि भक्तजन उपस्थित थे।



तैरापंथी सभा के तत्वावधान में मेव काचीगुडा व शिवमपल्ली ज्ञानशाला में प्रशिक्षिकाओं द्वारा अभिभावक मीटिंग व पुस्तक वितरण कार्यक्रम रखा गया। इसमें ज्ञानशाला क्षेत्रीय संयोजक संगीता गोलछा, परामर्शक अंजू बेद तथा स्थानीय प्रशिक्षिकाओं एवं वहां का श्रावक समाज उपस्थित था।

श्री श्याम मंदिर
 काशीगुडा - हैदराबाद
19-02
2025
 प्रातः दर्शन
 श्री श्याम मंदिर कठोटी
 काशीगुडा हैदराबाद



श्री माता वैष्णो देवी श्राइन बोर्ड, कटरा, जम्मू-कश्मीर के उप मुख्य कार्यकारी अधिकारी पवन गोस्वामी और मुख्य लेखा अधिकारी महेश शर्मा ने हैदराबाद की प्रसिद्ध भाग्यलक्ष्मी मंदिर, चारमीनार के दर्शन, पूजा-अर्चना एवं भाग्यलक्ष्मी से आशीर्वाद प्राप्त किया। इस अवसर पर भाग्यलक्ष्मी मंदिर के पदाधिकारियों ने सभी का स्वागत किया।

दमरे महाप्रबंधक अरुण कुमार जैन ने हैदराबाद मंडल का निरीक्षण किया

हैदराबाद, 19 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। अरुण कुमार जैन, महाप्रबंधक, दक्षिण मध्य रेलवे ने आज यानी 19 फरवरी, 2025 को हैदराबाद मंडल का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उनके साथ हैदराबाद मंडल के मंडल रेल प्रबंधक श्री लोकेश विश्वाश्री और मुख्यालय तथा मंडल के अन्य वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे। महाप्रबंधक ने मुद्रखेड से मेडचल तक निरीक्षण किया और पटरियों, सिग्नलिंग, नव स्थापित इलेक्ट्रिक ट्रेक्शन सिस्टम, यात्री सुविधाओं और आगे की विकास योजनाओं के सुरक्षा पहलुओं की समीक्षा की। उन्होंने उमरी रेलवे स्टेशन का विस्तृत निरीक्षण किया और उपलब्ध यात्री सुविधाओं की समीक्षा की। उन्होंने स्टेशन मास्टर के कार्यालय का भी निरीक्षण किया और स्टेशन के अभिलेखों की जांच की। इसके अलावा, उन्होंने स्टेशन पर पटरियों और अन्य सुरक्षा उपकरणों के रखरखाव का निरीक्षण किया।



उन्होंने ट्रेक मॉटेन्स से बातचीत की और उनकी कार्य स्थितियों और अपनाई जा रही सुरक्षा प्रथाओं के बारे में जानकारी ली। महाप्रबंधक ने बसर रेलवे स्टेशन का निरीक्षण किया, उन्होंने सुविधाओं की समीक्षा की तथा स्टेशन मास्टर कार्यालय, एटीवीएम मशीनों की कार्यप्रणाली, एक स्टेशन एक उत्पाद स्टॉल (ओएस-ओपी) तथा स्टेशन के परिचालित क्षेत्र का निरीक्षण किया। उन्होंने बसर में अमृत भारत स्टेशन योजना (एबीएसएस) के तहत 11.33 करोड़ रुपये की लागत से चल रहे स्टेशन पुनर्विकास कार्यों की प्रगति की भी समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को कार्य में और तेजी लाने की सलाह दी, ताकि परियोजना को लक्ष्य के अनुसार पूरा किया जा सके।



स्टेशन पर रनिंग रूम तथा क्रू बुकिंग लॉबी का भी निरीक्षण किया तथा कर्मचारियों से उपलब्ध सुविधाओं के बारे में पूछताछ की। उन्होंने स्टेशन पर दुर्घटना राहत ट्रेन का भी निरीक्षण किया। महाप्रबंधक तथा वरिष्ठ अधिकारियों ने स्टेशन पर हरियाली भरे वातावरण को बढ़ावा देने के लिए वृक्षारोपण कार्यक्रम में भाग लिया। श्री अरुण कुमार जैन कामारेड्डी रेलवे स्टेशन पर पहुंचे, जहां उन्होंने स्टेशन परिसर और ओएसओपी स्टॉल का निरीक्षण किया। उन्होंने एबीएसएस के तहत कामारेड्डी

स्टेशन पर 39.9 करोड़ रुपये की लागत से किए जा रहे पुनर्विकास कार्यों की भी समीक्षा की। उन्होंने निर्माण कार्यों के दौरान अपनाई जा रही सुरक्षा प्रक्रियाओं और दिशा-निर्देशों की जांच की। उन्होंने कामारेड्डी सेक्शन में गेट नंबर 238 का भी निरीक्षण किया और गेटमैन और ट्रेक मॉटेन्स से बातचीत की। बाद में महाप्रबंधक ने मनोहराबाद रेलवे स्टेशन का विस्तृत निरीक्षण किया और स्टेशन मास्टर के कार्यालय, सकुंलेटिंग एरिया और स्टेशन के अग्रभाग का निरीक्षण किया। महाप्रबंधक ने मेडचल रेलवे स्टेशन का भी निरीक्षण किया, उन्होंने यात्री सुविधाओं की समीक्षा की और स्टेशन के अग्रभाग और सकुंलेटिंग एरिया का निरीक्षण किया। उन्होंने 8.37 करोड़ रुपये की लागत से चल रहे स्टेशन पुनर्विकास कार्यों की प्रगति का भी निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान महाप्रबंधक को क्षेत्र में रेल विकास से संबंधित विभिन्न जनप्रतिनिधियों से ज्ञापन प्राप्त हुए।

हैदराबाद, 19 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।
 प्राणीमित्र रमेश जागीरदार मेमोरियल फाउंडेशन एवं अन्य संस्थाओं की ओर से बुधवार को प्रमुख समाजसेवी विनोद किमती को सम्मानित किया गया। आज यहाँ जारी एक प्रेस विज्ञप्ति में प्राणीमित्र रमेश जागीरदार मेमोरियल फाउंडेशन की सहमंत्री तोरल जागीरदार ने बताया कि आल इंडिया श्वेताम्बर स्थानकवासी जैन कॉन्फ्रेंस नई दिल्ली आंध्र प्रदेश तेलंगाना शाखा के अध्यक्ष चुने पर जैन युवा रतन श्री विनोद किमती का लव फोर काउ फाउंडेशन के चेरमेन जसमत पटेल, प्राणीमित्र रमेश जागीरदार मेमोरियल फाउंडेशन के मंत्री रिद्धीश जागीरदार, आल इंडिया ऑल्ड टेम्पल रिनोवेशन ट्रस्टी चेरमेन आर.के. जैन ने उन्हे शॉल एवं स्मृति चिन्ह भेटकर सम्मानित किया गया। रिद्धीश जागीरदार ने कहा कि श्री विनोद किमती का आल इंडिया श्वेताम्बर स्थानकवासी जैन

उन्होंने आगे कहा कि विनोद किमती काफी सरल व्यक्तित्व के धनी है और अत्यन्त व्यस्त होने के बावजूद समाजिक कार्यों के लिए हमेशा समय देते हैं और तन, मन धन से सहयोग भी करते हैं। अन्य उपस्थितों ने भी दोनो के सेवा कार्यों के लिए प्रशंसा की। जैन सेवा संघ के अध्यक्ष के रूप में आपके द्वारा की गयी सेवाये जैन समाज के युवाओं को हमेशा प्रेरित करेगा। विनोद किमती उत्पल मे निर्माणाधीन आत्म गौरव ट्रस्ट के उपाध्यक्ष भी है।

कॉन्फ्रेंस नई दिल्ली आंध्रप्रदेश तेलंगाना शाखा के अध्यक्ष चुने पर जैन समाज गर्व का अनुभव कर रहा है।

एक वर्षीय अखंड श्री रामचरितमानस पाठशाला
 श्री रामचरितमानस पाठशाला
 20-02-2025
 आतिथिपति राजमानज : विनोद राजमानज
 विनोद राजमानज



बीआरएस सुप्रीमो केसीआर को सत्ता में वापसी का भरोसा

तेलंगाना को बचाने के लिए नए सिरे से आंदोलन का आह्वान

दक्षिण मध्य रेलवे
सं. : सी/सी/ई-नीलामी सूची/एससी/2024-25
दिनांक: 19.02.2025

कृते एवं भारत संघ के राष्ट्रपति की ओर से वरिष्ठ मंडलीय वाणिज्यिक प्रबंधक, सिक्कराबाद डिवीजन, दक्षिण मध्य रेलवे द्वारा वाणिज्यिक आय और एमएफआर ठेकों के लिए ई-नीलामी आमंत्रित है। तदनुसार, एससी डिवीजन ने निम्नलिखित श्रेणियों के लिए ई-नीलामी संसाधित की है, जिन्हें वेबसाइट <https://www.ireps.gov.in/website> में अधिसूचित किया गया है।

श्रेणी	कैटलॉग सं.	नीलामी प्राय होने की तिथि	विवरण
पार्किंग	एससी-पार्किंग-4524	21-02-25 15:00:00	खम्मम और दोनकल रेलवे स्टेशनों पर दो पहिया और चार पहिया पार्किंग के लिए अनुबंध।
	एससी-पार्किंग-4624	28-02-25 15:00:00	सिक्कराबाद रेलवे स्टेशन पीफ-01 साइड पर चार पहिया पार्किंग, पीफ-10 एमएलसीपी पर दो पहिया पार्किंग के लिए अनुबंध।
एमएफआर	एससी-कोल-पीएस-25-2	22-02-25 12:30:00	1. रामगुंडम (आरडीएम) रेलवे स्टेशन पर नामित ट्रैक पर खाली बैगनों में पाए गए ऐसे एकत्रित कोयले और अन्य बचे हुए पदार्थों की मैनुअल सफाई, संग्रह और निपटार के लिए अनुबंध, साथ ही नामित लानों पर रखे बैगनों से पदार्थों पर गिरे हुए अवशिष्ट कोयले और अन्य पदार्थों का भी। 2. सिक्कराबाद रेलवे स्टेशन पर पीएफ-1 में आउटडोर्स पार्सल ऑफिस में 2 पार्सल स्कैनर और पीएफ-10 में वीपी साइडिंग में 1 पार्सल स्कैनर की स्थापना, संचालन और रखरखाव के लिए, 5 साल की अवधि के लिए अनुबंध।
	एससी-कोल-पीएस-25-2	22-02-25 12:30:00	1. सिक्कराबाद रेलवे स्टेशन पर पीएफ-1 में आउटडोर्स पार्सल ऑफिस में 2 पार्सल स्कैनर और पीएफ-10 में वीपी साइडिंग में 1 पार्सल स्कैनर की स्थापना, संचालन और रखरखाव के लिए, 5 साल की अवधि के लिए अनुबंध। 2. सिक्कराबाद रेलवे स्टेशन पर पीएफ-1 में आउटडोर्स पार्सल ऑफिस में 2 पार्सल स्कैनर और पीएफ-10 में वीपी साइडिंग में 1 पार्सल स्कैनर की स्थापना, संचालन और रखरखाव के लिए, 5 साल की अवधि के लिए अनुबंध।
एसडीइएच/एच	एसडीइएच/एच-एमएबीडी-3	24-02-25 12:30:00	महबूबाबाद रेलवे स्टेशन पर 24-02-25 प्लेटफॉर्म 1 पर प्रीपेड एसी वेंडिंग हॉल के लिए अनुबंध।
रेल कोच स्टैटो (आरसीआ)	SC-RCR-007 (RCR)	25-02-25 12:30:00	1. हाईटेक सिटी 25-02-25 रेलवे स्टेशन पर कार्गोकोच एरिया में 10:00:00 बजे प्लेटफॉर्म-2 की ओर रेल कोच स्टैटो की स्थापना और संचालन के लिए अनुबंध। 2. फिरोजपुर रेलवे स्टेशन पर रेल कोच स्टैटो की स्थापना और संचालन के लिए अनुबंध।
	SC-RCR-007 (RCR)	25-02-25 12:30:00	1. हाईटेक सिटी 25-02-25 रेलवे स्टेशन पर कार्गोकोच एरिया में 10:00:00 बजे प्लेटफॉर्म-2 की ओर रेल कोच स्टैटो की स्थापना और संचालन के लिए अनुबंध। 2. फिरोजपुर रेलवे स्टेशन पर रेल कोच स्टैटो की स्थापना और संचालन के लिए अनुबंध।
सीएटीजी	SC-C-TG-03-2025	25-02-25 11:00:00	1. घाटकेसर (GT) रेलवे स्टेशन पर उजड़ा के अर्धतल प्लेटफॉर्म नंबर 2 के मध्य में चाय की दुकान GMU-231 के संचालन के लिए अनुबंध। 2. HMBD रेलवे स्टेशन पर FOB के बाल में प्लेटफॉर्म नंबर 1 पर चाय की दुकान GMU-239 के संचालन के लिए अनुबंध। 3. करीमनगर रेलवे स्टेशन पर प्लेटफॉर्म नंबर 1 के बीच में चाय की दुकान GMU-232 के संचालन के लिए अनुबंध। 4. धारम रेलवे स्टेशन पर पीने के पानी के मुख्य नल के पास प्लेटफॉर्म नंबर 1 के बीच में चाय की दुकान GMU-228 के संचालन के लिए अनुबंध। 5. खानपुर रेलवे स्टेशन पर एफओबी के बगल में प्लेटफॉर्म नंबर 1 पर चाय की दुकान GMU-238 के संचालन के लिए अनुबंध। 6. पेम्बार्टी रेलवे स्टेशन पर प्लेटफॉर्म नंबर 1 के बीच में चाय की दुकान SMU-137 के संचालन के लिए अनुबंध। 7. जमीकुटा रेलवे स्टेशन पर प्लेटफॉर्म नंबर 1 के बीच में चाय की दुकान SC-C-TG-03-25-02-25 SMU-107 के संचालन के लिए अनुबंध। 8. सेरम रेलवे स्टेशन पर बाटर कुलर के पास प्लेटफॉर्म नंबर 2 के बीच में चाय की दुकान SMU-119 के संचालन के लिए अनुबंध। 9. आसिफाबाद रोड रेलवे स्टेशन पर प्लेटफॉर्म नंबर 1 के बीच में चाय की दुकान SMU-34 के संचालन के लिए अनुबंध। 10. फतेहगढ़ रेलवे स्टेशन पर प्लेटफॉर्म नंबर 1 के बीच में चाय की दुकान SMU-34 के संचालन के लिए अनुबंध। 11. फतेहगढ़ रेलवे स्टेशन पर प्लेटफॉर्म नंबर 1 के बीच में चाय की दुकान SMU-34 के संचालन के लिए अनुबंध। 12. एस्केडेआर पीएफ नंबर 2 और 3 के जेडजे छोर पर एमएफएच नंबर 26 को खानपान की दुकान के लिए चिह्नित किया गया। 13. लिगामपल्ली रेलवे स्टेशन पर प्लेटफॉर्म नंबर 6 एचवाईडी छोर पर चाय की दुकान SMU-16 के संचालन के लिए अनुबंध। 14. घाटकेसर रेलवे स्टेशन पर एमएच रूम और एफओबी के बीच प्लेटफॉर्म नंबर 1 पर चाय की दुकान SMU-128 के संचालन के लिए अनुबंध। 15. वेंडिंग हॉल के बीच में प्लेटफॉर्म नंबर 1 पर चाय की दुकान SMU-138 के संचालन के लिए अनुबंध। 16. लिगामपल्ली रेलवे स्टेशन पर प्लेटफॉर्म नंबर 6 के बीच में चाय की दुकान SMU-18 के संचालन के लिए अनुबंध।
	SC-C-TG-03-2025	25-02-25 11:00:00	1. घाटकेसर (GT) रेलवे स्टेशन पर उजड़ा के अर्धतल प्लेटफॉर्म नंबर 2 के मध्य में चाय की दुकान GMU-231 के संचालन के लिए अनुबंध। 2. HMBD रेलवे स्टेशन पर FOB के बाल में प्लेटफॉर्म नंबर 1 पर चाय की दुकान GMU-239 के संचालन के लिए अनुबंध। 3. करीमनगर रेलवे स्टेशन पर प्लेटफॉर्म नंबर 1 के बीच में चाय की दुकान GMU-232 के संचालन के लिए अनुबंध। 4. धारम रेलवे स्टेशन पर पीने के पानी के मुख्य नल के पास प्लेटफॉर्म नंबर 1 के बीच में चाय की दुकान GMU-228 के संचालन के लिए अनुबंध। 5. खानपुर रेलवे स्टेशन पर एफओबी के बगल में प्लेटफॉर्म नंबर 1 पर चाय की दुकान GMU-238 के संचालन के लिए अनुबंध। 6. पेम्बार्टी रेलवे स्टेशन पर प्लेटफॉर्म नंबर 1 के बीच में चाय की दुकान SMU-137 के संचालन के लिए अनुबंध। 7. जमीकुटा रेलवे स्टेशन पर प्लेटफॉर्म नंबर 1 के बीच में चाय की दुकान SC-C-TG-03-25-02-25 SMU-107 के संचालन के लिए अनुबंध। 8. सेरम रेलवे स्टेशन पर बाटर कुलर के पास प्लेटफॉर्म नंबर 2 के बीच में चाय की दुकान SMU-119 के संचालन के लिए अनुबंध। 9. आसिफाबाद रोड रेलवे स्टेशन पर प्लेटफॉर्म नंबर 1 के बीच में चाय की दुकान SMU-34 के संचालन के लिए अनुबंध। 10. फतेहगढ़ रेलवे स्टेशन पर प्लेटफॉर्म नंबर 1 के बीच में चाय की दुकान SMU-34 के संचालन के लिए अनुबंध। 11. फतेहगढ़ रेलवे स्टेशन पर प्लेटफॉर्म नंबर 1 के बीच में चाय की दुकान SMU-34 के संचालन के लिए अनुबंध। 12. एस्केडेआर पीएफ नंबर 2 और 3 के जेडजे छोर पर एमएफएच नंबर 26 को खानपान की दुकान के लिए चिह्नित किया गया। 13. लिगामपल्ली रेलवे स्टेशन पर प्लेटफॉर्म नंबर 6 एचवाईडी छोर पर चाय की दुकान SMU-16 के संचालन के लिए अनुबंध। 14. घाटकेसर रेलवे स्टेशन पर एमएच रूम और एफओबी के बीच प्लेटफॉर्म नंबर 1 पर चाय की दुकान SMU-128 के संचालन के लिए अनुबंध। 15. वेंडिंग हॉल के बीच में प्लेटफॉर्म नंबर 1 पर चाय की दुकान SMU-138 के संचालन के लिए अनुबंध। 16. लिगामपल्ली रेलवे स्टेशन पर प्लेटफॉर्म नंबर 6 के बीच में चाय की दुकान SMU-18 के संचालन के लिए अनुबंध।
बाटर वेंडिंग मशीन (WVM)	SC-WVM-012	26-02-25 11:00:00	1. क्लस्टर में 12 बाटर वेंडिंग मशीन (थ्रूचक) के संचालन के लिए अनुबंध 4 लिगामपल्ली, विकाराबाद, तंदूर और बीदर रेलवे स्टेशनों पर। 2. मधिराज, रामगुंडम, सिरपुर काजगरा और पेद्दामपल्ली रेलवे स्टेशन पर क्लस्टर 3 में 12 बाटर वेंडिंग मशीनों (डब्ल्यूवीएम) के पुर्स्कार के लिए अनुबंध। 3. परली वैजनाथ, लातूर रोड, उदगीर, भालकी रेलवे स्टेशनों पर क्लस्टर 6 में 5 बाटर वेंडिंग मशीनों के संचालन के लिए अनुबंध।
	SC-WVM-012	26-02-25 11:00:00	1. क्लस्टर में 12 बाटर वेंडिंग मशीन (थ्रूचक) के संचालन के लिए अनुबंध 4 लिगामपल्ली, विकाराबाद, तंदूर और बीदर रेलवे स्टेशनों पर। 2. मधिराज, रामगुंडम, सिरपुर काजगरा और पेद्दामपल्ली रेलवे स्टेशन पर क्लस्टर 3 में 12 बाटर वेंडिंग मशीनों (डब्ल्यूवीएम) के पुर्स्कार के लिए अनुबंध। 3. परली वैजनाथ, लातूर रोड, उदगीर, भालकी रेलवे स्टेशनों पर क्लस्टर 6 में 5 बाटर वेंडिंग मशीनों के संचालन के लिए अनुबंध।
एमपीएस	एससी-एमपीएस-2524	27-02-25 15:00:00	शंकरपल्ली, बेल्गमपल्ली, मधिरा, बीदर और भोंगिर रेलवे स्टेशनों पर बहुउद्देशीय स्टॉल के लिए अनुबंध।
	एससी-एमपीएस-2624	28-02-25 15:00:00	थंडूर, बीदर, चंद्रगढ़, हाईटेक सिटी, सेरम और पेद्दामपल्ली रेलवे स्टेशनों पर बहुउद्देशीय स्टॉल के लिए अनुबंध।
विज्ञापन	एससी-एमपीएस-2724	03-03-25 15:00:00	भद्राचलम रोड, हैदराबाद, महबूबाबाद और चेलापल्ली रेलवे स्टेशनों पर बहुउद्देशीय स्टॉल के लिए अनुबंध।
	SC-AD-20250228	28-02-25 12:00:00	1. खम्मम रेलवे स्टेशन के सर्कुलैटिंग एरिया में हॉटिंग और बोर्ड (स्टैटिक मीडिया) के माध्यम से विज्ञापन के लिए अनुबंध। 2. लिगामपल्ली रेलवे स्टेशन के सर्कुलैटिंग एरिया में डिजिटल मीडिया के माध्यम से वाणिज्यिक विज्ञापनों के प्रदर्शन के लिए अनुबंध।
कोयला सफाई	एससी-कोयला सफाई	28-02-25 13:00:00	1. सिक्कराबाद डिवीजन में मानिकगढ़ गुड्स शेड में पेश किए गए बैगनों में बचे हुए कोयले और अन्य सामग्रियों की सफाई और उन्हें हटाने के लिए 5 साल की अवधि के लिए अनुबंध। 2. बैगन डिपो में TXR जांच के लिए पेश किए गए बैगनों में बचे हुए कोयले और अन्य सामग्रियों की मैनुअल रूप से साफ करना, इकट्ठा करना और उनका निपटार करना या बैगनों से रेलवे लाइनों पर गिरे जाने वाले कोयले और अन्य सामग्रियों को ब्रेक वेन की सफाई के साथ-साथ साफ करना। एकत्र की गई सामग्रियों को एक निर्धारित क्षेत्र में जमा किया जाना है और समय-समय पर रेलवे कर्मियों की देखरेख में ले जाया जाना है।
	एससी-कोयला सफाई	28-02-25 13:00:00	1. सिक्कराबाद डिवीजन में मानिकगढ़ गुड्स शेड में पेश किए गए बैगनों में बचे हुए कोयले और अन्य सामग्रियों की सफाई और उन्हें हटाने के लिए 5 साल की अवधि के लिए अनुबंध। 2. बैगन डिपो में TXR जांच के लिए पेश किए गए बैगनों में बचे हुए कोयले और अन्य सामग्रियों की मैनुअल रूप से साफ करना, इकट्ठा करना और उनका निपटार करना या बैगनों से रेलवे लाइनों पर गिरे जाने वाले कोयले और अन्य सामग्रियों को ब्रेक वेन की सफाई के साथ-साथ साफ करना। एकत्र की गई सामग्रियों को एक निर्धारित क्षेत्र में जमा किया जाना है और समय-समय पर रेलवे कर्मियों की देखरेख में ले जाया जाना है।
पार्सल	SCPARCELS-2824	01-03-25 12:00:00	07030 (SC-GTL), 07020 (SC-JP), 12735 (SC-YPR), 07075 (HYB-GKP) एक्सप्रेस ट्रेनों में SLR कोच (सिंगल कम्पार्टमेंट) में पार्सल स्पेस।
	SCPARCELS-2724	03-03-25 15:00:00	17030 (HYB-BJP), 22144 (BIDR-CSMT), 17659 (SC-BDCR), 17009 (BIDR-HYB), 17202 (SC-GNT), 17023 (SC-KRNT) SLR कोच (सिंगल कम्पार्टमेंट) में पार्सल स्पेस।

ई-नीलामी सूचना के बारे में विस्तृत जानकारी के लिए ऊपर उल्लेखित देख सकते हैं और इच्छुक पार्टियों एवं ठेकेदारों को इस पर ध्यान देना होगा। पृष्ठसाह/संशोधक के लिए कृपया उच्च-हस्तक्षेप के कार्यालय से संपर्क करें।
A0243



हैदराबाद, 19 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। बीआरएस अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव ने बुधवार को भरोसा जताया कि उनकी पार्टी तेलंगाना में सत्ता में वापसी करेगी। उन्होंने कहा कि बीआरएस 100 प्रतिशत निश्चितता के साथ वापसी करेगी। उन्होंने चिंता जताई कि जिस राज्य के लिए उन्होंने लड़ाई लड़ी थी, वह कांग्रेस के शासन में पिछड़ रहा है। उन्होंने कहा कि केवल बीआरएस ही लोगों के संघर्ष को समझती है और तेलंगाना के लिए खड़ी हो सकती है। उन्होंने पार्टी को जमीनी स्तर से मजबूत करने पर ध्यान केंद्रित करने का संकल्प लिया और तेलंगाना की सुरक्षा के लिए नए सिरे से आंदोलन करने के लिए पार्टी कार्यकर्ताओं से आह्वान किया। मंगलवार को तेलंगाना भवन में पार्टी कार्यकारिणी की बैठक को संबोधित करते हुए चंद्रशेखर राव ने बीआरएस के रजत जयंती समारोह, सदस्यता अभियान और गांव से राज्य स्तर तक पार्टी पुनर्गठन सहित प्रमुख संगठनात्मक मामलों पर चर्चा की। पार्टी के ऐतिहासिक महत्व पर जोर देते हुए उन्होंने नेताओं को तेलंगाना के राज्य आंदोलन से लेकर शासन तक की लंबी यात्रा की याद दिलाई और राज्य के विकास में बीआरएस के योगदान पर प्रकाश डाला।

उन्होंने कथित तौर पर कहा कि पिछले साल लोकसभा चुनाव में मिली हार के बाद पार्टी के खिलाफ नकारात्मक प्रचार के कारण कुछ विधायक सतारूढ़ कांग्रेस में शामिल हो गए थे। हालांकि, उन्होंने सभी को याद दिलाया कि बीआरएस का जन्म राज्य आंदोलन से हुआ है और कुछ चुनावों में हार के साथ खत्म नहीं किया जा सकता। बीआरएस सुप्रीमो ने पार्टी कार्यकर्ताओं को तेलंगाना को अतीत के अंधेरे दिनों में वापस जाने से रोकने के लिए समाज के सभी वर्गों को संगठित करने का निर्देश दिया। उन्होंने घोषणा की कि पार्टी की रजत जयंती अगले एक साल तक मनाई जाएगी, जिसमें छात्र और महिला समूहों सहित संबद्ध विंग को मजबूत करने पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। इस संबंध में वरिष्ठ नेताओं के साथ अलग-अलग उप-समितियां गठित की जाएंगी। पूर्व मंत्री और वरिष्ठ विधायक टी हरीश राव को सदस्यता अभियान का जिम्मा सौंपा गया है। सदस्यता अभियान 10 से 27 अप्रैल तक चलेगा, जबकि पार्टी का पूर्ण अधिवेशन और बीआरएस की रजत जयंती के उपलक्ष्य में एक विशाल सार्वजनिक बैठक 27 अप्रैल को होगी। कार्य योजना के बारे में आगे की जानकारी जल्द ही घोषित की जाएगी।

संत श्री अनंतलवार का 971वां अवतारोत्सव 23 को तिरुमाला में मनाया जाएगा



तिरुमाला, 19 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। महान श्री वैष्णव संत श्री अनंतलवार का 971वां अवतारोत्सव 23 फरवरी को यहां मनाया जाएगा। बुधवार को तिरुमल तिरुपति देवस्थान ने एक विज्ञापन में कहा कि टीटीडी के अलवर दिव्य प्रबंध परियोजना के तत्वावधान में पुरसैवारी टोटा में श्री अनंतलवार का अवतारोत्सव मनाया एक

प्राचीन परंपरा है, जो उस दिन सुबह 9.30 बजे से शुरू होती है। इस अवसर पर, देश भर में बसे श्री अनंतलवार के उत्तराधिकारी यहां पुरसैवारी टोटा (अनंतलवार टोटा) में विशेष पूजा, दिव्य प्रबंध पाशुराम का पाठ और आध्यात्मिक कार्यक्रम करने के लिए एकत्रित होते हैं। पवित्र ग्रंथों के अनुसार, अनंतलवार को पवित्र नाग राजा श्री आदिशेष का अवतार माना जाता है और उन्होंने तिरुमाला में पुष्प कर्कश की शुरुआत की थी।

कांग्रेस, बीआरएस ने शिक्षकों के साथ विश्वासघात किया : इटैला

खम्मम, 19 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। भाजपा सांसद इटैला राजेंद्र ने जिले में अपने अभियान के दौरान शिक्षकों से खम्मम, नरगंडा और वारंगल के लिए पार्टी के शिक्षक एमएलसी उम्मीदवार पुली सरोत्तम रेड्डी का समर्थन करने का आग्रह किया। मीडिया से बात करते हुए उन्होंने जीओ 317 को लागू करने के लिए पूर्व सीएम के चंद्रशेखर राव (केसीआर) की आलोचना की, जिसके बारे में उन्होंने दावा किया कि इससे शिक्षकों का जीवन बुरी तरह प्रभावित हुआ है। उन्होंने सीएम ए. रेवंत रेड्डी पर जीओ को खत्म करने के अपने वादे को पूरा करने में विफल रहने का भी आरोप लगाया, उन्होंने कहा कि शिक्षक बीआरएस और कांग्रेस दोनों द्वारा धोखा महसूस करते हैं। उन्होंने आर-ओप लगाया कि राज्य सरकार ने पांच लंबित दस को निपटाने में विफल रहने और वेतन संशोधन आयोग (पीआरसी)



को लागू न करके शिक्षकों की उपेक्षा की है। उन्होंने बताया कि केंद्र द्वारा राज्यों को सीपीएस पेंशन योजना को समाप्त करने की अनुमति देने के बावजूद, केसीआर सरकार ने कोई कदम नहीं उठाया है और रेवंत रेड्डी ने अभी तक इस बारे में कोई नीति घोषित नहीं की है। उन्होंने सेवानिवृत्ति लाभ जारी करने में देरी की भी आलोचना की, उन्होंने कहा कि कई सेवानिवृत्त कर्मचारी 15 महीने से अधिक समय से इंतजार कर रहे हैं। एटैला ने दावा किया कि भाजपा एकमात्र ऐसी पार्टी है जो शिक्षकों के साथ खड़ी है, उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि सरोत्तम रेड्डी के अनुभव ने उन्हें एमएलसी सीट के लिए सबसे अच्छा विकल्प बनाया है। उन्होंने मध्यम वर्ग के लिए 12.75 लाख रुपये तक की मोदी सरकार की कर रियायतों पर भी प्रकाश डाला। पूर्व सांसद सीताराम नाइक, पूर्व विधायक सईदी रेड्डी, सुभाष रेड्डी, खम्मम जिला अध्यक्ष गह्ला सत्यनारायण, चाडा श्रीनिवास, अल्लिका अजैया, पार्शद डोंगला सत्यनारायण, श्याम राठौड़, पीआरटीयू नेता चेन्नाकेशवा रेड्डी, डॉ. पापा राव और अन्य उपस्थित थे।

सर्गाफा बाज़ार

(24 कैरेट गोल्ड)
सोना : 88,770/- (प्रति 10 ग्राम)
चाँदी : 99,880/- (प्रति किलोग्राम)

वन अधिकारी एसीबी के जाल में

खम्मम, 19 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। एसीबी के अधिकारियों ने मंगलवार को जिले के येलंडु मंडल के कोमारम में एक ठेकेदार से रिश्वत लेते हुए दो वन अधिकारियों को रंगे हाथों पकड़ा। आरोपी कोमारम वन रेंज अधिकारी उदय किरण और वन बीट अधिकारी नुनावथ हरिलाल ने वन रेंज से बजरी खनन और परिवहन के लिए एक ठेकेदार से 50,000 रुपये की मांग की। ठेकेदार ने आरोपी अधिकारियों को 30,000 रुपये देने के लिए सहमति व्यक्त की और भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) से संपर्क किया। इस बीच, एसीबी खम्मम रेंज के डीएसपी वाई रमेश और टीम ने स्थानीय वन कार्यालय में छापा मारा और रिश्वत की राशि जबरन करने के अलावा आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। डीएसपी ने कहा कि गिरफ्तार लोगों को वारंगल में एमपीई और एसीबी मामलों के लिए विशेष अदालत के समक्ष पेश किया जाएगा। एफआरओ और बीट अधिकारी पर पहले भी ठेकेदार से पैसे मांगने और प्राप्त करने का आरोप है।

कुआलालपुर में हुई 13वीं रक्षा सहयोग समिति की बैठक भारत और मलेशिया की रक्षा साझेदारी मजबूत साइबर सुरक्षा और सुखोई-30 में सहयोग बढ़ाने पर सहमति



नई दिल्ली, 19 फरवरी (एजेंसिया)। रक्षा सचिव राजेश कुमार सिंह ने बुधवार को कुआलालपुर में 13वीं रक्षा सहयोग समिति की बैठक की सह-अध्यक्षता की। मलेशिया की ओर से रक्षा मंत्रालय के महासचिव लोकमान हकीम बिन अली ने बैठक की सह-अध्यक्षता की। दोनों पक्षों ने द्विपक्षीय रक्षा संबंधों और क्षेत्रीय एवं वैश्विक मुद्दों को और आगे बढ़ाने के लिए प्रभावी एवं व्यावहारिक पहलों पर व्यापक चर्चा की। दोनों अध्यक्षों ने साइबर सुरक्षा और एआई जैसे उभरते क्षेत्रों में सहयोग को और बढ़ाने के लिए कदमों की पहचान की।

रक्षा मंत्रालय के अनुसार दोनों पक्षों ने हाल के वर्षों में दोनों सशस्त्र बलों के बीच नियमित जुड़ाव के साथ बढ़ते द्विपक्षीय रक्षा सहयोग पर खुशी जताई। इसके साथ ही रक्षा उद्योग, समुद्री सुरक्षा और बहुपक्षीय संबंधों में मौजूदा सहयोग को और मजबूत करने के तरीकों पर चर्चा की गई। दोनों पक्ष गैर-पारंपरिक समुद्री

सुरक्षा खतरों से निपटने के लिए संयुक्त समूह बनाने पर सहमत हुए। दोनों पक्षों ने व्यापक रणनीतिक साझेदारी के तहत नई पहलों को पूरी तरह से लागू करने पर प्रतिबद्धता जताई, जैसा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उनके मलेशियाई समकक्ष दातो सेरी अनवर इब्राहिम ने अगस्त, 2024 में उनकी भारत यात्रा के दौरान कल्पना की थी। बैठक में भारत और मलेशिया ने रणनीतिक मामलों के कार्य समूह की स्थापना पर अंतिम रूप से तैयार शर्तों का भी आदान-प्रदान किया। यह मंच द्विपक्षीय रक्षा सहयोग के सभी पहलुओं को आगे बढ़ाने के लिए दो उप-समितियों के बीच परामर्श तंत्र के रूप में कार्य करेगा। यह फोरम लड़ाकू विमान सुखोई-30 के रखरखाव में विशेषज्ञता और सर्वोत्तम प्रथाओं के आदान-प्रदान में दोनों वायु सेनाओं के बीच घनिष्ठ सहयोग करेगा। रक्षा सचिव सिंह ने भारतीय रक्षा उद्योग की क्षमता, विशेष रूप से मलेशियाई कंपनियों और सशस्त्र बलों के साथ उनकी क्षमता वृद्धि और आधुनिकीकरण में सहयोग करने की इसकी क्षमता पर प्रकाश डाला। उन्होंने आसियान और आसियान रक्षा मंत्रियों की बैठक प्लस (एडीएमएम-प्लस) की अध्यक्षता संभालने पर मलेशिया को बधाई देते हुए इस वर्ष एडीएमएम प्लस और आसियान देशों के रक्षा मंत्रियों की बैठक के आयोजन के लिए शुभकामनाएं दीं। रक्षा सचिव ने मजबूत, एकीकृत और समृद्ध आसियान को बढ़ावा देने में आसियान अध्यक्ष के रूप में मलेशिया के प्रयासों के लिए भारत के समर्थन को दोहराया, जो हिंद-प्रशांत क्षेत्र की उभरती गतिशीलता को आकार देने में केंद्रीय भूमिका निभाता है। उन्होंने कहा कि मलेशिया हिंद-प्रशांत में महत्वपूर्ण भागीदार है, क्योंकि उसकी तीन प्रमुख विदेश नीति दृष्टिकोणों यानी एफए ईस्ट पॉलिसी, सागर (क्षेत्र में सभी के लिए सुरक्षा और विकास) और हिंद-प्रशांत महासागर में महत्वपूर्ण भूमिका है।

महेश गौड़ ने बेरोजगार युवाओं को धोखा देने के लिए बीआरएस की आलोचना की

कामारेड्डी, 19 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। कांग्रेस नेता महेश गौड़ ने बेरोजगार युवाओं को गुमराह करने के लिए भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) की कड़ी आलोचना की और दावा किया कि पार्टी अपने वादों को पूरा करने में विफल रही है। केसीआर नगर में एक अंतरंग सभा में स्नातकों को संबोधित करते हुए, उन्होंने जोर देकर कहा कि कांग्रेस सरकार को 56,000 रोजगार के अवसर प्रदान करने का श्रेय है। महेश गौड़ ने बीआरएस पर तेलंगाना को भारी कर्ज देकर वित्तीय संकट

में धकेलने का आरोप लगाया, उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार अब उन कर्जों पर ब्याज चुकाने के बोझ तले दबी हुई है। उन्होंने यह देकर कहा कि कांग्रेस सरकार को 56,000 रोजगार के अवसर प्रदान करने का श्रेय है। महेश गौड़ ने बीआरएस पर तेलंगाना को भारी कर्ज देकर वित्तीय संकट

अप्रत्यक्ष रूप से भाजपा का समर्थन कर रही है। भाजपा पर निशाना साधते हुए, महेश गौड़ ने कहा कि तेलंगाना से आठ सांसद और दो केंद्रीय मंत्री होने के बावजूद, पार्टी राज्य में कोई महत्वपूर्ण धन लाने में विफल रही है। उन्होंने कहा, तेलंगाना के विकास में भाजपा का योगदान शून्य है। उनके बयान बढ़ते राजनीतिक तनाव के बीच आए हैं। क्योंकि पार्टियां महत्वपूर्ण एमएलसी चुनावों के लिए तैयार हैं।

तेलंगाना में तीन रोहिंग्या गिरफ्तार

हैदराबाद, 19 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। महबूबनगर जिले में म्यांमार के तीन रोहिंग्याओं को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने बुधवार को बताया कि विश्वसनीय सूचना के आधार पर पुलिस ने 18 फरवरी को राजापूर मंडल के एक फार्महाउस में काम करते हुए तीन रोहिंग्याओं को पाया, जिनमें एक विवाहित जोड़ा भी शामिल है। इन तीनों की उम्र 20-22 साल है। पुलिस ने बताया कि उन्होंने तीन रोहिंग्याओं के पास से एक भारतीय पासपोर्ट, आधार कार्ड और बांग्लादेश के पहचान पत्र बरामद किए हैं। उनमें से एक ने 2012 में अवैध रूप से भारत में प्रवेश किया था और पाया गया कि वह 2024 में बांग्लादेश से एक रोहिंग्या जोड़े को पैसे वसूलने के बाद नौकरी दिलाने का वादा करके लाया था। तीनों को महबूबनगर के एक फार्महाउस में आठ महीने से अधिक समय तक काम करते हुए पाया गया।

सीएम ने यदाद्री मंदिर प्रतिष्ठा समारोह में लोगों की खुशहाली के लिए प्रार्थना की

हैदराबाद, 19 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने यादगिरिगुड्डा में श्री लक्ष्मी नरसिंह स्वामी मंदिर में स्वर्ण-प्लेटेड पंचलाल दिव्य विमान गोपुरम के महाकुंभभिषेक और अभिषेक समारोह के शुरू होने पर सभी नागरिकों की भलाई के लिए प्रार्थना की। भव्य अनुष्ठान प्रतिष्ठित मंदिर में एक महत्वपूर्ण आध्यात्मिक आयोजन को चिह्नित करते हैं, जिसमें भक्त और गणमान्य व्यक्ति समान रूप से शामिल होते हैं।

शुभ लाभ Classifieds
FIND BUY SELL

CHANGE OF NAME & DOB	CHANGE OF NAME
I, LAKSHMI DEVI, wife of Mr Kalam Siva Sankar Reddy resident of Vill-Khajeepuram, Post-Khajeepuram, Teh-Bestwarapeta, Dist-Prakasam State-AP, Pin-523346 have changed my name & DOB from Lakshmi Devi to KalamLaxmi Devi & 25 Oct 1984 to 26 Aug 1985 respectively vide affidavit dated Feb.18/02/2025 before 1 Class Magistrate, High Court of Telangana State, Hyderabad.	I, RIMA RANI SAIKIA, is wife of Army No. 15140569L, Rank: Havadar JYOTISH KUMAR DAS presently residing at Vill: Madhupara Post-Sorbhog, Tehsil Barpeta, Dist. Barpeta Assam state hereby state that changed my wife name from RIMA RANI SAIKIA to RIMA RANI DAS due to wrongly recorded in service documents vide Affidavit dated: 13 February-2025 before Mohd MuzibullaBaig Advocate and Notary High Court of T.S.
I, SHALINI PATHAK Spouse of Service No. 15811625H L/Nk ABHISHEK PATHAK of AdmBn, AOC Centre, Secunderabad, C/o.56 have changed my name and DOB from SHALINI PATHAK, DOB:17-1985 to SHALINI, DOB:15-3-1985 vide affidavit dt:19-2-2025 before G Ramchander, Advocate and Notary, Secunderabad.	I, Service No.JC 733927N Sub BHIMSEN NAYAK of AdmBn, AOC Centre, Secunderabad, Telangana hereby state that my mother name is changed from JANAKAY LATA NAYAK to JANAKI LATA NAYAK.
I, G SUMANJALI Spouse of Service No. 15329200K Hav VENKATESWARA REDDY G, R/o. VIII:GNPalem, Teh:P V Palem, Dist:Guntur, Andhra Pradesh-522329, India have changed my name from G SUMANJALI to GUNDOBAYINA SUMANJALI vide affidavit dt:19-2-2025 before C.Samuel, Advocate and Notary, Secunderabad.	I, USHA DEVIDAS YESANE Mother of Service No. 16129025M L/Nk YESANE AKASH DEVIDAS, R/o. Ward No.16, Subhash Nagar, Pulgaon, Teh:Deoli, Dist:Wardha Maharashtra -442302 have changed my name from USHA to USHA DEVIDAS YESANE vide affidavit dt:19-2-2025 before C.Samuel, Advocate and
	I, No. JC 731517Y Sub Akhilesh Kumar Singh of 2 TRG Bn, Aoc Centre, Secunderabad, TS that my Son Name is changed from TUSSHAR SINGH to TUSHAR SINGH



चैंपियंस ट्रॉफी में पहली बार खेलेंगे दस भारतीय खिलाड़ी

नई दिल्ली, 19 फरवरी (एजेंसियां)। आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी में इस बार भारतीय टीम में पिछली बार के केवल 5 ही खिलाड़ी शामिल हैं। ऐसे में इस बार करीब एक दस खिलाड़ियों को भारतीय टीम की ओर से डेब्यू का अवसर मिल सकता है।

इस बार कप्तान रोहित शर्मा, विराट कोहली, अल्लरान्डर हार्दिक पांड्या, रवींद्र

जडेजा और तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी के अलावा सारे ही नए खिलाड़ी हैं। यशस्वी जायसवाल और जसप्रीत बुमराह के संभावित खिलाड़ियों की सूची से बाहर होने के कारण वरुण चक्रवर्ती और हर्षित राणा को अवसर मिला है साल 2017 में आखिरी बार चैंपियंस ट्रॉफी को खेला गया था। अब 8 साल बाद इस आईसीसी टूर्नामेंट की वापसी होने जा रही है। पिछली बार पाकिस्तान ने भारत को हराकर इस ट्रॉफी को अपने नाम किया था। तब से अब तक आईसीसी ने चैंपियंस ट्रॉफी का आयोजन नहीं किया है। अब एक बार फिर से इस मेगा इवेंट का आयोजन किया जा रहा है। इतने लंबे अंतराल में कई भारतीय खिलाड़ियों ने संन्यास ले लिया है तो कुछ टीम में जगह नहीं बना पाए। भारतीय दल में शामिल 15 में से 5 खिलाड़ियों ने ही चैंपियंस ट्रॉफी खेला है।

चैंपियंस ट्रॉफी 2025 में भारतीय टीम में 10 खिलाड़ी पहली बार खेलेंगे। इसमें शुभमन गिल (उपकप्तान), श्रेयस अय्यर, केएल राहुल (विकेटकीपर), ऋषभ पंत (विकेटकीपर), अक्षर पटेल, वाशिंगटन सुंदर, कुलदीप यादव, हर्षित राणा, अर्शदीप सिंह, वरुण चक्रवर्ती शामिल हैं। उप कप्तान शुभमन गिल, श्रेयस अय्यर, अक्षर पटेल, केएल राहुल, कुलदीप यादव और हर्षित राणा का खेला तो पक्का माना जा रहा है। वहीं ऋषभ पंत, वाशिंगटन सुंदर, वरुण चक्रवर्ती को अंतिम ग्यारह में अवसर मिलना थोड़ा मुश्किल है।

टीम - रोहित शर्मा (कप्तान), शुभमन गिल (उपकप्तान), विराट कोहली, श्रेयस अय्यर, केएल राहुल (विकेटकीपर), ऋषभ पंत (विकेटकीपर), हार्दिक पांड्या, अक्षर पटेल, वाशिंगटन सुंदर, कुलदीप यादव, हर्षित राणा, मोहम्मद शमी, अर्शदीप सिंह, रविंद्र जडेजा और वरुण चक्रवर्ती।

न्यूज़ वीक

वॉलीबॉल नेशंस लीग फाइनल 2025 की मेजबानी करेगा निगबो



जिनेवा। पूर्वी चीन का निगबो इस गर्मी में 2025 वॉलीबॉल नेशंस लीग (वीएनएल) पुरुष फाइनल की मेजबानी करेगा। इंटरनेशनल वॉलीबॉल फेडरेशन (एफआईवीबी) ने मंगलवार को उक्त घोषणा की। निगबो बेडलून स्पोर्ट्स एंड आर्ट्स सेंटर 30 जुलाई से 3 अगस्त तक कार्यक्रम का आयोजन करेगा, जबकि महिलाओं का फाइनल 23 से 27 जुलाई तक पोलैंड के लॉड्ज में होगा। एफआईवीबी के अनुसार, हांगकांग और मकाओ ने 2024 में महिला वीएनएल के प्रत्येक दौर की मेजबानी की, 268 मिलियन दर्शकों को आकर्षित किया और चीन सेंट्रल टेलीविजन पर 168 घंटे का लाइव प्रसारण किया। एफआईवीबी ने यह भी कहा कि वीएनएल 2024 में चीन में दूसरा सबसे बड़ा खेल प्रसारण था, जिसकी अधिकतम दर्शक संख्या 23.6 मिलियन तक पहुंच गई थी। एफआईवीबी ने घोषणा की कि 2024 में वीएनएल ने वैश्विक स्तर पर उपस्थिति में 13 प्रतिशत की वृद्धि देखी।

मैक्सवेल विफल हुए तो ऑस्ट्रेलिया होगी बाहर : वॉन



लंदन। इंग्लैंड क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान माइकल वॉन ने कहा है कि अगर ऑलराउंडर ग्लेन मैक्सवेल इस बार असफल रहे तो ऑस्ट्रेलियाई टीम आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी से बाहर हो जाएगी। वॉन के अनुसार मिशेल स्टार्क, नियमित कप्तान पेट कमिंस और जोश हेजलवुड की अनुपस्थिति में ऑस्ट्रेलियाई टीम पहले ही कमजोर है। ऐसे में नये गेंदबाजों के लिए पाकिस्तान और दुबई में बल्लेबाजों को रोकना कठिन होगा। कमिंस और हेजलवुड चोटों के कारण बाहर हो गए, जबकि स्टार्क ने निजी कारणों से टूर्नामेंट से बाहर होने का फैसला किया। वॉन ने कहा कि ऑस्ट्रेलिया को अपने तीन मुख्य तेज गेंदबाजों की कमी खलेगी। मिशेल स्टार्क टूर्नामेंट से बाहर हो गए हैं। कमिंस और जोश हेजलवुड भी नहीं हैं। उनका मुख्य तेज गेंदबाजी आक्रमण पाकिस्तान और दुबई में नहीं होगा। ऐसा लगता है कि यह ऑस्ट्रेलिया के लिए बहुत बड़ा झटका है। वॉन ने स्टीव स्मिथ को कप्तान बनाना सही फैसला है। साथ ही कहा कि सभी कप्तानों में से स्मिथ रणनीतिक तौर पर देखा जाये तो किसी भी अन्य कप्तान की तरह ही अच्छे हैं। हालांकि, तीन मुख्य तेज गेंदबाजों के गायब होने के कारण स्मिथ को चैंपियंस ट्रॉफी में ऑस्ट्रेलिया को सफलता दिलाने के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा। उनके अनुसार मार्कस स्टोइनिस और मिचेल मार्श के टीम में नहीं होने से भी मैक्सवेल पर दबाव रहेगा। स्टोइनिस ने कुछ हफ्ते पहले ही एकदिवसीय से संन्यास की घोषणा की जबकि मार्श गायब हो गए थे। वॉन के अनुसार, मैक्सवेल ऑस्ट्रेलियाई टीम के ऐसे खिलाड़ी होंगे जिन पर सबकी नजर रहेगी। उन्होंने कहा कि ग्लेन मैक्सवेल और स्मिथ एडम जम्पा ऑस्ट्रेलिया के मुख्य खिलाड़ी होंगे, लेकिन मुझे लगता है कि बहुत कुछ मैक्सवेल के प्रदर्शन पर निर्भर करेगा।

ब्राजीलियन क्लब बोटाफोगो जाने के लिए तैयार पुर्तगाली कोच माटोस



रियो डी जनेरियो। ब्राजीलियन क्लब बोटाफोगो ने पुर्तगाली प्रबंधक वास्को माटोस को अपना नया मुख्य कोच नियुक्त करने का समझौता कर लिया है। 44 वर्षीय माटोस ने दो साल के अनुबंध पर हस्ताक्षर करने के लिए सहमति जताई है, जो दिसंबर 2026 तक चलेगा। स्थानीय समाचार आउटलेट ओ ग्लोबो की रिपोर्ट के अनुसार, रियो डी जनेरियो स्थित क्लब ने पुर्तगाली की शीर्ष लीग टीम सांता वलारा के साथ माटोस के अनुबंध में रिलीज क्लॉज को सक्रिय करने के लिए 1 मिलियन यूरो का भुगतान करने पर सहमति व्यक्त की है। हालांकि, अधिकारिक घोषणा से पहले कुछ प्रशासनिक औपचारिकताएँ पूरी की जानी बाकी हैं। बोटाफोगो इस साल की शुरुआत से बिना स्थायी मैनेजर के था, जब पूर्व कोच अंतर्जॉर्ज केकापा अब फिर से अपनी पिछली सहायक कोच की भूमिका में लौट सकते हैं।

हैदराबाद एफसी पर लीग डबल पूरा करने उतरेगी मुम्बई सिटी एफसी

हैदराबाद, 19 फरवरी (एजेंसियां)।

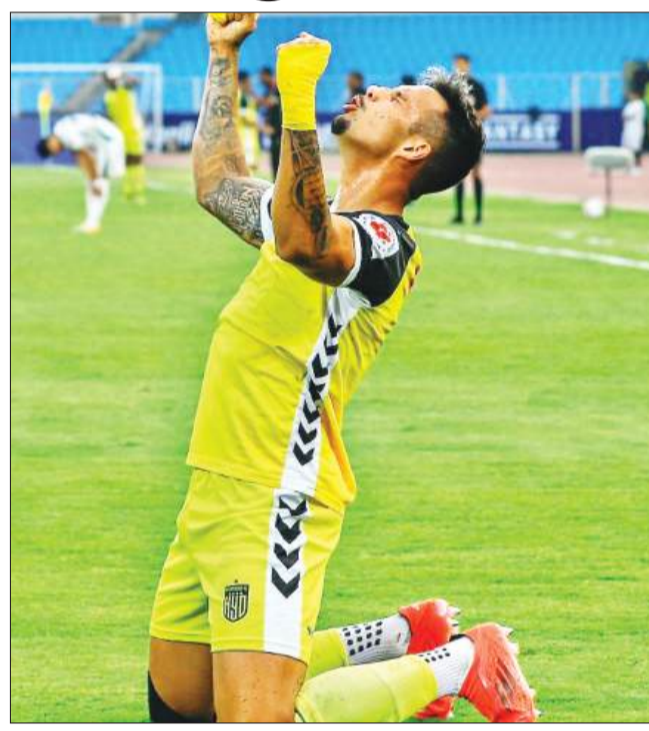
मुम्बई सिटी एफसी बुधवार शाम यहां जीएमसी बालयोगी एथलेटिक स्टेडियम में खेले जाने वाले इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) 2024-25 मुकाबले में मेजबान हैदराबाद एफसी से भिड़ेगी, तो आइलैंड्स का लक्ष्य हैदराबाद एफसी पर लीड डबल पूरा करना होगा, क्योंकि उन्होंने 30 नवंबर को रिवर्स फिक्स्चर 1-0 से जीता था। वहीं, मेजबान टीम अपने घर में लगातार तीसरी जीत हासिल करना चाहेगी, क्योंकि उसने अपने पिछले दो घरेलू मुकाबलों में जमशेदपुर एफसी को 3-2 से और मोहम्मडन एससी को 3-1 से हराया था।

मुम्बई सिटी 20 मैचों में आठ जीत, सात ड्रा और पांच हार से 31 अंक लेकर तालिका में छठे स्थान पर है। उसने पिछले पांच मैचों में दो जीते, दो ड्रा खेले और एक हार हासिल की है। हैदराबाद एफसी 20 मैचों में चार जीत, चार ड्रा और 12 हार से 16 अंक लेकर 13 टीमों की तालिका में 12वें स्थान पर है। उसने अपने पिछले चार मैचों में दो जीते हैं।

हैदराबाद ने आईएसएल 2024-25 में हैडर से नौ गोल खाए हैं, जो संयुक्त सबसे अधिक है। उसने सबसे कम क्लीन शीट (2) रखी हैं, और सभी 13 टीमों में सबसे अधिक गोल (41) खाए हैं।

रामल्लुचुंगा ने इस सत्र के दौरान फाइनल थर्ड में 17 बार कब्जा जीता है, जो सभी भारतीय खिलाड़ियों में सबसे अधिक है। उन्होंने एक गोल किया, तीन असिस्ट किए हैं, और विपक्षी बॉक्स के अंदर 25 टच दर्ज किए हैं।

मुम्बई ने अपने कुल पास का 27.5 प्रतिशत (कुल 9,104 पास में से 2,502) डिफेंसिव थर्ड में बनाया है, जो



94.6 प्रतिशत सटीकता के साथ लीग में सबसे ज्यादा है।

हैदराबाद के अंतरिम मुख्य कोच शमील चेम्बकथ ने आगामी मैच के लिए अपनी टीम को संभावनाओं पर बात की।

उन्होंने कहा, खिलाड़ी मुम्बई सिटी एफसी के खिलाफ मैच पर ध्यान लगा रहे हैं। हमने कड़ी ट्रेनिंग की है और घरेलू मैदान पर सकारात्मक प्रदर्शन करने की उम्मीद है। आइलैंड्स के चेक हेड कोच पीटर क्रैटको ने कहा कि मुम्बई सिटी में माकूल नतीजे पाने की क्षमता है।

उन्होंने कहा, खिलाड़ियों में क्षमता है और हमने हमें पूरे सत्र में महत्वपूर्ण अंक जीतने में मदद की है। लेकिन महत्वपूर्ण बात यह है कि हम तालिका में यथासंभव उच्च स्थान पर पहुंचने की कोशिश करें।

आईएसएल में दोनों टीमों के बीच 11 मुकाबले हुए हैं। मुम्बई सिटी एफसी ने चार बार जीत हासिल की है जबकि हैदराबाद एफसी ने दो मैच जीते हैं। पांच मुकाबले ड्रा रहे हैं।

डीविलियर्स के नाम हैं कई रिकार्ड

जोहान्सबर्ग। दक्षिण अफ्रीका के पूर्व कप्तान और स्टार बल्लेबाज एबी डीविलियर्स अपने आक्रामक क्रिकेट के कारण जाने जाते हैं। उन्होंने अपनी तेज पारियों से कई बड़े रिकार्ड कायम किये हैं जिन्हें तोड़ना किसी के लिए भी आसान नहीं होगा। इसए बल्लेबाज ने एक से बड़कर एक ऐसे शॉट लगाये जिसकी किसी ने कल्पना भी नहीं की थी। डीविलियर्स के नाम एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सबसे तेज अर्धशतक का विश्व रिकार्ड है। यह रिकार्ड उन्होंने एक दशक पहले बनाया था जो आज तक कोई बल्लेबाज नहीं तोड़ पाया है। उन्होंने 16 गेंदों पर ही अर्धशतक लगा दिया था। डीविलियर्स ने साल 2015 में वेस्टइंडीज के खिलाफ केवल 16 बॉल पर ये रिकार्ड बनाया था। उन्होंने तब श्रीलंका के पूर्व सलामी बल्लेबाज संजय सूर्या के रिकार्ड को तोड़ा था। जयसूर्या ने साल 1996 में पाकिस्तान के खिलाफ खेले गए मुकाबले में 17 गेंदों में अर्धशतक लगाया था। डीविलियर्स एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय में सबसे तेज शतक लगाने वाले बल्लेबाज हैं। उन्होंने सबसे कम गेंदों पर शतक लगाया है जो आज तक कोई नहीं तोड़ पाया। यह विश्व कीर्तिमान उन्होंने साल 2015 में वेस्टइंडीज के खिलाफ बनाया था।



अखिल भारतीय फुटबाल स्पर्धा की तैयारियां जोरों पर



सेन्ट्रल जिमखाना क्लब की मेजबानी में प्रकाश सोनकर व सुरेश एरन की स्मृति में आयोजित अखिल भारतीय फुटबाल स्पर्धा की तैयारियां जोर-शोर से जारी हैं। नेहरू स्टेडियम के मैदान को विशेष रूप से संचालित किया जा रहा है। मोयरा सरिया, खेल एवं युवक कल्याण विभाग तथा नगर पालिका निगम इन्दौर के सहयोग से हो रही इस स्पर्धा में देश की जानी मानी टीमों में भाग लेगी। पहला चरण 23 फरवरी से खेला जाएगा, और फिर उसके बाद देश की दिग्गज टीमों अपनी चुनौती पेश करेगी। स्पर्धा की तैयारियों का जायजा व मैदान का अवलोकन महापौर पुष्पभित्र भार्गव, विधायक महेन्द्र हाडिया, रमेश मूलचंदानी, संजय लुणावत, पवन सिंघानिया व एमआईसी सदस्य नंदकिशोर पहाडिया ने किया। इस दौरान भारत मथुरावाला, रविन्द्र राठी, मनीष मित्तल, अरविन्द तिवारी, के.के. गोयल, पिल्लू कौशल, जितेंद्र गंग, महेश दलेतरा, मोहन कप्तान, रमेश खड्डेलावाल, बी.के. गोयल, संजय विजयवर्गीय, मनोहर मस्ताना, अजय रावका, मुकेश जैन व अतुल अग्रवाल मौजूद थे। मैदान को संचालन का कार्य जमना सिलावट, नारायण खरबडीकर व शंख हमीद कर रहे हैं।

दिल्ली यूनिवर्सिटी एलुमना ने जीता श्याम लाल मेमोरियल महिला हॉकी टूर्नामेंट का खिताब

नई दिल्ली, 19 फरवरी (एजेंसियां)।

दिल्ली यूनिवर्सिटी एलुमना ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 11वें पंचश्री श्याम लाल मेमोरियल इन्वेंटेशनल हॉकी टूर्नामेंट के महिला वर्ग का खिताब अपने नाम कर लिया। फाइनल मुकाबले में एलुमना ने इंदिरा गांधी इंस्टीट्यूट ऑफ फिजिकल एजुकेशन एंड स्पोर्ट्स साइंस को 2-1 से मात दी।

श्याम लाल कॉलेज के मैदान पर खेले गए इस मुकाबले में विजेता टीम के लिए दोनों गोल अंशिता ने दोगे, जबकि पराजित टीम के लिए एकमात्र गोल सोमवती ने किया। शानदार खेल के लिए दिल्ली यूनिवर्सिटी एलुमना की अंशिता को प्लेयर ऑफ द मैच, जबकि मनिता को प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट का अवार्ड मिला।

समापन समारोह के मुख्य अतिथि रोहतास नगर के विधायक एवं भाजपा नेता



जितेंद्र महाजन ने विजेता और उपविजेता टीमों को ट्रॉफी प्रदान की। इस अवसर पर श्याम लाल कॉलेज के प्रधानाचार्य डॉ. रवि नारायण कर, दिल्ली यूनिवर्सिटी की फिजिकल एजुकेशन विभागाध्यक्ष प्रो. सरिता त्यागी, डीयूएससी के अतिरिक्त डायरेक्टर डॉ. सुशील कुमार, एम्यूनेथेरोपिस्ट

डॉ. जमाल अनोनो खान और जाकिर हुसैन कॉलेज के प्रधानाचार्य प्रो. नरेंद्र ने खिलाड़ियों को अन्य पुरस्कार वितरित किए। श्याम लाल कॉलेज को स्पॉट्स कमेटी के संयोजक वी.एस. जगगी ने टूर्नामेंट के सफल आयोजन में सहयोग देने वाले सभी अतिथियों का

आभार व्यक्त किया। मुख्य अतिथि जितेंद्र महाजन ने कहा, मुझे खुशी है कि हमारी बेटियां पूरे जोश और उत्साह के साथ हॉकी टूर्नामेंट में उतरें। कॉलेज को इस आयोजन के लिए बधाई। गौरतलब है कि मेजबान श्याम लाल कॉलेज ने इस टूर्नामेंट के पुरुष वर्ग का खिताब जीता।

बांग्लादेश के खिलाफ चैंपियंस ट्रॉफी मुकाबले में अर्शदीप को शामिल करे भारत : पोटिंग

दुबई, 19 फरवरी (एजेंसियां)।

भारतीय क्रिकेट टीम चैंपियंस ट्रॉफी में अपना पहला मैच गुरुवार को बांग्लादेश से खेलेगी। इसी को लेकर ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान रिकी पोटिंग ने कहा कि भारतीय टीम को इसमें हर्षित राणा की जगह पर बाएं हाथ के तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह को शामिल करना चाहिये।

पोटिंग के अनुसार इस टूर्नामेंट में मुख्य तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह की अनुपस्थिति में अर्शदीप अहम भूमिका निभा सकते हैं। राणा ने हाल में इंग्लैंड के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज में अच्छा प्रदर्शन कर अंतिम ग्यारह के लिए अपनी दावेदारी पक्की की थी।

पोटिंग ने कहा कि मैं पहले मैच के लिए बाएं हाथ के तेज गेंदबाज को



रखना चाहूंगा। इसलिए मैं राणा की जगह अर्शदीप को टीम में रखना चाहूंगा। उन्होंने कहा कि सभी जानते हैं कि अर्शदीप कितना अच्छा गेंदबाज है और अगर कौशल की बात करें तो शायद उसके पास भी बुमराह जैसा कौशल है। वह नई गेंद से डेथ ओवरों में प्रभावी प्रदर्शन करने में सक्षम है। पोटिंग ने कहा कि हर्षित भी एक अच्छा गेंदबाज है। मुझे लगता है कि वह काफी प्रतिभाशाली हैं और हम सभी जानते हैं कि नई गेंद से वह क्या कमाल कर सकता है पर मुझे नहीं लगता कि डेथ ओवरों में वह अर्शदीप जैसी भूमिका निभा सकता है। इस पूर्व कप्तान ने कहा कि अंतिम एकादश में बाएं हाथ का तेज गेंदबाज होना अंतर पैदा करता है। इससे आक्रमण को विविधता मिलती है। टीम में नई गेंद संभालने और मूव करने में सक्षम गेंदबाज की हमेशा ही जरूरत होती है।

पाक के पूर्व गेंदबाज गुल ने कहा, करीबी दोस्त की मौत से टूटकर लिया था संन्यास

कराची। पाकिस्तान में एक ओर जहां आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी शुरू हो रहा है। वहीं पूर्व तेज गेंदबाज उमर गुल का एक वीडियो भी सोशल मीडिया पर जगमग वायरल हो रहा है। इसमें उमर ने अपने अचानक संन्यास का कारण सबसे करीबी दोस्त की मौत से लगे सदमे को बताया है। जब एक टीवी शो में उमर से जब एंकर ने उनसे पूछा कि क्या उनके जीवन में कभी ऐसा पल आया जिससे वह टूट गये तो उन्होंने कहा, हां, ऐसा हुआ है, उमर ने पाकिस्तान के लिए 47 टेस्ट, 130 एकदिवसीय और 60 टी20 मैच खेले हैं। उन्होंने 16 अक्टूबर 2020 में अचानक ही खेल से संन्यास ले लिया था। अब गुल ने पहली बार इसका कारण बताया है और कहा है कि करीबी दोस्त की अचानक हुई मौत से वह दुखी हो गये थे। गुल ने बताया कि सबसे अच्छे दोस्त की अचानक मौत ने उनके तोड़कर रख दिया। उन्होंने कहा कि इस बात को आज तक अपनी पत्नी को भी नहीं बताया है। गुल ने कहा, ईमानदारी से कह रहा हूँ, आज तक मैंने कभी अपनी पत्नी को भी नहीं बताया, कि मेरे संन्यास लेने की वजह क्या है। इसका कारण मेरे करीबी दोस्त करीम की सड़क हादसे में हुई मौत है।



संगम के दूषित पानी पर एनजीटी ने लगाई फटकार

नई दिल्ली, 19 फरवरी (एजेंसियां)

राष्ट्रीय हरित प्राधिकरण (नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल) ने उत्तर प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (यूपीपीसीबी) और उत्तर प्रदेश सरकार को इस बात के लिए फटकार लगाई है कि उसने प्रयागराज में गंगा नदी के पानी में फीकल कोलीफॉर्म और ऑक्सीजन के निम्न स्तर के बारे में पर्याप्त जानकारी नहीं दी।

उत्तर प्रदेश सरकार से एक हफ्ते में मांगा जवाब



की गई निगरानी के दौरान फेकल कोलीफॉर्म और बायोकेमिकल ऑक्सीजन डिमांड का लेवल नहाने के मानदंडों को पूरा नहीं करता था। एनजीटी बेंच ने सोमवार को सीपीसीबी की रिपोर्ट को रिकॉर्ड पर लिया और कहा कि यूपीपीसीबी ने 23 दिसंबर के आदेश के अनुपालन में कार्रवाई रिपोर्ट दाखिल नहीं की। बुधवार को यूपीपीसीबी ने कहा कि उसने रिपोर्ट दाखिल कर दी है, लेकिन उसने सीपीसीबी से उन सटीक जगहों के बारे में भी जानकारी मांगी है, जहां से उन्होंने पानी के सैंपल इकट्ठे किए थे। इस पर पीठ ने पूछा कि क्या वे सीपीसीबी की रिपोर्ट पर विवाद कर रहे हैं। हालांकि, पीठ ने सीपीसीबी के वकील से उन बिंदुओं की भी जानकारी

मांगी जहां से पानी के नमूने इकट्ठे किए गए थे और साथ ही लैब टेस्ट की रिपोर्ट भी मांगी।

पीठ ने यह भी कहा कि पानी की कालिटी पर यूपीपीसीबी की अनुपालन रिपोर्ट में बायोकेमिकल ऑक्सीजन डिमांड, केमिकल ऑक्सीजन और फेकल कोलीफॉर्म के बारे में जानकारी सामने नहीं आई है। उत्तर प्रदेश की एडिशनल एडवोकेट जनरल गरिमा प्रसाद ने कहा कि यूपीपीसीबी, सीपीसीबी की रिपोर्ट में किए गए खूलासे की जांच करेगा और पानी की कालिटी में सुधार के लिए सही कार्रवाई की जाएगी।

कुंभ में गंगा में पानी की कालिटी पर सीपीसीबी की रिपोर्ट में कहा गया, पानी में फेकल कोलीफॉर्म का लेवल काफी ज्यादा पाया गया है। असल में जांच टीम ने कई जगहों पर पानी की जांच की थी, उस जांच के दौरान ही यह बात सामने आई कि पानी में फोकल कोलीफॉर्म की मात्रा काफी ज्यादा रही। इतना ही नहीं इसकी वजह भी बताई गई और कहा गया कि इस समय क्योंकि संगम में करोड़ों लोग स्नान कर रहे हैं, उस वजह से फोकल कोलीफॉर्म की मात्रा बढ़ गई है।

मुख्य चुनाव आयुक्त और चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति

कानून को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सुनवाई टली

नई दिल्ली, 19 फरवरी (एजेंसियां)

देश की सर्वोच्च अदालत ने मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) और चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति से संबंधित कानून की वैधता को चुनौती देने वाली याचिकाओं की सुनवाई स्थगित कर दी है, जिसमें चुनाव आयुक्तों के चयन पैनल से भारत के मुख्य न्यायाधीश को हटा दिया गया था। इससे पहले सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को कहा था कि वह मुख्य निर्वाचन आयुक्त (सीईसी) और निर्वाचन आयुक्तों (ईसी) की नियुक्तियों के खिलाफ दायर याचिकाओं पर 19 फरवरी को प्राथमिकता के आधार पर सुनवाई करेगा।

न्यायमूर्ति सुर्यकांत और जस्टिस एन कोटिश्चर सिंह की पीठ को एक गैर सरकारी संगठन की ओर से पेश अधिवक्ता प्रशांत भूषण ने बताया था कि संविधान पीठ के 2023 के फैसले में कहा गया था कि मुख्य



निर्वाचन आयुक्त और निर्वाचन आयुक्तों की नियुक्तियां ऐसा पैनल करेगा, जिसमें भारत के प्रधान न्यायाधीश (सीजेआई) भी शामिल होंगे। इसके बावजूद सरकार ने सीजेआई को इसमें शामिल नहीं किया और इस तरह से लोकतंत्र का मजाक उड़ाया। उन्होंने कहा, यह मामला 19 फरवरी के लिए सूचीबद्ध है, लेकिन इसे आइटम नंबर 41 के रूप में सूचीबद्ध किया गया है। सरकार ने संविधान पीठ के दृष्टिकोण की अनदेखी करते हुए

मुख्य निर्वाचन आयुक्त, निर्वाचन आयुक्तों की नियुक्ति की है। कृपया इसे पहले उठाएं, क्योंकि मामले पर तत्काल विचार करने की आवश्यकता है। याचिकाकर्ता जया ठाकुर की ओर से पेश हुए अधिवक्ता वरुण ठाकुर ने कहा था कि सरकार ने नए कानून के तहत तीन नियुक्तियों की हैं, जिन्हें चुनौती दी गई है। इस पर पीठ ने भूषण और अन्य पक्षों को आश्वासन दिया था कि कुछ अत्यावश्यक सूचीबद्ध मामलों के बाद वह 19

फरवरी को सुनवाई के लिए याचिकाओं पर विचार करेगी।

इससे पहले सरकार ने सोमवार को ज्ञानेश कुमार को अगला मुख्य निर्वाचन आयुक्त नियुक्त किया है। वे जनवरी 2024 में सहकारिता मंत्रालय में सचिव के रूप में सेवानिवृत्त हुए थे। उन्हें मार्च 2024 में उन्हें निर्वाचन आयुक्त के रूप में नियुक्त किया गया।

राजीव कुमार के मंगलवार शाम को सेवानिवृत्त होने के एक दिन बाद उन्होंने बुधवार को 26वें सीईसी के रूप में शपथ ली। देश के नए मुख्य चुनाव आयुक्त की नियुक्ति पर कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने केंद्र सरकार पर हमला बोला है। उन्होंने कहा कि जब मुख्य चुनाव आयुक्त की नियुक्ति प्रक्रिया को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी जा रही है, तब आधी रात को नए मुख्य चुनाव आयुक्त के चयन का फैसला लेना प्रधानमंत्री, गृहमंत्री के लिए अपमानजनक और अशिष्ट है।

मुख्यमंत्री ने छत्रपति शिवाजी महाराज को उनकी जयंती पर श्रद्धांजलि दी

हैदराबाद, 19 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)

तेलंगाना के मुख्यमंत्री खंडेराव रेड्डी ने छत्रपति शिवाजी महाराज की जयंती के अवसर पर उनके जुबली हिल्स स्थित आवास पर पुष्पांजलि अर्पित की। महान मराठा योद्धा की विरासत का सम्मान करते हुए, मुख्यमंत्री ने उनके चित्र के समक्ष प्रार्थना की। मंत्री डी. श्रीधर बाबू के साथ-साथ विधायक वाकिली श्रीहरि और बंदला कृष्ण मोहन रेड्डी ने भी श्रद्धांजलि सभा में भाग लिया। शिवाजी महाराज के योगदान और नेतृत्व को याद करने में कई अन्य प्रतिनिधि भी उनके साथ शामिल हुए।



सनातन के बाद अब उदयनिधि हिंदी के विरोध में उतरे

हिंदी लागू हुई तो तमिल का अस्तित्व खतरे में पड़ेगा

चेन्नई, 19 फरवरी (एजेंसियां)

सनातन धर्म पर अनाप शनाप बोलने वाले तमिलनाडु सरकार के मंत्री उदयनिधि स्टालिन अब हिंदी भाषा के खिलाफ अनर्गल बयान जारी कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि हिंदी के कारण तमिल भाषा विलुप्त हो सकती है। अगर हिंदी को तमिलनाडु में लागू किया गया, तो यहां भी अन्य उत्तर भारतीय भाषाओं की तरह तमिल का भी अस्तित्व खतरे में पड़ सकता है।

उदयनिधि ने यह भी आरोप लगाया कि हिंदी ने उत्तर भारत में कई स्थानीय



भाषाओं, जैसे राजस्थानी, हरियाणवी, भोजपुरी आदि को समाप्त कर दिया है और अब हिंदी प्रमुख भाषा बन गई है। उनका कहना था कि तमिल लोग ऐसे स्कूलों में पढ़ते हैं जहां हिंदी नहीं पढ़ाई जाती। स्टालिन ने केंद्र सरकार पर आरोप लगाते हुए कहा कि अगर तमिलनाडु को केंद्रीय

फंड मिलना बंद कर दिया, तो राज्य स्तर पर विरोध प्रदर्शन शुरू हो सकते हैं। इसके अलावा, वीसीके अध्यक्ष टोला थिरुमावलवन ने भी कहा कि भाजपा हिंदी को इसलिए थोप रही है क्योंकि वह एक राष्ट्र, एक भाषा की नीति लागू करना चाहती है, जिससे हिंदी को राष्ट्रभाषा बनाया जा सके।

उल्लेखनीय है कि सितंबर 2023 में स्टालिन ने सनातन धर्म का विरोध करते हुए कहा था कि कुछ चीजें ऐसी होती हैं जिन्हें जड़ से उखाड़ फेंकना चाहिए, जैसे डेंगू, मच्छर, मलेरिया और कोरोना वायरस को खत्म करने की जरूरत होती है, वैसे ही सनातन धर्म को भी समाप्त करना चाहिए।

Happy

10TH
MARRIAGE
ANNIVERSARY

प्रविशोध संग निकिता अग्रवाल

(सुपुत्र-पुत्रवधु : रमेश -रूपरेखा अग्रवाल)

को

10 वीं वैवाहिक वर्षगांठ पर

चमकता दमकता रहे आपका जीवन
खुशियों से भर जाए आपका जीवन

हार्दिक शुभकामनाएं

नथमल सुरेश कुमार बत्सईवाले

महेन्द्रा हिल्स, सिकंदराबाद